रुझानों को लेकर शशि थरूर.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सारा अर्जुन की लगी... 11

वर्ष - 02, अंक - 31 | गाजियाबाद / मंगलवार 05 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

सुनेत्रा पवार ने जीत का इतिहास बनाया, 2.18 लाख वोटों से जीतीं

- 5 राज्यों की 7 सीटों पर उपचुनाव, इनमें भाजपा 4, कांग्रेस 1 जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 5 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के नतीजे लगभग आ गए हैं। महाराष्ट्र के बारामती सीट से एनसीपी उम्मीदवार सुनेत्रा पवार ने 2 लाख 18 हजार वोटों के अंतर से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। यह अंतर भारत के इतिहास में अब तक का सबसे ज्यादा है। सुनेत्रा पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी हैं, जिनका 28 जनवरी 2026 को विमान हादसे में निधन हो गया था। बारामती अजित पवार की पारंपरिक सीट रही है। यहां से सुनेत्रा की जीत लगभग तय थी। उनके खिलाफ 22 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे।

महाराष्ट्र के राहुरी सीट से भाजपा के अक्षय कार्डिले जीत गए हैं। भाजपा ने गुजरात, नगालैंड और त्रिपुरा की 1-1 सीट भी जीत ली है। कर्नाटक के बागलकोट में कांग्रेस उम्मीदवार जीते हैं। राज्य की दूसरी सीट, दावणगेरे साउथ पर कांग्रेस लगातार बढ़त बनाए हुए है। उपचुनाव वालीं सभी 7 सीटें पूर्व विधायकों की मौत के कारण खाली हुई थीं। कर्नाटक, नगालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। गुजरात की लिमखेड़ा और महाराष्ट्र के बारामती और राहुरी सीट पर 23 अप्रैल को वोटिंग हुई थी।

सुनेत्रा पवार ने बारामती में जीत के बाद जनता को धन्यवाद दिया- बारामती में मिली जीत के बाद सुनेत्रा पवार ने जनता का दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह जीत लोगों के भरोसे, प्यार और समर्थन का नतीजा है, जिसे वे हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने अजित पवार को याद करते हुए कहा कि यह जीत उनके काम और यादों को समर्पित है। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं और सहयोगी दलों का आभार जताया और भरोसा दिलाया कि वे सभी वर्गों के विकास के लिए मिलकर काम करेंगे और जनता के विश्वास पर खरा उतरेंगे।

अमेरिकी सेना ने ईरानी जहाज पाकिस्तान को सौंपा

- चीन से लौटते समय कब्जा किया था; यूएस नेवी होर्मुज में फंसे जहाजों को आज से रेस्क्यू करेगी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने जब्त किए गए ईरानी जहाज टूस्का को अब पाकिस्तान को सौंप दिया है। अब इस जहाज को उसके क्रू मेंबर के साथ वापस ईरान भेजा जाएगा। यह जानकारी अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता ने दी।

अमेरिका ने 21 अप्रैल को इस जहाज को पकड़ लिया था। यह चीन से लौट रहा था। तब अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया था कि इस पर हथियार बनाने से जुड़े सामान लाए जा रहे थे। ईरान ने इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की थी और इसे समुद्री डकैती बताया था।

अमेरिका ने ईरानी जहाज को ऐसे समय पर रिलीज किया है जब कुछ ही घंटे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने होर्मुज में फंसे जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने के लिए नया अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर बताया कि कई देशों ने अमेरिका से मदद मांगी है। उनके जहाज यहां फंस गए हैं। ट्रम्प ने इन जहाजों और उनके कर्मचारियों को निर्दोष बताया और कहा कि वे हालात के कारण मुश्किल में फंस गए हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका इन जहाजों को सुरक्षित रास्ता दिखाएगा ताकि वे बिना किसी खतरे के अपना काम जारी रख सकें। यह ऑपरेशन सुबह से शुरू होगा। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर इस ऑपरेशन में ईरान ने कोई रुकावट पैदा की तो अमेरिका सख्त जवाब देगा।

पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी में कमल लहराया

केरल में कांग्रेस गठबंधन तो तमिलनाडु में टीवीके (विजय) का कमाल

कोलकाता/गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी/चेन्नई (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरलम और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 की वोटों की गिनती हुई। रुझानों में बंगाल में बीजेपी पहली बार सरकार बना रही है। वह 203 सीटों पर आगे चल रही थी। वहीं, टीएमसी को झटका लगा है और उसने 84 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया और डबल डिजिट में सिमटती दिख रही है। असम में भाजपा, तमिलनाडु में डीएमके, केरल में कांग्रेस आगे थी। पश्चिम बंगाल में 293 सीटों के लिए काउंटिंग हो रही है। वहीं असम की 126 सीटों पर एकतरफा मामला देखने को मिल रहा था और यहां भाजपा 99 सीटों पर आगे चल रही थी।

तमिलनाडु में टीवीके विजय ने चौंकाया, 107 सीटों पर बढ़त बनाए हुए थी- तमिलनाडु में एक्टर विजय की पार्टी टीवीके जबरदस्त प्रदर्शन करती नजर आ रही है। उसने सत्ताधारी डीएमके को पछाड़ते हुए 107 सीटों पर बढ़ बनाई हुई है, जबकि डीएमके 71 सीटों पर आगे चल रही थी।

असम में फिर हिमंता सरकार

असम में चुनावी माहौल पूरी तरह गरम था। 126 विधानसभा सीटों पर हुए मतदान के बाद अब सभी की नजरें नतीजों पर टिकी हुई थीं।

वोटों की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू हो गई थी। दोपहर तक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई थी। इस बार असम में 85.38 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था, जो राज्य के इतिहास में सबसे ज्यादा रहा है। मुख्य मुकाबला मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा और कांग्रेस गठबंधन के बीच था। हिमंता बिस्व सरमा हैट्रिक लगाई। भाजपा यहां एकतरफा जीत की और थी।

विजय संदेश में कहा-हमारी सरकार हर वर्ग के लिए काम करेगी: पीएम मोदी

पुडुचेरी में भाजपा की सरकार

पुडुचेरी की 30 सीटों पर मतगणना हुई और यहां बीजेपी 18 और कांग्रेस 7 सीटों पर आगे चल रही थी।

केरलम में कांग्रेस नेतृत्व वाली यूडीएफ सत्ता के करीब थी

केरलम की 140 सीटों पर वोटों की गिनती हुई और कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ 100 सीटों पर आगे चल रही थी। वहीं लेफ्ट 35 सीटों के साथ पीछे चल रही है।

असम में कांग्रेस को बड़ा झटका, जोरहाट सीट से चुनाव हारे गौरव गोगोई

असम में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। बीजेपी के हितेंद्र नाथ ने 23 वोटों के अंतर से हराया कांग्रेस नेता गौरव गोगोई जोरहाट सीट से हराया है। जानकारी के लिए बता दें कि गौरव असम की जोरहाट सीट से चुनाव लड़ रहे थे।

भवानीपुर के काउंटिंग सेंटर पहुंचे ममता और सुवेंदु बाहर भारी फोर्स थी तैनात

बंगाल की 293 सीटों पर वोटों की गिनती जारी थी। एक सीट फालता पर 21 मई को फिर वोटिंग होगी। रुझानों में भाजपा को बहुमत की और थी। भवानीपुर में ममता बनर्जी भाजपा कैंडीडेट सुवेंदु अधिकारी से करीब 7 हजार वोटों से आगे चल रही हैं। दोनों काउंटिंग सेंटर पहुंचे हैं, बाहर भारी फोर्स तैनात थी।

बंगाल में जनसंघ-भाजपा के 72 साल, शुरुआत श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की

- भाजपा पहली बार बंगाल में सरकार बनाने जा रही है। 1980 में जनसंघ के नेताओं ने भाजपा बनाई थी। जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल से थे।
- 1952 में जब जनसंघ ने पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा तब पार्टी को सिर्फ 9 सीटें मिली थीं। 1967 में एक सीट मिली।
- 2011 तक भाजपा बंगाल के किसी भी विधानसभा चुनाव में अपना खाता नहीं खोल पाई।
- पहली बार 2016 में पार्टी को 3 सीटें मिलीं। फिर 2021 में भाजपा 77 सीटों पर जीती और अब अपने दम पर सरकार बनाती दिख रही है।

कोलकाता में भाजपा के समर्थकों का ढोल नगाड़े के साथ जश्न शुरु, झालमुड़ी बांटी

असम और पश्चिम बंगाल चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद बीजेपी समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। यहां तक कि पार्टी के समर्थकों ने अभी से ही ढोल नगाड़े बजाने शुरू कर दिए हैं। दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय पर समारोह हुआ।

बंगाल में शहर-शहर भाजपा कार्यकर्ताओं का जश्न पश्चिम बंगाल के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की बढ़त के बाद कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भाजपा कार्यकर्ता

जश्न मना रहे हैं। कोलकाता में भाजपा कार्यालय के बाहर 'कमला भोग' व 'झाल मुड़ी' जैसी मिठाइयां बांटी गई। इसके साथ ही, भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'जय श्री राम' के नारे लगाए। कोलकाता में पार्टी मुख्यालय के बाहर भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचे थें और जश्न मना रहे थे। इसी क्रम में स्थानीय नेता नारायण चट्टोपाध्याय 'कमला भोग' व 'झाल मुड़ी' लेकर पहुंचे। उन्होंने सभी को 'झाल मुड़ी' खिलाई।

कोलकाता के साल्ट लेक स्थित भाजपा दफ्तर में जश्न का माहौल है। पार्टी के वरिष्ठ नेता सुनील बंसल, बिप्लव कुमार देव, मंगल पांडे, राहुल सिन्हा, अमित मालवीय, निशिकांत दुबे, संजय जायसवाल और सतीश गौतम शामिल हैं। कार्यकर्ताओं कार्यालय परिसर में जश्न मनाते नजर आए।

बिहार में फिर टूटा पुल

4.7 किमी लंबा विक्रमशिला सेतु दो हिस्सों में बंटा, सिस्टम पर उठे बड़े सवाल, ट्रैफिक डायवर्ट

पटना (एजेंसी)। बिहार में गंगा नदी पर बना विक्रमशिला सेतु, भागलुर और नवगछिया को जोड़ता है। बिहार के सीमांचल और कोसी क्षेत्र के बीच यह पुल एक महत्वपूर्ण कड़ी है। रविवार रात यह पुल अचानक बीच में से टूट गया। जी हां, पुल का एक हिस्सा पूरी तरह से ध्वस्त होकर गिर गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इसके बाद प्रशासन ने यातायात को दोनों ओर से डायवर्ट कर दिया।

विक्रमशिला पुल एक तरफ से भागलपुर, बांका और झारखंड व दूसरी ओर नवगछिया, कटिहार, पूर्णिया, सहरसा और मधेपुरा को जोड़ता है। इस क्षेत्र में इस पुल को लाइफलाइन माना जाता है। इस पुल का उद्घाटन साल 2001 में राबड़ी देवी के कार्यकाल में हुआ था।

भागलपुर के जिलाधिकारी नवल किशोर चौधरी ने बताया कि पुल दो चरणों में ध्वस्त हुआ। पहला हिस्सा रविवार रात 11,55 बजे के आसपास पुल संख्या 133 पर हुआ जबकि आधी रात बाद 1,07 बजे एक पूरा स्पैन गिर गया जिससे 4.7 किलोमीटर लंबा पुल दो हिस्सों में बंट गया। उन्होंने कहा, पहले से अलर्ट जारी होने के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

भागलपुर की ओर का यातायात मुंगेर की तरफ मोड़ दिया गया है, जबकि दूसरी ओर का ट्रैफिक खगड़िया की ओर डायवर्ट किया गया है।

उन्होंने बताया कि भागलपुर के एसएसपी प्रमोद कुमार यादव और नवगछिया के एसपी राजेश कुमार घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे और यातायात व्यवस्था संभाली।

बंगाल चुनाव नतीजों के बीच आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

'कानून व्यवस्था संभालना सरकार का काम है'

नईदिल्ली (एजेंसी)। बंगाल विधानसभाव चुनाव को लेकर मतगणना जारी है। इस बीच ही सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के बाद हिंसा की आशंकाओं के मद्देनजर केंद्रीय बलों की तैनाती जारी रखने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में कोर्ट ने कहा कि वह राज्य तंत्र से न्यायिक हस्तक्षेप के बिना ही अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की उम्मीद करता है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि इस स्तर पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किसी न्यायिक आदेश की आवश्यकता नहीं है। सीजेआई की बेंच पीठ ने कहा, राज्य का संचालन राजनीतिक कार्यपालिका द्वारा किया जाए। वे निर्णय लेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें उम्मीद है कि वे (राज्यसरकार) अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं। पीठ ने केंद्रीय पुलिस बलों की निरंतर तैनाती के निर्देश देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। ये टिप्पणियां तब आईं जब वरिष्ठ अधिवक्ता वी. गिरि ने सनातनी संसद की ओर से दायर उस याचिका का जिक्र किया जिसमें मतदान समाप्त होने के बाद भी केंद्रीय बलों की मौजूदगी सुनिश्चित करने और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में निगरानी तंत्र स्थापित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

इस याचिका में जल्दी की जरूरत क्या थी?

वकील वी गिरि ने पिछले चुनावों में कथित हिंसा की घटनाओं का हवाला देते हुए अदालत से एहतियाती हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था। बता दें कि जब चुनावी प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी और केवल मतगणना शेष थी, तब याचिका की तात्कालिकता को लेकर पीठ आश्वस्त नहीं दिखी। इस मामले में अदालत ने पूछा, चुनाव समाप्त हो चुके हैं, मतगणना चल रही है। ऐसी स्थिति में इतनी तात्कालिकता की क्या आवश्यकता है? अदालत ने यह भी संकेत दिया कि इस प्रकार की शिकायतों के लिए उपयुक्त मंच संबंधित उच्च न्यायालय होगा।

उप्र के दोनों डिप्टी सीएम सवार थे, 10 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

खराब मौसम के चलते लखनऊ-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नईदिल्ली/भोपाल/लखनऊ/जयपुर/देहरादून (एजेंसी)। खराब मौसम की वजह से दिल्ली से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6476 की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे। दोनों भोपाल में सुरक्षित उतरे।

यूपी में आंधी-बारिश जारी है। कानपुर, सुल्तानपुर और बाराबंकी समेत 64 जिलों में आंधी, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। पिछले 24 घंटे में जालौन सबसे गर्म शहर रहा। सुल्तानपुर में पेड़ की डाल गिरने से एक की मौत हो गई। राजस्थान के दौसा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर और हनुमानगढ़ में आंधी के साथ बारिश हुई। ओले भी गिरे। खराब मौसम के कारण तीन लोगों की मौत हो गई।

जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर पेड़ गिरने से 40 मिनट तक जाम रहा। हरियाणा के सिरसा, भिवानी और महेंद्रगढ़ में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। उत्तराखंड के भी 11 जिलों में बारिश हुई। नैनीताल, देहरादून और अल्मोड़ा में ओले भी गिरे।

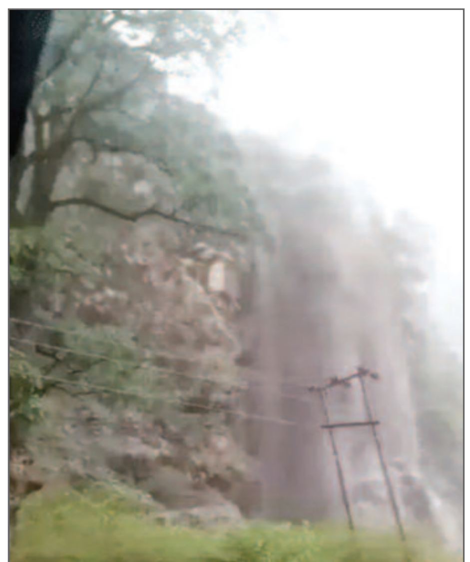

- **अगले 2 दिन के मौसम का हाल-** राजस्थान, बिहार और उत्तराखंड समेत 10 राज्यों में आंधी-बारिश का दौर जारी है। आज 13 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। 10 राज्यों में आंधी के साथ बिजली गिरने की आशंका है।
- **5 मई:** जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के साथ बिजली गिरने का अनुमान है। यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है।
- असम, मेघालय और अरुणाचल में कुछ जगह भारी बारिश का अनुमान है।
- **6 मई:** पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश होगी। यूपी, राजस्थान, बिहार, झारखंड और ओडिशा में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में बारिश के साथ बिजली गिरने का अनुमान है।

यूपी में आंधी-तूफान, पानी की टंकी टूटकर लटकी, शादी का मंडप उड़ा, 22 जिलों में तेज बरसात; 3 की मौत- यूपी में आंधी-बारिश का दौर जारी है। सोमवार सुबह अयोध्या, सीतापुर और बारांबकी में ओले गिरे। लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर और कानपुर समेत 22 जिलों में आंधी के बाद बारिश हुई। लखनऊ में तूफान के साथ करीब डेढ़ घंटे तक पानी बरसा। यहां सुबह 8.20 बजे अचानक मौसम बदला। दिन में रात जैसा अंधेरा छा गया। फिर बिजली कड़कने लगी। इसके बाद जोरदार बारिश हुई। बारिश और तूफान से पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। नाले उफना गए। खराब मौसम की वजह से दिल्ली से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6476 की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे। लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान ने तीन बार लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन तेज हवाओं और खराब विजिबिलिटी के चलते लैंडिंग नहीं हो सकी।

स्पाइसजेट और प्रवर्तक अजय को झटका, याचिका खारिज, लगा जुर्माना

-कोर्ट ने 19 जनवरी को 144 करोड़ रुपए जमा करने का दिया था आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सामने आने से विमानन कंपनी से जुड़ा बड़ा विवाद फिर चर्चा में आ गया। बता दें कि कोर्ट ने स्पाइसजेट और उसके प्रवर्तक अजय सिंह की वह याचिका खारिज कर दी है, जिसमें उन्होंने पहले दिए गए आदेश की समीक्षा की मांग की थी। इस आदेश के तहत उन्हें 144 करोड़ रुपए जमा करने को कहा था, जिसे लेकर उन्होंने राहत की गुहार लगाई थी। जानकारी के मुताबिक न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए स्पाइसजेट और अजय सिंह पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि मामला खारिज किया जाता है और पहले दिया गया आदेश लागू रहेगा। बता दें कोर्ट ने 19 जनवरी को स्पाइसजेट को कुल 194 करोड़ रुपए की स्वीकृत देनदारी में से 144 करोड़ रुपए छह सप्ताह के अंदर जमा करने का निर्देश दिया था। बाद में इस समय सीमा को 18 मार्च तक बढ़ा दी थी। बताया जा रहा है कि स्पाइसजेट और अजय सिंह ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कंपनी की खराब वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए इस आदेश पर पुनर्विचार की मांग की थी। उन्होंने कोर्ट को यह भी प्रस्ताव दिया कि नकद राशि जमा करने के बजाय गुरुग्राम स्थित एक व्यावसायिक संपत्ति को गारंटी के तौर पर स्वीकार कर लिया जाए। साथ ही यह भी कहा कि केंद्र सरकार से कुछ सहायता मिलने की उम्मीद है। हालांकि दूसरी ओर कलानिधि मारन और उनकी कंपनी कल एयरवेज ने इस पुनर्विचार याचिका का कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि इसी तरह के तर्क पहले भी सुप्रीम कोर्ट में रखे जा चुके हैं और वहां उन्हें खारिज किया जा चुका है। ऐसे में इस आधार पर दोबारा राहत नहीं दी जानी चाहिए।

बंगाल चुनाव पर रामदेव की प्रतिक्रिया, यह सबक उनके लिए जो सोचते हैं कोई उन्हें हिला नहीं सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के रुझानों को लेकर योग गुरु बाबा रामदेव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी की जीत हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उनके योद्धाओं के नेतृत्व में जो बंगाल में हुआ है, वहां अप्रत्याशित है, ऐतिहासिक है। बहुत मायनों में ये सबक है कि हम यहां स्थापित हैं और हमें सत्ता से कोई हिला नहीं सकता है। उन्होंने कहा, वर्चस्ववाद के उन्माद में जो लोग पगलाए हुए थे, उनके लिए ये बंगाल का चुनाव एक बहुत बड़ा सबक है कि अब आपको विजय चाहिए है, तब अंतिम वोटर से लेकर बूथ मैनेजमेंट तक राजनीति की सभी दिशाओं को आपको साधना होगा। जो लोग हिंदू समाज को जाति वर्ग समुदायों में बांटकर एक मजहबी तुष्टिकरण कुचक्र को स्थापित करना चाहते थे उनके लिए भी बड़ा सबक है।

नदी में कार गिरने से 4 लोगों की मौतें

कबीरधाम(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में देर रात तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर फोक नदी में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार 4 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना पांडातराई थाना क्षेत्र की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सभी युवक बिरगांव (रायपुर) से पंडरिया में शादी में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान पांडातराई के पास कार का बैलेंस बिगड़ा और पलटते हुए 30 फीट नीचे नदी में जा गिरी। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकला और पुलिस को हादसे की सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों घायलों को रायपुर रेफर किया गया है। परिजनों को भी हादसे की सूचना दे दी गई है। वहीं मृतकों के शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। पीएम के बाद परिजनों को शव सौंपा जाएगा।

सड़क पर सोने की अफवाह ने बटोरी भीड़ : वलसाड में हर चमकती चीज़ सोना नहीं निकली

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले में हाल ही में अजीबोगरीब घटना देखने को मिली, जहां नारगोल कोस्टल हाइवे पर सड़क किनारे पड़े कुछ चमकदार टुकड़ों को लोग सोना समझ बैठे। दोपहर की तेज धूप में इन टुकड़ों पर जब रोशनी पड़ी, तब वे वाकई सोने की तरह चमकने लगे, जिसने वहां से गुजर रहे लोगों का ध्यान खींचा। देखते ही देखते यह अफवाह बिजली की तरह फैल गई कि सड़क पर खजाना यानी सोना बिखरा पड़ा है।

जैसे ही यह खबर आसपास के गांवों और बस्तियों तक पहुंची, लोग अपना काम छोड़कर सड़क की ओर दौड़ पड़े। विशेषकर महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में वहां पहुंचे, कोई दुपट्टे में, तब कोई थैली में इन चमकदार टुकड़ों को बटोरने लगा। चिलचिलाती गर्मी और धूप की परवाह किए बिना सड़क पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हर कोई झुक-झुककर इन टुकड़ों को उठाने की होड़ में था, जैसे उन्हें सचमुच कोई बड़ा खजाना मिल गया हो। इस पूरे घटनाक्रम को किसी ने मोबाइल पर कैद कर लिया और वीडियो सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गया, जिससे हर कोई यह देखकर हैरान था कि आखिर सड़क पर क्या गिर गया, जिसे लोग सोना समझ बैठे। हालांकि, सोने की कहानी का सच ज्यादा देर तक छिपा नहीं रह सका। स्थानीय स्तर पर इन टुकड़ों की जांच की गई, तो पता चला कि ये कीमती धातु सोना नहीं, बल्कि साधारण तांबा या पीतल जैसे धातु के टुकड़े थे। जो लोग इन्हें खजाना समझकर खुशी-खुशी बटोर रहे थे, उन्हें बाद में निराशा हाथ लगी। सच्चाई सामने आने से पहले ही बड़ी मात्रा में ये टुकड़े लोग अपने साथ ले जा चुके थे।

ममता और स्टालिन का प्रदर्शन सिर्फ दो दलों की हार नहीं, क्या अब इंडिया गठबंधन टिक पाएगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 4 मई को अब तक आए चुनावी नतीजों के बाद 5 राज्यों की चुनावी तस्वीर करीब साफ हो चुकी है। जहां बंगाल में पहली बार बीजेपी सरकार बनाने जा रही है। वहीं तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बंगाल और तमिलनाडु दोनों ही राज्यों में बदलाव के साथ दो सबसे शक्तिशाली क्षेत्रीय नेताओं को गहरा धक्का लगा है। इन नेताओं की हार का असर आने वाले आम चुनाव और विपक्षी एकता पर पड़ना तय है। बीजेपी पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के चौथे कार्यकाल की उम्मीदों पर पानी फेरती दिख रही है। वहीं तमिलनाडु में स्टालिन अपनी कुर्सी गंवा बैठे हैं और टीवीके प्रमुख थलपति विजय का मुख्यमंत्री बनना तय है।

बात दें कि स्टालिन और ममता दोनों विपक्षी इंडिया गठबंधन के सबसे प्रमुख चेहरों में से हैं। दोनों नेता अब तक अपने-अपने राज्यों में भाजपा के विस्तार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। पिछले कुछ चुनावों में कांग्रेस की कई हार के बाद विपक्ष के चेहरे के रूप में राहुल गांधी के नाम पर इंडिया गठबंधन के भीतर ही सवाल थे। वहीं अब ममता बनर्जी और स्टालिन को चुनाव में जो झटका लगा है वह इंडिया गठबंध की स्थिति को और जटिल कर देगा।

2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी अपने दम पर सरकार बनाने से चूकी थी। बीजेपी जितनी सीटों की उम्मीद लगाए बैठी थी उसके मुताबिक सफलता नहीं मिली। साथ ही सवाल उठने लगे कि बीजेपी की स्थिति अब कमजोर हो रही है लेकिन आम चुनाव के बाद कई राज्यों में बीजेपी ने जीत हासिल आकलन को गलत साबित किया। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बीजेपी ने महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, दिल्ली और ओडिशा सहित कई राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत की है। पश्चिम बंगाल में मिली जीत ने इस दायरे को और भी बढ़ाया है।

आज आए नतीजों में तमिलनाडु में न केवल डीएमके की हार हुई बल्कि सीएम एमके स्टालिन अपनी सीट भी हार गए है। डीएमके ने 2021 में एआईएडीएमके को हराकर सत्ता में वापसी की और 234 में से 133 सीटें जीतीं। लेकिन यह चुनाव तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव लेकर आया है। वहीं बंगाल में 2011 में ममता सत्ता में आईं और उन्होंने लेफ्ट के तीन दशक के शासन का अंत किया। बीजेपी की बढ़ती चुनौती के बावजूद उन्होंने 2016 और 2021 में अपनी स्थिति मजबूत की। लेकिन अब चौथी बार जीत का सपना टूट गया।

तमिलनाडु में लंबे समय से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा लेकिन इस चुनाव में टीवीके के उदय ने कई राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया। राजनीतिक विश्लेषक टीवीके की लोकप्रियता में इस उछाल का एक बड़ा कारण विजय की व्यक्तिगत लोकप्रियता को मानते हैं, खासकर युवा और महिला मतदाताओं के बीच। थलपति के नाम से जाने जाने वाले विजय ने तीन दशकों के फिल्मी करियर में अपनी दमदार फैन फॉलोइंग के साथ राजनीति में कदम रखा और अब पहले ही चुनाव के बाद उनका राज्य का अगला सीएम बनना लगभग तया है।

लालू परिवार को राबड़ी आवास खाली करने का अल्टीमेटम : सरकार ने दिया 15 दिन का समय

बेटी रोहिणी ने नोटिस को लालू यादव का अपमान बताया

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में एक बड़ी हलचल सामने आई है, जहाँ सम्राट सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके परिवार को पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास राबड़ी आवास खाली करने के लिए 15 दिनों का समय दे दिया है। यह वहीं आवास है जहाँ पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव रहते हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, सम्राट सरकार ने पहले भी करीब एक साल पहले 25 नवंबर को आवास खाली करने का आदेश दिया था, लेकिन लालू परिवार की ओर से अब तक आवास खाली नहीं किया गया। इसके बाद अब सम्राट सरकार ने सख्त रुख दिखाकर अंतिम चेतावनी दी है। भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा जारी नोटिसों में राबड़ी देवी के अलावा, हाल ही में चुनाव हार चुके कई पूर्व विधायकों को भी सरकारी बंगले खाली करने को कह दिया गया है। बताया जा रहा है कि लालू परिवार करीब 20 वर्षों से 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास में रह रहा था। भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को पहला नोटिस तब जारी किया था जब उन्हें बिहार विधान परिषद के आवासन के लिए पटना के 39 हार्डिंग रोड पर एक नया आवास आवंटित किया गया था। इस घटनाक्रम पर लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस सुशासन बाबू का विकास मॉडल बताकर लालू प्रसाद का अपमान करार दिया और लिखा, घर से निकल सकते हो, बिहार की जनता के दिल से कैसे निकालिएगा। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक सरकार या संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलें और तेज हो गई हैं।

देश के कई राज्यों में आंधी-बारिश का प्रकोप: 4 की मौत, यूपी में 64 जिलों में अलर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सहित करीब 10 राज्यों में आंधी-बारिश और ओलावृष्टि का दौर जारी है। बीते 24 घंटों में खराब मौसम के चलते चार लोगों की जान गई है। इसमें राजस्थान में तीन और उत्तर प्रदेश में एक व्यक्ति शामिल है। जम्मू-कश्मीर में भूस्खलन के कारण एक महत्वपूर्ण सड़क मार्ग बंद हुआ है, जिससे यातायात प्रभावित हुआ है।

उत्तर प्रदेश में खराब मौसम ने जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लखनऊ में सुबह से तेज हवाएं चल रही हैं राजस्थान के दौसा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर और हनुमानगढ़ जैसे जिलों में आंधी के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई, जिससे कई झुग्गी-झोपड़ियां उखड़ गईं और जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर पेड़ गिरने से 40 मिनट तक लंबा जाम लगा रहा। हरियाणा के सिरसा, भिवानी और महेंद्रगढ़ में भी तेज बारिश के साथ ओले गिरे, वहीं उत्तराखंड के 11 जिलों में बारिश हुई, जिसमें नैनीताल, देहरादून और अल्मोड़ा में ओलावृष्टि की सूचना है। जम्मू-कश्मीर के लघामा में हुए भूस्खलन के कारण बारामूला-उरी नेशनल हाईवे को बंद करना पड़ा, और यातायात को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया गया है। मौसम विभाग ने राजस्थान के 19 जिलों के लिए ऑरेंज और 8 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

आगामी दो दिनों तक भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बने रहने का अनुमान है। 5 मई को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका है, जबकि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 6 मई को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली सहित कई अन्य राज्यों में भी बारिश का अनुमान है।

रुझानों को लेकर शशि थरुर बोले- सीएम को लेकर अभी कोई चर्चा नहीं

-केरल में यूडीएफ का बेहतरीन प्रदर्शन, राज्य में राजनीतिक तौर-तरीकों को बदलना जरुरी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में शुरुआती रुझानों से पता चलता है कि कांग्रेस 50 से ज्यादा सीटों पर आगे है। पार्टी नेता शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि सरकार, नीति और राज्य के पुनरुद्धार में तत्काल बदलाव की जरुरत है। थरूर ने 140 सदस्यीय विधानसभा में संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (यूडीएफ) के अच्छे प्रदर्शन पर भरोसा जताया। थरूर ने कहा कि हम बदलाव की पार्टी हैं। हम इस सरकार के दस साल के राजनीतिक तौर-तरीकों को बदलना चाहते हैं और यह बदलाव इतना जरूरी है कि इसे बदलना ही पड़ेगा। मेरे विचार से एक नई तरह की राजनीति बेहद जरुरी है।

सीएम पद को लेकर उन्होंने कहा कि हम अभी इस विषय पर चर्चा नहीं करना चाहते। चुनाव परिणाम आने दीजिए। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे साहब जीतने वाले विधायकों से बात करने के लिए किसी को भेजेंगे। उसके बाद वे अपनी राय देंगे। फिर हाईकमान इसका फैसला करेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी शुरूआती रुझानों के मुताबिक केरल में कांग्रेस 61 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि सीपीआई (एम) 29 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। राज्य भर में मतगणना जारी रहने के दौरान, सीपीआई नौ सीटों पर, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) 22 सीटों पर और बीजेपी सिर्फ एक सीट पर आगे है।

थरूर ने केरल को निवेश का स्वर्ग बनाने, रोजगार सृजित करने और पलायन रोकने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मेरे विचार नई सरकार के लिए भी उपयोगी साबित होंगे, लेकिन मेरा संदेश निश्चित रूप से विकास का होगा, इस भयावह वित्तीय स्थिति को पूरी तरह से बदलना होगा, केरल को एक बार फिर निवेश का स्वर्ग बनाने के लिए जरुरी कार्य करना होगा, ताकि हम विकास कर सकें, अपने लोगों के लिए रोजगार सृजित कर सकें और ऐसी स्थिति को रोक सकें जहां हमारे युवा राज्य छोड़कर जा रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनके पास अवसर नहीं हैं।

टीएमसी को अपने भ्रष्टाचार का जवाब मिला : हुमायूं कबीर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के रुझानों पर आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अपेक्षित हार राज्य में हुए व्यापक भ्रष्टाचार और जनविरोधी फैसलों का सीधा परिणाम है। कबीर ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि जनता ने टीएमसी को आखिरकार जवाब दे दिया है, जो कि टीएमसी को मिलाना चाहिए था। एजेयूपी प्रमुख कबीर ने कहा, मैंने पहले ही अनुमान लगाया था कि भाजपा को टीएमसी से अधिक सीटें मिलेंगी। टीएमसी ने अपने तीन बार के कार्यकाल में सिर्फ लोगों पर अत्याचार किया, जमकर भ्रष्टाचार किया और गलत निर्णय लिए। उन्होंने राज्य में बढ़ती बेरोजगारी, खराब सड़कों, लचर शिक्षा व्यवस्था और अस्पतालों की दयनीय स्थिति का हवाला दिया, जहाँ एक बिस्तर पर तीन-तीन मरीजों का इलाज होता है। एजेयूपी कबीर के अनुसार, इन सभी विफलताओं के कारण ही टीएमसी को सत्ता से बाहर होना पड़ रहा है। भाजपा की संभावित जीत पर उन्होंने कहा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि यह बंगाल की जनता का जनादेश है। यदि जनता ने भाजपा को वोट दिया है, तब उनकी जीत स्वाभाविक है। इस बीच, हुमायूं कबीर ने खुद रेजीनगर और नाओदा विधानसभा सीटों पर अपनी जीत का दावा किया, जहाँ वे फिलहाल आगे चल रहे थे। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में हुए विधानसभा चुनावों के वोटों की गिनती सोमवार सुबह 8 बजे शुरू हुई। सोमवार दोपहर 1ः30 बजे तक चुनाव आयोग के रुझानों के अनुसार, 291 सीटों पर भाजपा 194 सीटों पर बढ़त बनाए हुए थी, जबकि सत्तारूढ़ टीएमसी 92 सीटों पर आगे थी। ऑल इंडिया सेकुलर फ्रंट दो और माकपा एक सीट पर बढ़त पर थी, जबकि कांग्रेस राज्य में शून्य पर बनी हुई थी।

लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल की आपत्ति

- भारत ने क्षेत्रीय दावों को किया खारिज

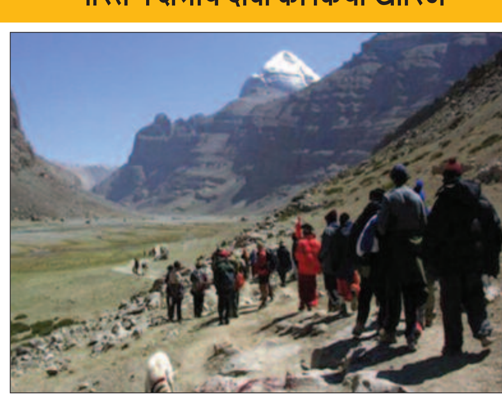

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल ने एक बार फिर लिपुलेख दर्रे के माध्यम से प्रस्तावित कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर कूटनीतिक मोर्चा खोल दिया है। काठमांडू ने भारत और चीन दोनों देशों को संदेश भेजकर इस मार्ग के उपयोग पर अपनी आधिकारिक आपत्ति दर्ज कराई है। नेपाल सरकार का तर्क है कि 1816 की सुगौली संधि के आधार पर लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी उसके संप्रभु क्षेत्र का हिस्सा हैं। यह विवाद ऐसे समय में दोबारा गरमाया है जब भारत ने जून और अगस्त के बीच इस पारंपरिक मार्ग से तीर्थयात्रा आयोजित करने की योजना साझा की है। नेपाल का कहना है कि महाकाली नदी के पूर्व में स्थित ये तमाम इलाके उसके अभिन्न अंग हैं और उसने कूटनीतिक माध्यमों से अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है।

नेपाल के इन दावों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी और स्पष्ट प्रतिक्रिया दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस मामले पर भारत का रुख हमेशा से सुसंगत और स्पष्ट रहा है। भारत ने स्पष्ट किया कि लिपुलेख दर्रा साल 1954 से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा का पारंपरिक मार्ग रहा है और दशकों से श्रद्धालु इसी रास्ते का उपयोग करते आ रहे हैं, इसलिए इसमें कोई भी नया बदलाव या उल्लंघन नहीं हुआ है। भारत ने नेपाल द्वारा पेश किए गए क्षेत्रीय दावों को पूरी तरह से खारिज करते हुए कहा कि ये दावे न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित हैं और न ही इनके पीछे कोई ठोस साक्ष्य है। भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि किसी भी देश द्वारा एकतरफा तरीके से सीमा विस्तार दिखाना या दावों को पेश करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य नहीं है। नेपाल सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उसने चीन को भी इस संबंध में सूचित किया है कि लिपुलेख उसके क्षेत्राधिकार में आता है। नेपाल का आग्रह है कि इस विवादित क्षेत्र में सड़क निर्माण, व्यापारिक विस्तार या तीर्थ यात्रा जैसी कोई भी गतिविधि न की जाए। हालांकि, इन तल्खियों के बीच दोनों देशों ने संवाद की गुंजाइश बरकरार रखी है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह नेपाल के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों को महत्व देता है और सीमा से जुड़े सभी लंबित मुद्दों को आपसी बातचीत और कूटनीतिक माध्यमों से सुलझाने के लिए हमेशा तैयार है। वहीं, नेपाल ने भी ऐतिहासिक संधियों और साक्ष्यों के आधार पर समाधान निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई है, लेकिन फिलहाल लिपुलेख मार्ग को लेकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच कूटनीतिक गतिरोध बना हुआ है।

कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम, मोदी इस महीने करेंगे चार यूरोपीय देशों की यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मई के मध्य यूरोप के चार देशों की अहम यात्रा पर जाएंगे। कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम होने जा रहा है। इस दौरान इटली, वेटिकन, नॉर्वे, स्वीडन, नीदरलैंड जैसे देशों के साथ ट्रेड, रक्षा सहयोग, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चर्चा होने की संभावना है। पीएम मोदी के यूरोप की यात्रा के दौरान संयुक्त अरब अमीरात में भी कुछ देर रुकने की उम्मीद है। इस चार देशों की यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

ईरान-अमेरिका-इजरायल में तनाव के बीच कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम होने जा रहा है। अमेरिका के साथ कम होते भरोसे के बाद यूरोपीय देशों भारत की तरफ नजर बना रहे हैं, क्योंकि एशिया में भारत के साथ साझेदारी दोनों ही पक्षों के लिए एक फायदा का सौदा साबित हो सकती है। ट्रंप प्रशासन के बढ़ते दबाव के बीच भारत-यूरोप संबंधों ने लगातार स्थिर प्रगति की है। अब मध्य यूरोप के इन चार देशों का दौरा भी इस प्रगति में एक और कदम माना जा रहा है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वह 15-17 मई तक नीदरलैंड, 17 मई को स्वीडन, 17-19 मई तक नॉर्वे और 19-20 मई तक इटली का दौरा करेंगे। इस चार देशों की यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। 15 मई को ओस्लो में होने वाला तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन, जिसमें भारत, डेनमार्क, आइसलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और फिनलैंड के नेता एक साथ जुटेंगे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूरोप दौरे का मुख्य एजेंडा है। भारत के नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली के साथ मजबूत राजनयिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध हैं। ये यूरोपीय देश भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं, नीदरलैंड श्व में सबसे बड़ा, इटली चौथा, सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन, रक्षा, हरित ऊर्जा, नवाचार और जलवायु पर सहयोग बढ़ रहा है। पीएम मोदी की इस यात्रा से ये संबंध और मजबूत होंगे।

जल संकट गहराया: पाकिस्तान टॉप 10 देशों में शामिल, भारत में भी खतरा बढ़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। दक्षिण एशिया में लगातार बढ़ती गर्मी और तेजी से घटते जल संसाधन गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। अप्रैल के अंत तक भारत और पाकिस्तान में रिकॉर्ड तोड़ तापमान दर्ज हुआ हैं, जिससे हीटवेव की स्थिति और अधिक भयावह हो गई। इस भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई क्षेत्रों में पानी की मांग तेजी से बढ़ी है, जबकि उपलब्धता लगातार कम हो रही है।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जल संकट अब केवल किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं रहा है, बल्कि यह एक वैश्विक चुनौती बन चुका है। दुनिया के कई देशों में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता लगातार घट रही है, जो भविष्य के लिए गंभीर संकेत है। इसी कड़ी में पाकिस्तान उन शीर्ष 10 देशों में शामिल हो गया है, जहां प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता बेहद कम स्तर पर पहुंच चुकी है। वहां जल संकट के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं, जैसे अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि, कमजोर जल प्रबंधन प्रणाली और जलवायु परिवर्तन का व्यापक प्रभाव है।

पाकिस्तान की स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि वहां की अधिकांश जल आपूर्ति सिंधु नदी प्रणाली पर निर्भर है। वर्षा के अनियमित पैटर्न और बर्फबारी में कमी ने संकट को बढ़ा दिया है। इसके अलावा कृषि और घरेलू उपयोग में पानी की अत्यधिक खपत भी स्थिति को बिगाड़ रही है।

वहीं भारत में भी स्थिति धीरे-धीरे चिंताजनक होती जा रही है। हालांकि भारत अभी वैश्विक टॉप 10 जल संकटग्रस्त देशों में शामिल नहीं है, लेकिन यहां भी प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता में लगातार गिरावट दर्ज हुई है। बढ़ती जनसंख्या, तेज शहरीकरण, भूजल का अत्यधिक दोहन और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता की कमी इसके प्रमुख कारण हैं।

देश के कई राज्यों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा चुका है। विशेष रूप से उत्तर भारत और पश्चिम भारत के कई हिस्सों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। कई गांवों और शहरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और भी गहरा सकता है।

नगर आयुक्त ने नगर निगम के सभी विभागों को वितरित किए कंप्यूटर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा नगर निगम मुख्यालय में समस्त विभागों को लेटेस्ट वन इन ऑल डेस्कटॉप वितरित किए। मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, महा प्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, प्रकाश विभाग से शेष मणि यादव, मुख्य नगर लेखा परीक्षक विवेक उपस्थित रहे, जिनके द्वारा अपने विभागों में कार्य करने वाले लिपिक, कंप्यूटर ऑपरेटर तथा सहयोगियों को कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए, वी ए टैक वाबैग से प्रोजेक्ट मैनेजर अनुज त्रिपाठी भी मौके पर उपस्थित रहे, जिनके द्वारा सी एस आर में गाजियाबाद नगर निगम को 50 लेटेस्ट कंप्यूटर उपलब्ध कराई गये। नगर आयुक्त ने सभी विभाग के बाबुओं, लिपिकों, कंप्यूटर ऑपरेटर व सहयोगियों को भी आधुनिक युग में हाईटेक पद्धति के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए, जिसमें ई ऑफिस के प्रति भी जागरूक होने के लिए कहा गया। सभी विभाग ई ऑफिस के माध्यम से ही फाइल व दस्तावेज पर कार्य करें निर्देश दिए गए। पुराने कंप्यूटर को हटाने तथा नए कंप्यूटर में सभी आवश्यक फाइल एवं डॉक्यूमेंट सावधानी के साथ सुरक्षित करने के लिए भी निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त ने बताया गया कि आधुनिक युग में आधुनिक उपकरणों के साथ

कार्य करने पर बेहतर परिणाम और सफलता सामने आती है, जिसके क्रम में गाजियाबाद नगर निगम भी स्टाफ को हाईटेक पद्धति के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित कर रहा है। सभी पुराने कंप्यूटर लगभग बदल गए है। लेटेस्ट डेस्कटॉप के साथ गाजियाबाद नगर निगम की टीम कार्य कर रही है जिस शहर हित में और निगम हित में बेहतर कार्य होंगे टीम को मोटिवेट किया गया। नगर आयुक्त द्वारा प्रभारी नजारत को वी ए टैक वाबैग से CSR में मिले 50 डेस्कटॉप की सूची बनाते हुए रिकॉर्ड में रखने के निर्देश दिए और पुराने कंप्यूटर की फाइलों को सुविधा और सावधानी के साथ ट्रांसफर करते हुए पुराने कंप्यूटर हटाने के लिए निर्देशित किया गया।

नगर पालिका बिजनौर में ऋण मेला आयोजित, रेहड़ी पटरी विक्रेताओं को बांटे गए लोन

बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना (विस्तार एवं पुनर्गठन) के अंतर्गत सोमवार को नगर पालिका परिषद बिजनौर के प्रांगण स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में एक विशेष बैंक कैंप का आयोजन किया गया। अधिशासी अधिकारी विकास कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य योजना के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय ऋण के लंबित आवेदनों को मौके पर स्वीकृत कर उनका वितरण करना रहा।

शासन के निदेशों के अनुपालन में आयोजित इस संयुक्त शिविर में नगर की विभिन्न बैंक शाखाओं के प्रबंधकों ने भाग लिया। शिविर में इंडियन बैंक (राम का चौराहा) के शाखा प्रबंधक सौरभ सिंह, इंडियन बैंक (शक्ति शाखा) के विजय कृष्ण, भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा के दीपक चंद प्रकाश, बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रशांत कुमार, पंजाब नेशनल बैंक (सिविल लाइन) के अंकित कुमार तथा पंजाब नेशनल बैंक (आरबीडी शाखा) की आयुषी सिंह ने अपनी अपनी शाखाओं से संबंधित लंबित आवेदनों पर मौके पर ही कार्यवाही करते हुए कई मामलों का निस्तारण किया।

इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे दुकानदारों एवं रेहड़ी पटरी विक्रेताओं को आत्मनिर्भर बनाने की एक महत्वपूर्ण पहल है। बैंकों के सहयोग से लंबित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण कर लाभार्थियों को कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनके रोजगार को मजबूती मिल सके।

कार्यक्रम में नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक ऋषिपाल सिंह, आउटसोर्सिंग कर्मचारी हिमांशु, गुफरान सहित अन्य पालिका कर्मी एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

संभावित बाढ़ को लेकर प्रशासन अलर्ट, तैयारियां तेज

शामली (शिखर समाचार)। जनपद में संभावित बाढ़ को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए बाढ़ पूर्व कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि तटबंधों और कटान प्रभावित स्थानों पर समय रहते बालू और बोरियों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जल स्तर के बढ़ने घटने की नियमित जानकारी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी जल निकासी विभाग को सौंपी गई।

नगर पालिका, नगर पंचायत और पंचायत राज विभाग को नालों की सफाई, जलभराव की निकासी तथा नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। वहीं विद्युत विभाग को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जर्जर तारों और खंभों को तत्काल हटाने के लिए कहा गया। जिलाधिकारी ने बाढ़ के दौरान नाव और मोटरबोट की उपलब्धता सुनिश्चित करने, जीवन रक्षक जैकेट की संख्या का आकलन करने तथा आवश्यकता अनुसार व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिला पूर्ति विभाग को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में समय पर राशन और ईंधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

लोक निर्माण विभाग को सड़कों और पुलियों की मरम्मत तथा वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को बाढ़ के दौरान फैलने वाली बीमारियों से निपटने के लिए दवाइयों का पर्याप्त भंडार रखने और उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग को बाढ़ चौकियों और शरणालयों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने को कहा गया। पेयजल व्यवस्था को लेकर जल निगम, नलकूप विभाग और पंचायत राज विभाग को हैंडपंपों की मरम्मत और रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, अपर जिलाधिकारी सत्येंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

असम और पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर गाजियाबाद में उत्सव

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पूर्वोत्र पूर्वी भारत से उठी जनसमर्थन की प्रचंड लहर ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि देश की जनता विकास, राष्ट्रवाद और सशक्त नेतृत्व के साथ मजबूती से खड़ी है। असम और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के ऐतिहासिक प्रदर्शन ने नए भारत की दिशा को और अधिक स्पष्ट कर दिया है।

असम में लगातार तीसरी बार प्रचंड जनसमर्थन प्राप्त करना और पश्चिम बंगाल में अभूतपूर्व जनाधार का विस्तार इस बात का संकेत है कि जनता अब तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति को नकारते हुए विकास और विश्वास के मार्ग को अपना रही है। इस सफलता के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी और प्रभावशाली नेतृत्व रहा है, जिनकी नीतियों ने देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाया है।

इस ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में गाजियाबाद महानगर भाजपा कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए और पूरे उत्साह के साथ जीत का जश्न मनाया। कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। ढोल नगाड़ों की गूंज से पूरा परिसर गूंज उठा और राष्ट्रभक्ति का माहौल बन गया। कई कार्यकताओं ने नृत्य कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। भारत माता की जय और भाजपा जिंदाबाद के नारों से वातावरण पूरी तरह उत्सवमय हो गया। पूरे कार्यालय का दृश्य किसी उत्सव स्थल से कम नहीं था, जहां हर चेहरा गर्व, उल्लास और आत्मविश्वास से चमकता नजर आया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने एक स्वर में कहा कि देश की जनता का संदेश स्पष्ट है कि विकास चाहिए, विश्वास चाहिए और इसका आधार भाजपा ही है। गाजियाबाद महानगर भाजपा ने इस ऐतिहासिक विजय पर सभी कार्यकताओं, समर्थकों और देशवासियों को बधाई दी। यह जीत केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि जनशक्ति का आशीर्वाद, संगठन की मेहनत और नए भारत के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।

खतौली तहसील बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने ली शपथ

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। तहसील बार एसोसिएशन खतौली की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह स्थानीय सभागार में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्य मंत्री सोमेन्द्र तोमर ने कहा कि नई कार्यकारिणी न्याय व्यवस्था को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। समारोह के दौरान अध्यक्ष सुभाष चन्द एवं महासचिव सत्यप्रकाश सैनी सहित समस्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। अतिथियों द्वारा सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ पत्र भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, जानसठ बार संघ अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, महासचिव दीपेश गुप्ता, उपजिलाधिकारी ललित मिश्रा, तहसीलदार अरविंद कुमार, क्षेत्राधिकारी रुपाली राव, नायब तहसीलदार राजीव त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वार्षिक चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर अधिवक्ताओं ने एल्डर कमेटी के चेयरमैन चतरपाल सिंह, सदस्य रामचंद्र सैनी और मोहम्मद अरशद का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंत्री सोमेन्द्र तोमर द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। समारोह में पूर्व पदाधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिन्होंने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए न्यायिक कार्यों में सक्रिय और निष्पक्ष भूमिका निभाने का आह्वान किया।

नलकूपों से तार और मोटर चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना किरतपुर पुलिस ने क्षेत्र में नलकूपों और खेतों से मोटर व तार चोरी करने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का माल, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा औजार भी बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार 10 अप्रैल को ग्राम भोजपुर खेड़ी निवासी बृजेश कुमार ने थाना किरतपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोरों ने उनके तथा उनके पड़ोसियों रविंद्र, मनो और दीपक के खेतों से कुएं की मोटर, तार और स्टार्टर चोरी कर लिए। इसके बाद 3 मई को ग्राम बुडगरा निवासी वसीम ने भी सोलर प्लेटों से तांबे के तार चोरी होने की तहरीर दी थी।

इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता

(बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने अकबरपुर अंगाखेड़ी (थाना मंडावर) निवासी रोहित कुमार पुत्र राकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 4.175 किलोग्राम जला हुआ केबल, समरसेबल तार के कई टुकड़े, चोरी में इस्तेमाल होने वाले प्लास, पेचकस और लोहे का ब्लेड बरामद किया गया। इसके अलावा पुलिस ने चोरी की घटनाओं में प्रयुक्त काले-सिल्वर रंग की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी कब्जे में ले ली है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है।

9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत, प्रचार वाहनों को दिखाई गई हरी झंडी

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद में 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सोमवार को जजी परिसर से जनपद न्यायाधीश ने लोक अदालत के प्रचार प्रसार के लिए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आमजन को सुलभ और त्वरित न्याय के प्रति जागरूक करेंगे। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने बताया कि 9 मई 2026 को बिजनौर जजी परिसर के साथ साथ नगीना, नजीबाबाद, चांदपुर और धामपुर स्थित बाह्य न्यायालयों में भी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें वैवाहिक विवाद, बैंक वसूली, चेक बाउंस (धारा 138), मोटर दुर्घटना दावा, बिजली एवं जल बिल, राजस्व तथा दीवानी मामलों का निस्तारण आपसी सहमति के आधार पर किया

जाएगा।

नोडल अधिकारी लोकेश नागर ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से दीवानी और शमनीय आपराधिक मामलों को बिना जटिल कानूनी प्रक्रिया के सरलता से निपटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यहां पारित निर्णय अंतिम होता है और इसके विरुद्ध किसी अन्य न्यायालय में अपील का प्रावधान नहीं होता, जिससे लंबे समय से लंबित मामलों का स्थायी समाधान संभव हो पाता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नैन्सी धुन्ना ने बताया कि वादकारियों की सहायता के लिए जजी परिसर में हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। इसके अतिरिक्त 6, 7 और 8 मई को लघु आपराधिक मामलों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालतों का भी आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक वादकारियों से अपील की कि वे इस सरल और प्रभावी न्याय व्यवस्था का लाभ उठाएं। इस दौरान न्यायिक अधिकारी, लीड बैंक प्रबंधक तथा पैरालीगल वालंटियर्स उपस्थित रहे।

जीरो टॉलरेंस नीति : डीसीपी ने अनुशासनहीनता पर किया 5 पुलिस कर्मियों को सस्पेंड

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गोड़ के आदेश पर गाजियाबाद में जीरो टॉलरेंस नीति पर काम किया जा रहा है, जिससे पुलिसिंग को मजबूत करते हुए लॉ एंड ऑर्डर को मजबूत किया जा सके। अगर कोई भी पुलिसकर्मी अनुशासनहीनता या फिर कार्य में लापरवाही करता है तो उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जा रही है। सोमवार को अनुशासनहीनता और कार्य में लापरवाही दिखाने पर डीसीपी धवल जायसवाल ने 3 उप निरीक्षक और 2 सिपाहियों को सस्पेंड किया गया है। इसी कड़ी में थाना साहिबाबाद पर तैनात उपनिरीक्षक गौरव को सस्पेंड किया गया। उनके ऊपर दुर्व्यवहार करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगे थे। इसके अलावा थाना नंदग्राम पर

तैनात उपनिरीक्षक आकाश कुमार, मुख्य आरक्षी अरुण कुमार और आरक्षी सुनील कुमार को सस्पेंड किया गया। इन सभी को अनुशासनहीनता करने पर सस्पेंड किया गया। इसके अतिरिक्त थाना अंकुर विहार के डाबर तालाब चौकी पर तैनात कार्यवाहक उपनिरीक्षक अवनीश को अनुशासनहीनता करने पर सस्पेंड किया गया। पुलिस आयुक्त ने पुलिसकर्मियों को साफ संदेश दिया हुआ है कि कार्य में अनुशासनहीनता किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जो भी कार्य में लापरवाही करेगा तो उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

ऑपरेशन प्रहार : स्वाट टीम ने असलाह तस्करी करने वाले 2 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस गाजियाबाद में लगातार अपराधियों को गिरफ्तार कर रही है। स्वाट टीम क्राईम ब्रान्च ने असलाह तस्करी करने वाले 2 अभियुक्त शाश्वत और अमन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन्हें थाना वेव सिटी क्षेत्र से गिरफ्तार करते हुए इनके कब्जे से 2 नाजायज पिस्टल, 4 अदद जिन्दा कारतूस, मैगजीन और 1 सफेद रंग की स्विफ्ट डियायर कार बरामद की। एडीसीपी क्राइम पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि असलाह की तस्करी करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए उनके गिरोह के लोगों को लगातार गिरफ्तार किया जा रहा है। थाना वेव सिटी क्षेत्र से एक बार फिर असलाह की तस्करी करने वालों 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों के पास से असलाह भी बरामद किया गया है।

दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट में कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए दोनों अभियुक्तों के खिलाफ 5-5 आपराधिक मुकदमे दर्ज है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने यह असलाह बम्हेटा के एक व्यक्ति से खरीदा था और इस असलाह को आगे बेचकर वह मोटा मुनाफा कमाते। लेकिन जब वह इस असलाह को लेकर जा रहे थे तो उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

गंग नहर स्थित श्री अखंडानंद आश्रम का 74वां यज्ञ एवं विशाल भंडारा 10 मई को

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। गंग नहर स्थित श्री अखंडानंद आश्रम में आगामी 10 मई को 74वां यज्ञ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस पावन अवसर पर ब्रह्मलीन संत रूद्रदेव जी महाराज की प्रतिमा की विधिवत स्थापना भी की जाएगी। कार्यक्रम अवधूत मंडल हरिद्वार के पीठाधीश्वर स्वामी संतोषानंद जी महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा। आयोजन की शुरूआत भव्य नगर कीर्तन के साथ होगी, जिसमें क्षेत्र के साथ-साथ दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति के

पदाधिकारियों अशोक अहलावत, अमृतलाल फंडा, नरेश नागपाल, विनीत शर्मा और केशव अग्रवाल ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

छात्राओं को साइकिल वितरण, शिक्षा के प्रति किया प्रेरित

शामली (शिखर समाचार)। शहर के श्री जैन कन्या इंटर कॉलेज में सोमवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं चेयरमैन राजेश्वर बंसल ने दूर दराज से आने वाली छात्राओं को साइकिल वितरित की। इस अवसर पर हनुमान टीला समिति के प्रधान सलिल द्विवेदी तथा विद्यालय के प्रबंधक वीरेंद्र कुमार जैन भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश्वर बंसल ने कहा कि छात्राओं की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक शिक्षित नारी ही परिवार और समाज को सशक्त बनाती है। उन्होंने छात्राओं को निरंतर अध्ययन के लिए प्रेरित किया। साइकिल वितरण के दौरान छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला और उन्होंने इस पहल के लिए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्या रूचिता ढाका ने कहा कि इस प्रकार के प्रयास छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यालय की छात्राएं आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी।

मामा ने ही रचा ठगी का जाल: 41.86 लाख रुपये हड़पने का आरोप, विरोध पर मारपीट

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के गांव सबली निवासी एक महिला ने अपने ही सगे मामा मामी और उनके परिवार पर मकान दिलाने व नाती की शादी कराने का झांसा देकर 41.86 लाख रुपये की ठगी करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर न्यायालय के आदेश से पुलिस ने चार आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता कोमल त्यागी के अनुसार वर्ष 2021 में उसके पति भूपेंद्र द्वारा गांव की जमीन बेचे जाने के बाद प्राप्त धनराशि उनके संयुक्त बैंक खाते में आई थी। इसी दौरान उसके मामा, जो उत्तराखंड के जनपद नैनीताल के हल्द्वानी स्थित वेलेजली लॉज में रहते हैं, ने भरोसे का फायदा उठाते हुए मकान दिलाने और बेटी की शादी कराने का झांसा दिया। आरोप है कि मामा राजकुमार, मामी बबीता, उनके पुत्र मुकुल त्यागी और पुत्री नैना के कहने पर पीड़िता ने दो किस्तों में कुल 41.86 लाख रुपये दे दिए। लेकिन न तो मकान दिलाया गया और न ही रकम वापस की गई। पीड़िता का कहना है कि जब उसने कई बार रुपये वापस मांगे तो उसे टाल दिया गया। बाद में जब वह अपने पति व बच्चों के साथ हल्द्वानी पहुंची और रकम की मांग की, तो आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की। एक बार समझौता भी हुआ, लेकिन इसके बाद भी आरोपित अपने वादे से मुकर गए और जान से मारने की धमकी देने लगे। घटना के अनुसार 12 अप्रैल की रात करीब आठ बजे आरोपित पीड़िता के घर पहुंचे और रुपये मांगने पर उसके व उसके पति के साथ बेरहमी से मारपीट की। आरोप है कि मामा और मामी ने जान से मारने की नीयत से उसका सिर दीवार में दे मारा, जिससे वह बेहोश हो गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपित धमकी देते हुए फरार हो गए। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर राजकुमार, बबीता, मुकुल त्यागी और नैना के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

6 लाख कर्मचारियों की ट्रांसफर पॉलिसी पर लगेगी मुहर

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के 16 लाख कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर है। सीएम योगी की अध्यक्षता में कैबिनेट मीटिंग में सोमवार को अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए साल 2026-27 की ट्रांसफर पॉलिसी को मंजूरी मिलेगी।एक ही जगह पर तीन साल से अधिक समय से जमे कर्मचारियों को हटाया जाएगा। समूह क व ख के 20 और समूह ग व घ के 10 प्रतिशत कर्मचारियों के तबादले हो सकते हैं। विभागीय मंत्रियों के अनुमोदन से मई के अंत तक ट्रांसफर प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने रविवार को कैबिनेट का एजेंडा जारी किया। उन्होंने बताया कि कैबिनेट मीटिंग सोमवार दोपहर 3 बजे मुख्यमंत्री आवास पर होगी। कैबिनेट में करीब 14 प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है।प्रदेश में एक जनपद एक व्यंजन योजना को मंजूरी मिलेगी। योजना के तहत लखनऊ, बनारस, कानपुर, गोरखपुर, आगरा, मथुरा सहित प्रदेश के हर जिले के एक प्रमुख व्यंजन को नई पहचान दी जाएगी।नई ट्रांसफर पॉलिसी का मुख्य मकसद प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाना और लंबे समय से एक जगह जमे हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को स्थानांतरित करके नई ऊर्जा लाने का है। नई पॉलिसी के अनुसार किसी जिले में तीन वर्ष और मंडल स्तर पर सात वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों का तबादला अनिवार्य रूप से किया जाएगा। दिव्यांगों को मिलेगी राहत 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता वाले कर्मचारी सामान्य तबादलों से छूट प्राप्त कर सकेंगे। यदि कोई दिव्यांग कर्मचारी स्वयं तबादला चाहता है तो उसे अपनी पसंद के जिले में प्राथमिकता के आधार पर तैनाती दी जाएगी। जिन कर्मचारियों के परिवार में गंभीर रूप से दिव्यांग सदस्य- खासकर मंदबुद्धि या अक्षम बच्चे हैं, उन्हें भी उनकी इच्छा के अनुसार तैनाती देने का प्रस्ताव है। सरकारी सेवा में कार्यरत पति-पत्नी को यथासंभव एक ही जिले या निकटवर्ती जिलों में तैनात करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन आसानी से हो सके। समूह के अधिकारियों को उनके गृह जिले में तैनाती नहीं दी जाएगी। यदि पद मंडल स्तर का है तो गृह मंडल में भी नहीं भेजा जाएगा। बिजली ट्रांसमिशन लाइनों के लिए किसानों को जमीन के मुआवजे के नियम केंद्र सरकार के अनुसार तय करने का प्रस्ताव। यूपी बिजली उत्पादन निगम और कोल इंडिया के बीच जॉइंट वेंचर को मंजूरी देने पर फैसला। राज्य कर विभाग फ्रर के 100 साल पर बनी फिल्म शतक पर लगने वाले टैक्स की भरपाई सरकार करेगी या नहीं, इस पर निर्णय।

फिल्म गोदान पर भी टैक्स की भरपाई (रिइम्बर्समेंट) देने का प्रस्ताव।

खाद्य एवं रसद विभाग

बाट-माप (वजन मापने वाले उपकरण) की मरम्मत के लिए तकनीकी डिग्री वाले युवाओं को लाइसेंस देने और नई नीति लागू करने पर चर्चा। बाट-माप उपकरणों की जांच और सीलिंग के दौरान लगने वाले शुल्क तय करने का प्रस्ताव।

MSME विभाग एक जनपद, एक व्यंजन योजना लागू करने पर फैसला।

न्याय विभाग हाईकोर्ट में लॉ क्लर्क/रिसर्च एसोसिएट का कार्यकाल 2 साल से बढ़ाकर 3 साल करने का प्रस्ताव। हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग

टेक्सटाइल पार्क बनाने के लिए 251 एकड़ जमीन विभाग को मुफ्त देने का प्रस्ताव।कृषि विपणन विभाग मंडी में धन या संपत्ति के नुकसान की भरपाई के लिए नए नियम बनाने पर चर्चा। माध्यमिक शिक्षा 150 सरकारी स्कूलों में Tata कंपनी के साथ मिलकर ड्रीम्स स्किल लैब खोलने का प्रस्ताव। संस्कृति विभाग भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के लिए नया अध्यादेश लाने का प्रस्ताव।पंचायती विभाग झांसी-बबीना पेयजल योजना के बकाया भुगतान को लेकर निर्णय।कार्मिक विभाग सरकारी कर्मचारियों की ट्रांसफर नीति 2026-27 तय करने पर चर्चा।

कार ने सड़क पर खड़े लोगों को रौंदा 8 की मौत

अंबेडकरनगर (एजेंसी)। यूपी के अंबेडकरनगर में बेकाबू कार ने सड़क पर खड़े लोगों को रौंद दिया। हादसे में दो सगे भाइयों समेत 8 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रविवार रात करीब 12 बजे पहले दो बाइकों की टक्कर हुई, जिसमें दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।आसपास के लोग घायलों की मदद के लिए मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान बेकाबू स्विफ्ट डिजायर कार आई और लोगों को कुचल दिया। हादसा जिला मुख्यालय से 17 किमी दूर जलालपुर के अशरफपुर भुवा भट्ठे के पास हुआ।हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी जलालपुर पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया। दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। बाद में उन्हें टांडा मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।मृतकों की पहचान अंबेडकरनगर के रहने वाले कैफी (32), उत्तम कुमार (24), आदित्य कुमार (25), दिव्यांशू (22) लालचंद (24), राजू गुप्ता (32), साहिल (28) और इंद्रेश (30) के रूप में हुई है। आदित्य कुमार और दिव्यांशू दोनों सगे भाई हैं।जलालपुर कोतवाली क्षेत्र में अकबरपुर मार्ग पर अशरफपुर के पास देर रात करीब 12 बजे दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने से भिड़ंत में 3 लोग घायल हो गए। भिड़ंत में बुलेट सवार कैफी पुत्र हसन निवासी लोरपुर ताजन और स्प्लेंडर सवार सम्मनपुर क्षेत्र के जैनापुर निवासी दो सगे भाई आदित्य (25) और दिव्यांशु (14) को गंभीर चोटें आईं। दोनों भाई जलालपुर शादी समारोह से लौट रहे थे।बचाने आए लोगों को कार ने कुचला चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद 5 लोग मदद के लिए दौड़े। घायलों को उठाकर किनारे ले जाने लगे। तभी एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार बेकाबू हो गई और लोगों को कुचलते हुए कुछ दूरी पर एक गड्ढे में पलट गई। कार सवार मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां 8 लोगों की मौत हो गई। इनमें बाइक सवार कैफी, आदित्य और दिव्यांश शामिल हैं। इसके अलावा उनकी मदद के लिए आए लालचंद्र (24) पुत्र फेंकू निवासी पट्टी मुइथन, जलालपुर; उत्तम पुत्र जगतपाल निवासी सेमरा, कटका; राजू (32) पुत्र छेदीलाल निवासी सिकंदरपुर, सम्मनपुर और साहिल (28) व इंद्रेश (30) को भी डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।

बाबूगढ़ में निमार्णाधीन खेल स्टेडियम का जिलाधिकारी कविता मीना ने किया औचक निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना ने सोमवार को बाबूगढ़ क्षेत्र में निमार्णाधीन खेल स्टेडियम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेडियम निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए उपयोग में लाई जा रही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को परखा और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि स्टेडियम का निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता सर्वोपरि होनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कार्य में किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्टेडियम परिसर के समुचित विकास पर भी जोर देते हुए निर्देशित किया कि यहां हरित क्षेत्र विकसित किया जाए, जिससे खिलाड़ियों को बेहतर वातावरण मिल सके और क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन भी बना रहे। उन्होंने कहा कि खेल स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्र के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और उन्होंने जिलाधिकारी को निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का अवैध निमार्णों पर बड़ा प्रहार, राजेन्द्रनगर व शालीमार गार्डन में व्यापक ध्वस्तीकरण अभियान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा शहर में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और अवैध कब्जों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निर्देश पर 4 मई 2026 को राजेन्द्रनगर और शालीमार गार्डन क्षेत्र में एक व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया गया, जिसमें कई स्थानों पर अवैध निमार्णों को चिन्हित कर ध्वस्तीकरण की प्रभावी कार्रवाई की गई। प्राधिकरण की टीम ने राजेन्द्रनगर सेक्टर-2 स्थित भूखंड संख्या आरएम-137, आरएम-137ए और आरएम-137बी पर स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए गए निमार्णों को चिन्हित किया। इसके साथ ही शालीमार गार्डन विस्तार-2, साहिबाबाद स्थित भूखंड संख्या सी-100 पर भी अवैध रूप से बनाए गए निमार्णों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में प्रशासनिक सख्ती और सतर्कता देखने को मिली। इस अभियान का संचालन सहायक अभियंता पीयूष सिंह के नेतृत्व में किया गया। उनके साथ अवर अभियंता गोपाल कृष्ण शर्मा और प्रशांत सहित प्रवर्तन टीम के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। पूरी कार्रवाई के दौरान प्राधिकरण का प्रवर्तन स्टाफ और पुलिस बल मौके पर तैनात रहा, जिससे अभियान को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से पूरा कराया जा सका। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने स्पष्ट रूप से कहा है कि शहर में अवैध निर्माण और अतिक्रमण को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह सख्त और निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। प्राधिकरण ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य शुरू करने से पहले आवश्यक स्वीकृतियां अवश्य प्राप्त करें और स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप ही निर्माण कराएं। नियमों की अनदेखी करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिला बास्केटबॉल चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ, पहले दिन 8 मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिला बास्केटबॉल संघ गाजियाबाद के तत्वावधान में सोमवार को जनपद स्तरीय बालक एवं बालिका वर्ग की जिला बास्केटबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ इंदिरापुरम स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल तथा सेंट टेरेसा स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल परिसर में संपन्न हुआ। यह प्रतियोगिता 4 मई से आगामी दिनों तक आयोजित की जाएगी, जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल संघ के सचिव दलीप सिंह रहे। कार्यक्रम में जिला बास्केटबॉल संघ के अध्यक्ष के. के. गौड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनीत दीवान, सदस्य प्रशांत शर्मा, सलीम खान तथा कमलकांत त्यागी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सेठ आनंदराम जयपुरिया विद्यालय के खेल निदेशक डॉ. पुरी राजन भी समारोह में शामिल हुए और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से अनुशासन, खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के पहले दिन कुल 8 मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। बालक वर्ग में न्यू एरा स्कूल ने सेंट जेवियर्स हाई स्कूल को 30-06 से हराया। भागीरथ पब्लिक स्कूल ने एस. जी. पब्लिक स्कूल को 26-04 से पराजित किया। बालिका वर्ग में चिल्ला पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद ने एस. जी. पब्लिक स्कूल को 11-02 से हराया। अगनेल स्कूल, वैशाली ने सेंट जेवियर्स हाई स्कूल को 27-23 से हराकर जीत दर्ज की। वहीं डीपीएस गाजियाबाद, वसुंधरा ने नेहरू वर्ल्ड स्कूल को 21-05 से मात दी। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों में और अधिक रोमांच देखने को मिलेगा, जिसमें जिले के उभरते खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजकों के अनुसार इस प्रतियोगिता का उद्देश्य खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ाना है।

अयोध्या दर्शन करके लौट रहे 6 लोगों की मौत

जालौन (एजेंसी)।100 की रफ्तार में टवेरा हाईवे पर पीछे से ट्रक में घुस गई। हादसे में 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 4 गंभीर रूप से घायल हैं। टवेरा सवार अयोध्या से रामलला के दर्शन कर ललितपुर जा रहे थे।हादसा इतना भयानक था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग फंस गए। वे 20 मिनट तक कार में ही तड़पते रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गैस कटर से कार के गेट काटकर घायलों को बाहर निकाला। हादसा झांसी-कानपुर हाईवे पर शहर से 55 किमी दूर कालपी में हुआ। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण हादसा हुआ। श्रद्धालुओं ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी, जिस वजह से एयरबैग भी नहीं खुले। इसी कारण हादसे में 6 लोगों की जान चली गई।

ललितपुर के महरौनी के रहने वाले शशिकांत तिवारी (49) अपने परिजनों के साथ अयोध्या दर्शन के लिए गए थे। दर्शन के बाद सभी लोग कार से वापस लौट रहे थे। सोमवार सुबह करीब 6 बजे जैसे ही उनकी कार कालपी क्षेत्र के जोल्हुपुर मोड़ के पास पहुंची, चालक को अचानक झपकी आ गई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सामने चल रहे वाहन से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद घायलों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कुछ घायल करीब एक घंटे तक कार के केबिन में फंसे रहे, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया। कार में कुल 10 लोग सवार थे, जिनमें शशिकांत तिवारी, कृष्णकांत नायक, दीपक तिवारी, हरिमोहन तिवारी, भूषण तिवारी, अंशुल तिवारी, स्वामीप्रसाद तिवारी, मनोज भोंडल और देशराज शामिल बताए जा रहे हैं।सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कालपी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मेडिकल कॉलेज के बाहर 10 मिनट तक तड़पते रहे मरीज घायलों को लेकर एम्बुलेंस मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी के बाहर पहुंची, लेकिन वहां वार्ड बॉय मौजूद नहीं था। स्थिति यह रही कि मरीज करीब 10 मिनट तक एम्बुलेंस में ही तड़पते रहे। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह घायलों को बाहर निकाला और इमरजेंसी वार्ड में पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे में मृतकों में से दो की पहचान जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि हादसे में मृतकों में से दो की पहचान हो सकी है। जिस कार में लोग सवार थे, उसमें मौजूद व्यक्तियों के नाम मिल गए हैं, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कौन-कौन मृतक हैं। उन्होंने कहा कि परिजनों के आने के बाद ही मृतकों की सही पहचान सुनिश्चित की जा सकेगी।

डीएम ने यह भी बताया कि हादसे में गंभीर रूप से घायल चार लोगों का मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। जरूरत पड़ने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया जाएगा। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और परिजनों के आने का इंतजार किया जा रहा है, ताकि आगे की कार्रवाई और पहचान प्रक्रिया पूरी की जा सके।

संक्षिप्त डायरी

लखनऊ में युवती ने 11वीं मंजिल से लगाई छलांग

लखनऊ (एजेंसी)। विभूतिखंड स्थित पार्श्वनाथ प्लाजा में रविवार देर शाम एक निजी कंपनी की 22 वर्षीय टेलीकॉलर ने 11वीं मंजिल से छलांग लगा दी। नीचे पहले तल पर बने टीन शेड से टकराने के बाद वह फर्श पर आ गिरी। गंभीर हालत में उसे डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।युवती का दाहिना हाथ टूट गया है। उसके पसलियों, पीठ और माथे पर सूजन है। सूचना मिलते ही एसीपी विभूतिखंड विनय कुमार द्विवेदी और इंस्पेक्टर अमर सिंह पुलिस टीम के साथ पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने कंपनी के कर्मचारियों और अधिकारियों से पूछताछ भी की। पुलिस के मुताबिक, युवती की पहचान शिवांशी पाल के रूप में हुई है। वह रायबरेली के अजयनगर कमलापुर की रहने वाली है और लखनऊ में अपनी बहन के साथ खरगापुर इलाके में किराये के कमरे में रहती है। शिवांशी पार्श्वनाथ प्लाजा की 11वीं मंजिल पर स्थित वोडाफोन एडब्ल्यूएस ऑफिस में टेलीकॉलर के पद पर काम करती है।सहकर्मियों ने पुलिस को बताया कि रविवार शाम करीब 7:15 बजे शिवांशी वॉशरूम जाने की बात कहकर ऑफिस से निकली थी। कुछ देर बाद उसने वॉशरूम की खिड़की खोलकर छलांग लगा दी। पहले तल पर लगे टीन शेड से टकराने के कारण उसकी जान बच गई, लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गई।घटना के बाद बिल्डिंग के सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल युवती को लोहिया संस्थान पहुंचाया गया।पुलिस ने युवती के पिता राम प्रकाश पाल और अन्य परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। उसकी बहन भी अस्पताल पहुंच गई है। फिलहाल, परिवार ने किसी तरह का आरोप लगाने से इन्कार किया है।प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के प्रयास के पीछे की वजह साफ नहीं हो सकी है। पुलिस युवती के मोबाइल की कॉल डिटेल और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। बहन के मुताबिक, शिवांशी पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थी।

बदायूं में 200 रुपये के विवाद को लेकर लोहे की चेन और ताले से हमला कर दोस्त की हत्या

बदायूं(एजेंसी)। शहर के घनी आबादी वाले कबूलपुरा क्षेत्र की आजाद वाली गली में रविवार देर रात करीब दस बजे को महज 200 रुपये के लेन-देन को लेकर हुआ विवाद खूनी वारदात में बदल गया। आपसी दोस्ती और भरोसे के रिश्ते को तार-तार करते हुए युवकों ने अपने ही साथी की बेरहमी से हत्या कर दी। लोहे की चेन और ताले से हमला कर-के उसे मार डाल। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। वारदात के बाद एसपी सिटी, सीओ सिटी ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान सदर कोतवाली के लड्डन की टाल मोहल्ला चौधरी सराय निवासी शाहिद पुत्र अरशद (28) के रूप हुई। यह पेशे से पेंटर था और मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। बताया जा रहा है कि शाहिद और आरोपी युवक दो सगे भाई नईम, वासिफ और फजल निवासी रमजानपुर थाना कादरचौक व हाल निवासी मोहल्ला चौधरी सराय आपस में परिचित ही नहीं बल्कि साथ काम करने वाले दोस्त भी थे। सभी लोग बरेली में कपड़ों का काम करते थे और अक्सर साथ उठते-बैठते थे।पुलिस के अनुसार शाहिद ने कुछ समय पहले अपने साथियों से 500 रुपये उधार लिए थे, जिनमें से वह 300 रुपये लौटा चुका था। बकाया 200 रुपये की मांग को लेकर रविवार को नईम, वासिफ और फजल कबूलपुरा के पास पहुंचे। शुरूआत में सामान्य बातचीत हुई, लेकिन देखते ही देखते माहौल गरमा गया और कहासुनी गाली-गलौज में बदल गई।चेन में बंधे ताले से किया जानलेवा हमला, सीने में अंदर तक धंसा प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद के दौरान मौके पर पड़ी लोहे की चेन में बंधा भारी ताला उठाकर आरोपियों ने शाहिद पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। एक जोरदार वार उसके सीने और गले के पास लगा, जो इतनी ताकत से किया गया कि ताला शरीर में अंदर तक धंस गया। गंभीर चोट लगते ही शाहिद लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़ा और बेहोश हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजन और स्थानीय लोग आनन-फानन में घायल शाहिद को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी नईम और वासिफ को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया है। जबकि तीसरा आरोपी फजल फरार है, जिसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई को जायेगी।

इकलौते बेटे ने शादी के तीसरे दिन सुसाइड किया

गोसाईगंज(एजेंसी)। थाना क्षेत्र के रकीबाबाद गांव में इकलौते बेटे ने शादी के तीसरे दिन सुसाइड कर लिया। परिजन ने आरोप लगाया है कि मां को बाइक की टक्कर मारने पर पड़ोस के एक लड़के से उसका विवाद हो गया था। उसके बाद युवक ने पुलिस बुला ली थी। तभी से वह लड़का बार-बार फोन कर धमकी दे रहा था।मृतक की पहचान 20 वर्षीय रामजीत के रूप में हुई है। वह मजदूरी करता था। शनिवार शाम उसकी मां रामकुमारी को गांव के ही एक बाइक सवार ने टक्कर मार दी थी। इस बात को लेकर रामजीत और बाइक सवार के बीच विवाद हो गया तो रामजीत ने डायल-112 पर फोन कर पुलिस बुला ली थी।छत के हुक से लगाया फंदापरिजनों के अनुसार, विवाद के बाद आरोपी युवक ने रामजीत को फोन पर कई बार हत्या करने के लिए धमकाया। इन धमकियों के कारण रामजीत तनाव में था। इसी तनाव में उसने अपने घर के कमरे में छत के हुक से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। रामजीत की शादी 30 अप्रैल को नगराम क्षेत्र के गुलालखेड़ा गांव की रितु से हुई थी। घटना के समय उसकी पत्नी मायके में थी। सूचना मिलते ही वह ससुराल आई। उसका रो-रोकर बुरा हाल था।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में फसल बीमा क्षतिपूर्ति वितरण कार्यक्रम सम्पन्न, 10 किसानों को प्रतीकात्मक चेक वितरित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शासन के निदेशों के क्रम में खरीफ 2025 एवं रबी 2025-26 मौसम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत प्रभावित कृषकों को क्षतिपूर्ति वितरण हेतु विकास भवन सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी गौतमबुद्धनगर द्वारा की गई।

कार्यक्रम में कृषि बीमा कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा जनपद में खरीफ 2025 में बीमित कृषकों की फसलों के लिए कुल 24,17,982 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे किसानों के खातों में प्रेषित की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा 10 किसानों को प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए।

चेक प्राप्त करने वाले कृषकों में दयानंद शर्मा (ग्राम फजायलपुर) को 25,838.91 रुपये, सतीश (ग्राम फजायलपुर) को 25,838.91 रुपये, अलीमुद्दीन (ग्राम दौलराजपुर) को 25,033.76 रुपये, जयपाल शर्मा (ग्राम मचक मडैया) को 23,434.06 रुपये, कृपाल सिंह (ग्राम शाहपुर खुर्द) को 20,986.98 रुपये, जगवीर सिंह भाटी (ग्राम दौलराजपुर) को 19,363.82 रुपये, लखन (ग्राम शाहपुर खुर्द) को 18,279.16 रुपये, शगीर अहमद (ग्राम

दौलराजपुर) को 16,734.38 रुपये, अजयपाल सिंह (ग्राम दौलराजपुर) को 16,478.00 रुपये, फिरेराम (ग्राम शाहपुर खुर्द) को 14,938.10 रुपये तथा संतोषी (ग्राम बिसाहड़ा) को 15,712.52 रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान की गई।

उप कृषि निदेशक गौतमबुद्धनगर ने बताया कि खरीफ मौसम में धान एवं बाजरा फसल को योजना के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। क्लस्टर समन्वयक डी आर सिंह ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि धान की बीमित धनराशि 84,100 रुपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित है, जिसमें कृषक अंश के रूप में 2 प्रतिशत (1,682 रुपये प्रति हेक्टेयर) प्रीमियम देय होगा। इसी प्रकार बाजरा की बीमित धनराशि 33,600 रुपये प्रति हेक्टेयर है तथा कृषक अंश 2 प्रतिशत (672 रुपये प्रति हेक्टेयर) प्रीमियम निर्धारित किया गया है।

यह योजना जनपद के सभी ऋणी एवं गैर ऋणी कृषकों के लिए लागू है। ऋणी कृषकों के लिए यह योजना स्वैच्छिक रखी गई है। इच्छुक कृषक 31 जुलाई 2026 तक अपनी धान एवं बाजरा फसल का बीमा बैंक अथवा जन सेवा केंद्र के माध्यम से करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि फसल कटाई के उपरांत 14 दिनों तक खेत में सूखने हेतु रखी गई फसल को यदि ओलावृष्टि, चक्रवात, चक्रवाती वर्षा अथवा बेमौसम वर्षा से क्षति होती है, तो कृषकों को 72 घंटे के भीतर भारत सरकार के टोल फ्री नंबर 14447 अथवा क्रॉप इंश्योरेंस ऐप के माध्यम से सूचना देना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम में बीमा कंपनी के प्रतिनिधि देवराज सिंह राठौर, क्लस्टर समन्वयक डी आर सिंह, उप कृषि निदेशक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। बीमा कंपनी के तहसील प्रतिनिधि धीरज कुमार (सदर), रामवतार (जेवर) एवं दुर्गेश कुमार (दादरी) भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

शामली में भाजपा कार्यकताओं ने मनाया जीत का जश्न

शामली (शिखर समाचार)। पश्चिम बंगाल और असम में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने की खुशी में सोमवार को शहर में भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकताओं ने आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। शहर के शिव चौक पर एकत्रित कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर नृत्य किया और अपनी खुशी जाहिर की। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी और भारत माता की जय तथा भाजपा जिंदाबाद के नारे लगाए। चेयरमैन अरविन्द संगल ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि देशभर में भाजपा की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है और आने वाले समय में पार्टी और मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी। वहीं, शहर के अस्पताल रोड पर भी कार्यकताओं ने आतिशबाजी कर जश्न मनाया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ रामजी लाल कश्यप, चेयरमैन अरविन्द संगल, रूबी चौधरी, शशि अरोड़ा, मंजू आर्य, पूनम शर्मा, उपाध्यक्ष पुनीत द्विवेदी, डॉ अनुराग शर्मा, सलमान अहमद, अमित मित्तल, कमल, मनोज शर्मा, पंकज गुप्ता, रॉबिन गर्ग, वरुण शर्मा, ऋषिपाल, प्रमोद नामदेव, पंकज गर्ग, वैभव संगल, मनोज मित्तल, अनिल उपाध्याय, विनोद तोमर, हरिओम पाठक, वैभव शर्मा, प्रमोद गर्ग, राहुल गोस्वामी, संजय बंसल, सोनू चावला, रोहित विश्वकर्मा, अरविंद खटीक, सचिन जैन, स्नेहा गर्ग, देवेंद्र डिगाना, रितेश मित्तल, राकेश जांगिड़, प्रमोद उर्फ राजू, विशेष सराहा, वीरेंद्र सिंह, चंद्रपाल सिंह और घनश्याम पार्चा सहित अनेक कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई।

किसान व डीलर्स के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित, उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर जोर

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। कृषि विज्ञान केंद्र नगीना पर कृषि विभाग द्वारा उर्वरकों के संतुलित उपयोग विषय पर कृषकों, इनपुट डीलर्स एवं विभागीय कर्मचारियों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सोमवार को आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित टीम के सदस्य डॉ. आर. एस.एच. श्रीवास्तव, डॉ. एस. बरुआ एवं देवदत्त ने प्रतिभाग किया। टीम के सदस्यों ने उपस्थित प्रतिभागियों से उर्वरकों के संतुलित उपयोग के तरीकों पर चर्चा की तथा जनपद में उर्वरकों की अधिक खपत के कारणों को समझने के लिए विस्तृत सर्वे भी किया। कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी जसवीर तेवतिया ने कहा कि जनपद में मृदा की उर्वरता बनाए रखने और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने के उद्देश्य से किसानों को ढैंचा बीज 500 कुंतल से अधिक मात्रा में 50 प्रतिशत अनुदान पर

उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही जैविक उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने, किसानों के खेतों पर जैविक उर्वरक उत्पादन, वर्मी कम्पोस्ट इकाइयों की स्थापना तथा राइजोबियम कल्चर व एजोटोबैक्टर की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. के. के. सिंह ने बताया कि केंद्र की टीम वर्तमान में कृषि विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, गन्ना विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर उर्वरकों के संतुलित उपयोग प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान किसानों को गन्ना, धान और गेहूं की फसलों में उर्वरकों के संतुलित उपयोग का चार्ट भी समझाया जा रहा है, जिससे उत्पादन बढ़ाने के साथ साथ मृदा स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए रखा जा सके।

30 हेक्टेयर में विकसित होगी हरिपुर आवासीय योजना, भूमि क्रय लागत 180 करोड़ से अधिक

हापुड़ (शिखर समाचार) मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) द्वारा हापुड़ ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम चक्रसैनपुर उर्फ बाबूगढ़ में 30 हेक्टेयर क्षेत्रफल में हरिपुर आवासीय योजना विकसित की जा रही है। इस योजना के लिए अब तक लगभग 26 हेक्टेयर भूमि की रजिस्ट्री किसानों द्वारा प्राधिकरण के पक्ष में कराई जा चुकी है, जबकि शेष 4 हेक्टेयर भूमि की रजिस्ट्री की प्रक्रिया जारी है।

एचपीडीए के उपाध्यक्ष मुकेश चन्द्रा ने बताया कि करीब दो दशक बाद प्राधिकरण द्वारा नई आवासीय योजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। किसानों से सहमति के आधार पर भूमि क्रय की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। भू-अर्जन एवं पुनर्ग्रहण क्रय सलाहकार नृपेश सिंह तोमर द्वारा किसानों को मुआवजे के चेक भी वितरित किए जा चुके हैं, जिससे शेष किसान भी रजिस्ट्री के लिए आगे आ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य हापुड़ को स्मार्ट, पर्यावरण अनुकूल और नागरिक केंद्रित शहर के रूप में विकसित करना है। हरिपुर आवासीय योजना को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा, ताकि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे हो सकें।

एनसीआर के लिए बनेगी मिसाल

उपाध्यक्ष मुकेश चन्द्रा के अनुसार चक्रसैनपुर उर्फ बाबूगढ़ में विकसित हो रही यह योजना केवल हापुड़ ही नहीं, बल्कि पूरे एनसीआर क्षेत्र के लिए एक उदाहरण साबित होगी। इससे नागरिकों को सुरक्षित, समृद्ध और टिकाऊ जीवनशैली उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

100 से अधिक किसान दे रहे भूमि

भू-अर्जन सलाहकार नृपेश सिंह तोमर ने बताया कि इस योजना के लिए 100 से अधिक किसानों से भूमि ली जा रही है। अब तक 26 हेक्टेयर भूमि की रजिस्ट्री हो चुकी है और शेष भूमि की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

180 करोड़ से अधिक की लागत

हरिपुर आवासीय योजना की कुल लागत 180 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। इसमें से 70 करोड़ रुपये भूमि क्रय के लिए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्राधिकरण को उपलब्ध कराए गए हैं।

योजना शुरू होने से पहले ही बढ़ी मांग

हालांकि योजना अभी पूरी तरह धरातल पर नहीं उतरी है, इसके बावजूद लोगों में इसका खासा आकर्षण देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में लोग एचपीडीए कार्यालय पहुंचकर योजना में प्लॉट खरीदने की जानकारी ले रहे हैं।

शिक्षा गौरव सम्मान समारोह में मेधावी छात्र छात्राओं का हुआ सम्मान

शामली। (शिखर समाचार) गांव गोमतीपुर में सोमवार को शिक्षा गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 10वीं व 12वीं कक्षा के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर शिवराज ने की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी सीमा मेहरा, नीरज कश्यप, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी शौकीनदर कश्यप, ग्राम प्रधान सुनील कश्यप तथा पूर्व प्रधान नरेश कश्यप उपस्थित रहे। अतिथियों ने 10वीं व 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को 501-501 रुपये की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया, जबकि 12वीं के टॉपर छात्र को धीरज कश्यप द्वारा 1100 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही सभी सफल छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समाजसेवी सीमा मेहरा ने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया तथा घोषणा की कि अगले वर्ष टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को 5100 रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्य सोहनवीर कश्यप, शिवराज कश्यप, मास्टर सत्येंद्र कश्यप, डॉक्टर विकास कश्यप, डॉक्टर अनुज कश्यप, सोनू कश्यप, अमित कश्यप, धीरज कश्यप और अंकित कश्यप का विशेष योगदान रहा।

ऐतिहासिक विजय पर ग्रेटर नोएडा में भव्य उत्सव

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में प्राप्त प्रचंड एवं ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में ग्रेटर नोएडा मंडल कार्यालय में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच भव्य विजय उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अर्पित तिवारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं समर्थक एकत्रित हुए और हर्षोल्लास के साथ इस जीत का जश्न मनाया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर खुशी व्यक्त की तथा ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ पूरे परिसर में उत्सव का माहौल बना रहा।कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं में संगठन के प्रति समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। ह्लभारत माता की जयह्व और ह्लवंदे मातरम्ह्व के नारों से वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। सभी के चेहरों पर विजय का उत्साह और भविष्य के प्रति नई ऊर्जा देखने को मिली। अपने संबोधन में मंडल अध्यक्ष श्री अर्पित तिवारी ने कहा कि यह जीत केवल एक राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि जनता द्वारा विकास, सुशासन और पारदर्शिता की नीतियों पर जताया गया विश्वास है। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों में मिली यह विजय दशार्ती है कि अब जनता विकास और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे रही है।उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है, जिससे जनता का विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। उन्होंने कार्यकताओं की भूमिका को इस सफलता का आधार बताते हुए कहा कि बूथ स्तर से लेकर हर स्तर पर कार्यकताओं के अथक प्रयासों का ही यह परिणाम है।

हाईराइज भवनों में मॉक ड्रिल के जरिए परखी गई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, कमियों पर जारी हुए नोटिस

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कमिश्नरेट गाजियाबाद में 01 मई 2026 से संचालित एक सप्ताह के विशेष अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को विभिन्न हाईराइज भवनों और महत्वपूर्ण परिसरों में व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस अभियान का उद्देश्य आमजन को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है।

इस दौरान मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद राहुल पाल सहित अन्य प्रभारी अधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्रों में पहुंचकर प्रमुख भवनों में मॉक ड्रिल कराई। जिन स्थानों पर ड्रिल आयोजित की गई, उनमें सुपरटेक वैशाली सेक्टर-5, पंचशील सोसायटी सेक्टर-3 वैशाली, अर्था टावर सेक्टर-4 वैशाली, आशियाना सोसायटी राजनगर एक्सटेंशन, भोवापुर स्थित झुग्गी क्षेत्र कौशाम्बी, द सिग्नेचर रेजिडेंसी सेक्टर-सी-6 ट्रोनिका सिटी लोनी, वीवीआईपी सोसायटी, राजनगर एक्सटेंशन, राजनगर रेजिडेंसी, अंसल सुमंगलम,

अंसल सुंदरम, अंसल सुमेधा, अंसल शिवम, अंसल सत्यम (आरडीसी राजनगर), सिटी अपार्टमेंट आदित्य वर्ल्ड सिटी, गुलमोहर ग्रीन सोसायटी मोहननगर साहिबाबाद, शालीमार सिटी सोसायटी गरिमा गार्डन, ऑक्सी होम सोसायटी, दिल्ली-99 सोसायटी टीला मोड़, आनंद धाम सोसायटी वजीराबाद रोड, पंचशील सोसायटी गोविंदपुरम, जगमोहन हॉस्पिटल, जीडी हॉस्पिटल बेहटा हाजीपुर लोनी, मायो हॉस्पिटल कादराबाद, सीएमडी कॉलेज मोदीनगर तथा अमर ज्योति हैंडलूम मुरादनगर सहित अनेक स्थान शामिल रहे।

अभियान के दौरान अग्निशमन विभाग की टीम ने फायर टेंडरों के साथ भवनों के निकास मार्गों का निरीक्षण किया और अग्निशमन प्रणालियों की जांच की। साथ ही, उपस्थित लोगों को अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया और आग से होने वाली जन-धन हानि के प्रति जागरूक किया गया।

निरीक्षण में जिन भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था में खामियां पाई गईं, उन्हें सुधार के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा संबंधित भवन स्वामियों को विद्युत सुरक्षा प्रणाली का ऑडिट कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी भवनों में स्थापित अग्निशमन प्रणालियां हमेशा ऑटो मोड और कार्यशील स्थिति में रहनी चाहिए तथा सभी निकास मार्ग अवरोध मुक्त होने चाहिए, ताकि आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी सुनिश्चित हो सके।

कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान जनसुरक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करें और अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

दहेज हत्या का आरोपी पति व सास गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

रबूपुरा (शिखर समाचार)। पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में फरार चल रहे मृतका के पति और सास को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इससे पहले मामले में आरोपी ससुर को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस के अनुसार, रबूपुरा कस्बा निवासी सगीर ने अपनी पुत्री सोफिया की शादी करीब पांच वर्ष पूर्व कोतवाली क्षेत्र के गांव मेहंदीपुर निवासी समीर के साथ की थी। विवाह में लड़की पक्ष द्वारा अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-दहेज दिया गया था, लेकिन आरोप है कि ससुराल पक्ष इससे संतुष्ट नहीं था। शादी के कुछ समय बाद ही पति और अन्य परिजन दहेज में वैगन आर कार की मांग को लेकर सोफिया को प्रताड़ित करने लगे। परिजनों का आरोप है कि कई बार मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने कई बार समझौते का प्रयास भी किया, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। आरोप है कि शनिवार दोपहर एक बार फिर दहेज की मांग को लेकर सोफिया के साथ मारपीट की गई और विरोध करने पर आरोपियों ने फांसी लगाकर उसकी हत्या कर दी। मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पति समीर, ससुर सरफराज, सास शाहिदा उर्फ सज्जो तथा ननद मिर्जा और आशा के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने पहले ही ससुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं, सोमवार को वांछित आरोपी पति समीर पुत्र सरफराज उर्फ शरफुद्दीन और सास शाहिदा उर्फ सज्जो को फलेदा कट से गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मोदीनगर में तीन लोगों की संदिग्ध मौत से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर के अलग-अलग स्थानों पर तीन व्यक्तियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तीनों मामलों में जांच शुरू कर दी है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की गई है।

पहला मामला हापुड़ रोड स्थित दयावती पब्लिक स्कूल परिसर के गेस्ट हाउस का है, जहां कमरा नंबर 302 में रह रहे 48 वर्षीय प्रवीण कुमार मृत अवस्था में पाए गए। वह लखनऊ के ओमेक्स रेजिडेंसी के निवासी थे और यहां उमेश कुमार मोदी समूह की एक कंपनी में सेल्स मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। बताया गया है कि प्रवीण पेट की बीमारी के चलते रात में दवा लेकर सोए थे, लेकिन सुबह देर तक नहीं उठे। इस पर उनके चालक इंद्र कुमार ने कमरे में जाकर देखा तो वह अचेत अवस्था में बेड पर पड़े थे। सूचना पर पहुंचे चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने कमरे से नमूने एकत्र किए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दूसरी घटना निवाड़ी रोड स्थित एक फार्म हाउस से जुड़ी है। नेकपुर गांव निवासी सुशील त्यागी के 25 वर्षीय पुत्र शिवम त्यागी, जो फार्म हाउस पर गार्ड के रूप में कार्यरत थे, उनका शव सुबह कान्हा एंक्लेव के पास सड़क किनारे मिला। परिजनों ने इस मामले में हत्या की आशंका जताई है और आरोप लगाया है कि शिवम की हत्या कर शव को सड़क किनारे फेंका गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

तीसरी घटना सिखेड़ा रोड औद्योगिक क्षेत्र की है, जहां बिहार के गया जनपद निवासी योगी यादव का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। बताया जाता है कि मृतक के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और शव को अपने साथ बिहार ले गए।

भीम आर्मी के विधिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बने संजीव सिंह

जेवर (शिखर समाचार)। कस्बे में सोमवार को भीम आर्मी के कार्यकताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विस्तार पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान विधिक प्रकोष्ठ को मजबूत करते हुए अधिवक्ताओं को विभिन्न पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजकुमार भाटी (जिला अध्यक्ष एएसपी) तथा राजकुमार सिंह मंडावरा (जिला संरक्षक, विधिक प्रकोष्ठ एएसपी) मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व और उनके संघर्षों से प्रेरित होकर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जा रहा है।

इस दौरान जेवर विधानसभा क्षेत्र में एएसपी युवा मोर्चा के तहत अधिवक्ताओं को विधिक प्रकोष्ठ में शामिल किया गया। इसमें राजकुमार

सिंह को उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता, शिव कुमार को महासचिव, बंटी गौतम को सचिव, योगेंद्र सिंह को मीडिया प्रभारी तथा मनीष गौतम, गगन गौतम, जतिन कुमार और राहुल कुमार को सदस्य बनाया गया। बैठक में संजीव सिंह दरियापुर को विधिक प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नव नियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने और जनमानस की कानूनी आवाज बनने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर सुनील भगवान (जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा), बुद्ध घोष (जिला प्रभारी, विधिक प्रकोष्ठ), नरेंद्र सिंह (तहसील अध्यक्ष, विधिक प्रकोष्ठ), हरकिशन सिंह (विधानसभा अध्यक्ष), सुशील कसाना (जिला सह प्रभारी), अनूप चौधरी, पिंटू, अमित, जितेंद्र, रोहित सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर जेवर में जश्न, कार्यकताओं ने बांटी मिठाई

जेवर (शिखर समाचार): तीन राज्यों में विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद सोमवार को जेवर स्थित पार्टी कार्यालय पर कार्यकताओं ने उत्साह के साथ जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकताओं ने एकत्र होकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और जीत की खुशी साझा की। पूरे माहौल में उत्सव का वातावरण बना रहा तथा कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

मंडल महामंत्री रोहित ठाकुर ने बताया कि पांच राज्यों में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में से पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों और विभिन्न योजनाओं के प्रभाव का

परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी जनता का समर्थन इसी प्रकार पार्टी को मिलता रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष संजीव शर्मा, अरविंद शर्मा, रवि अग्रवाल, रवेंद्र बोबी शर्मा, प्रदीप अत्री, अशोक शर्मा, गिरीश तायल, आकाश, डोरीलाल, देवेश बघेल, जैकी प्रधान, नितिन जैन, अनुराग शर्मा, बच्चू मीणा, आकाश भट्ट, शिवकुमार शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

पांच राज्यों के नतीजे : किस राज्य में किसकी सरकार बनी, जनादेश ने साफ किया राजनीतिक परिदृश्य

4 मई 2026 को आए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने देश की राजनीति को एक स्पष्ट दिशा दे दी है। सुबह से शुरू हुई मतगणना के बाद शाम तक स्थिति काफी हद तक साफ हो चुकी है और यह तय हो गया है कि किन राज्यों में किस दल की सरकार बनने जा रही है। इस जनादेश ने यह भी साबित कर दिया है कि देश का मतदाता अब पहले से अधिक जागरूक, निर्णायक और मुद्दों के आधार पर फैसला लेने वाला हो गया है।

सबसे पहले पश्चिम बंगाल की बात करें तो यहां भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल करते हुए पहली बार राज्य की सत्ता पर कब्जा जमाने में सफलता प्राप्त की है। लंबे समय से क्षेत्रीय दल के वर्चस्व वाले इस राज्य में इस बार जनता ने परिवर्तन का संकेत दिया है। भाजपा को मिली यह जीत केवल एक राज्य की जीत नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे पूर्वी भारत में उसके बढ़ते प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। यह परिणाम विपक्ष के लिए एक बड़ा झटका भी है और यह दशार्ता है कि मतदाता अब पारंपरिक राजनीति से हटकर नए विकल्पों को स्वीकार करने के लिए तैयार है।

तमिलनाडु में इस बार का जनादेश सबसे ज्यादा चौंकाने वाला रहा है। यहां अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम ने बहुमत हासिल करते हुए राज्य की सत्ता पर दावा ठोक दिया है। द्रमुक और अन्नाद्रमुक जैसी मजबूत और वर्षों पुरानी पार्टियों को पीछे छोड़ते हुए इस नए दल का उभरना राज्य की राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। यह परिणाम इस बात को भी दशार्ता है कि युवा मतदाता और शहरी वर्ग अब नए नेतृत्व और नई सोच को अवसर देने के पक्ष में है। तमिलनाडु में यह बदलाव आने वाले समय में अन्य राज्यों की राजनीति को भी प्रभावित कर सकता है। असम में भारतीय जनता पार्टी ने लगातार तीसरी बार बहुमत हासिल करते हुए सरकार बनाने की स्थिति मजबूत कर ली है। राज्य में पार्टी की संगठनात्मक पकड़, नेतृत्व की स्वीकार्यता और विकास के मुद्दों पर किए गए काम का असर इस चुनाव में साफ दिखाई दिया है। मतदाताओं ने यहां स्थिरता को प्राथमिकता दी है और उसी सरकार को फिर से मौका दिया है, जिस पर उन्हें भरोसा है। यह परिणाम पूर्वोत्र भारत में भाजपा की मजबूत स्थिति को और अधिक सुदृढ़ करता है। केरल में इस बार भी परंपरा कायम रही है और सत्ता परिवर्तन देखने को मिला है। कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने बहुमत हासिल करते हुए सरकार बनाने का रास्ता साफ कर लिया है। वाम मोर्चे की सरकार को जनता ने इस बार नकार दिया है। केरल का मतदाता लंबे समय से हर चुनाव में सरकार बदलने का रुझान दिखाता रहा है और इस बार भी वही पैटर्न देखने को मिला है। यह परिणाम दशार्ता है कि यहां का मतदाता सत्ता के प्रति संतुलित दृष्टिकोण रखता है और किसी एक दल को लगातार लंबे समय तक मौका देने के पक्ष में नहीं है।

पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बहुमत प्राप्त करते हुए सरकार बनाने की स्थिति बना ली है। यहां भाजपा के नेतृत्व में गठबंधन को जनता का समर्थन मिला है। भले ही यह छोटा केंद्र शासित प्रदेश हो, लेकिन इसके नतीजे राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माने जाते हैं। पुडुचेरी में एनडीए की जीत केंद्र की राजनीति के अनुरूप एक सकारात्मक संकेत मानी जा रही है।

~ मौलिक चिंतन ~

सत्य की गुलामी, सबसे बड़ी आजादी!

~~~~~~~~~

©

विनय संकोची

अमेरिका में महंगाई और बेघर होते लोग

सनत जैन

विकास के बीच गहराती असमानता का संकट दुनिया की सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाने वाले अमेरिका में बेघर लोगों की बढ़ती संख्या एक गहरी सामाजिक और आर्थिक विडंबना को उजागर करती है। तकनीकी प्रगति, उच्च आय और वैश्विक प्रभाव के बावजूद, देश का एक बड़ा वर्ग आज भी बुनियादी जरूरतों छत, भोजन और स्वास्थ्य से वंचित है। यह स्थिति केवल गरीबी का नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता के बढ़ते अंतर का प्रत्यक्ष प्रमाण है। हाल के वर्षों में बेघर होना (होमलेसनेस) की समस्या तेजी से बढ़ी है। यह राजनीतिक जुमले नहीं हैं, जिसे एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल दिया जाए। बल्कि यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट के आंकड़े हैं जो बताते हैं, कि लाखों लोग स्थायी आवास से वंचित हैं। इन बेघर इंसानों में बड़ी संख्या कामकाजी वर्ग की भी है। यह तथ्य विशेष रूप से चिंताजनक है कि रोजगार होने के बावजूद लोग घर नहीं ले पा रहे हैं। इसका मुख्य कारण आवास की आसमान छूती कीमतें और स्थिर या सीमित वेतन है। कुल मिलाकर महंगाई की मार अब बड़े स्तर पर भी देखने को मिलने लगी है। लॉस एंजिल्स, सैन फ्रांसिस्को और न्यूयॉर्क सिटी जैसे बड़े शहरों में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है। यहां सड़कों, पुलों के नीचे, टेंट कॉलोनियों और अस्थायी शिविरों में रहने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन महानगरों में किराया इतना अधिक हो चुका है कि न्यूनतम वेतन पाने वाला व्यक्ति एक साधारण घर का खर्च भी नहीं उठा सकता। वैश्विक मंदी के इस दौर में बढ़ती महंगाई इस संकट का प्रमुख कारण है, लेकिन इसके पीछे भी कई परस्पर कारण जुड़ते हैं। इनमें स्थिर आय, महंगी स्वास्थ्य सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को भी शामिल किया गया है। इन कारणों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। कोविड-19 महामारी ने इस समस्या को और गहरा कर दिया, जब लाखों लोग बेरोजगार हो गए और उनकी आर्थिक सुरक्षा कमजोर पड़ गई। हालात को और चुनौतीपूर्ण बनाने में वैश्विक परिस्थितियों की भी भूमिका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गोरिन्शास ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष लंबा खिंचता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। तेल की कीमतों में वृद्धि और महंगाई में उछाल से आर्थिक वृद्धि दर घटकर लगभग 2 फीसद तक पहुंच सकती है, जो वैश्विक मंदी का सबसे बड़ा संकेत माना जाता है। ईरान के खिलाफ इजरायल के साथ मिलकर युद्ध शुरू करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'छोटी और निर्णायक' लड़ाई बताया था, लेकिन वास्तविकता कहीं अधिक जटिल साबित हो रही है। युद्ध, महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता का सीधा असर आम नागरिकों, खासकर कमजोर वर्गों पर पड़ता है।

यह कौन नहीं जानता कि बेघर लोगों का जीवन अत्यंत कठिन और असुरक्षित होता है। उन्हें खुले आसमान के नीचे रहना पड़ता है, जहां सुरक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव होता है। कई लोग अस्थायी आश्रयों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन वहां भी सीमित जगह और संसाधनों के कारण सभी को सुविधा नहीं मिल पाती। सरकार और सामाजिक संस्थाएं इस समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस हालात में केवल अस्थायी राहत उपाय पर्याप्त नहीं हैं। सस्ती आवास योजनाएं, रोजगार के बेहतर अवसर, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन को मजबूत करना आवश्यक है। अमेरिका का यह परिदृश्य एक व्यापक संदेश देता है, केवल आर्थिक विकास किसी समाज की समृद्धि का मापदंड नहीं हो सकता। जब तक विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंचते, तब तक असमानता की खाई गहराती रहेगी। बेघर लोगों की बढ़ती संख्या इस बात का स्पष्ट संकेत है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अब अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। युद्ध की भाषा को त्यागकर सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। अन्यथा, 'अमेरिकन ड्रीम' केवल एक सपना बनकर रह जाएगा, जिसे हकीकत में बदलने का अवसर हर नागरिक को

अस्थमा की वैश्विक त्रासदीः सबसे ज़्यादा भारत में दुनिया की 46प्र. मौतें

दिलीप कुमार पाठक

शहर की भागती भीड़ में अगर आप किसी चौराहे पर खड़े होकर गौर करें, तो आपको हर पांचवें-छठे बच्चे के कंधे पर लटके स्कूल बैग के किनारे से एक प्लास्टिक का इनहेलर झांकता मिल जाएगा। यह आज की वह कड़वी हकीकत है जिसे हम विकास की चकाचौंध में अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। हमने आलीशान हाईवे और चमकते एक्सप्रेस-वे तो बना लिए, हाथ में 5जी मोबाइल भी थाम लिया, लेकिन उसी हाथ में हमारे बच्चों के लिए नेबुलाइजर की पाइपें भी थमा दीं। हम विकास की ऐसी दौड़ में शामिल हो गए हैं जहां बैंक बैलेंस तो बढ़ रहा है, लेकिन फेफड़ों की उम्र घट रही है।

आज विश्व अस्थमा दिवस पर जब दुनिया इलाज की पहुंच की बात कर रही है, तो हमें यह पूछना होगा कि क्या हम वाकई बीमारी का इलाज ढूंढ रहे हैं या उस जड़ को ही खाद-पानी दे रहे हैं जो इस बीमारी को पैदा कर रही है?अस्थमा अब केवल जेनेटिक या पुरानी बीमारी नहीं रह गई है। यह विशुद्ध रूप से एक इकोलॉजिकल क्राइम यानी पर्यावरण के खिलाफ किए गए अपराध का नतीजा है। भारत की हवा में जो जहर घुल चुका है, वह सीधे हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुंचा रहा है। प्रदूषण की बात चलते ही हमारी सुई अक्सर गाड़ियों के धुएं पर टिक जाती है, लेकिन हम उस मौसमी कहर को कैसे भूल सकते हैं जो उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से का दम घोंट देता है? खेतों में जलती पराली ने अस्थमा के संकट को एक भयावह मोड़ दे दिया है। जब किसान भाई मजबूरन खेतों में आग लगाते हैं, तो वह काला धुआं सरहदों को नहीं पहचानता। वह धुआं स्मॉग बनकर हमारे घरों के ड्राइंग रूम तक घुस आता है, और तब सांस के मरीजों के लिए हर एक पल मौत से लड़ने जैसा होता है। विडंबना देखिए कि जिस मिट्टी से हमें अन्न मिलता है, उसी मिट्टी के ऊपर जलती आग हमारे मासूमों के फेफड़ों को झुलसा रही है। अगर आंकड़े देखें तो भारत में करीब 3 करोड़ से ज्यादा लोग अस्थमा से जूझ रहे हैं। सबसे भयावह तथ्य यह है कि दुनिया भर में अस्थमा से होने वाली मौतों में लगभग 46 प्रतिशत मौतें अकेले भारत में होती हैं। भारत में अस्थमा मरीजों की तादाद उतनी बड़ी समस्या नहीं है, जितनी कि उनसे होने वाली मौतों का आंकड़ा, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है।

यह आंकड़ा डराने वाला कम और शर्मिंदा करने वाला ज्यादा है। यह बताता है कि हमारे यहां या तो बीमारी की पहचान बहुत देर से होती है, या फिर इलाज इतना महंगा और जटिल है कि आम आदमी की पहुंच से बाहर है। अस्थमा के साथ सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि इसके साथ एक सामाजिक कलंक जुड़ा है। आज भी कई माता-पिता यह स्वीकार करने को तैयार नहीं होते कि उनके बच्चे को दमा है। उन्हें लगता है कि इनहेलर की लत लग जाएगी। जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि इनहेलर ही सबसे सटीक इलाज है क्योंकि यह सीधे प्रभावित नली पर काम करता है। दवाइयों की गोलियां पूरे शरीर में घूमकर असर करती हैं, जबकि इनहेलर सीधे फेफड़ों पर निशाना साधता है। समाज की इसी नासमझी और इलाज के डर ने इस बीमारी को घर-घर में घातक बना दिया है। प्रदूषण की मार केवल बाहर ही नहीं है, हमारे घरों के भीतर भी है। अगरबत्ती का धुआं, बंद कमरों की नमी और रसोई से निकलता धुआं ये सब अस्थमा के मरीजों के लिए साइलेंट किलर का काम करते हैं। इसके ऊपर से बढ़ती गर्मी और हीटवेव ने इस संकट को दोगुना कर दिया है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, हवा में ओजोन का स्तर और धूल के कण बढ़ते हैं, जो सांस की नलियों में सूजन पैदा कर देते हैं। अब समय केवल जागरूकता का नहीं, बल्कि जवाबदेही का है।

सरकार को पराली प्रबंधन के ऐसे विकल्प देने होंगे जो किसान की जेब पर भारी न पड़ें, और सड़कों की धूल के लिए सख्त नियम बनाने होंगे। लेकिन क्या सिर्फ कानून काफी हैं? नागरिक के तौर पर हमें सोचना होगा कि हम सिर्फ एसी चलाकर गर्मी से तो बच रहे हैं, पर बाहर की हवा को और जहरीला नहीं बना रहे? क्या हम कूड़ा जलाने या बेवजह गाड़ियां दौड़ाने से पहले अपनी अगली पीढ़ी के फेफड़ों का ख्याल कर रहे हैं? हमें समझना होगा कि अस्थमा का इलाज सिर्फ महंगी दवाओं में नहीं है, बल्कि उस हवा में है जिसे हम और आप साझा करते हैं। यदि आज हमने अपनी जीवनशैली और पर्यावरण को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए, तो आने वाली नस्लें हमें माफ नहीं करेंगी। दवाएं तो शायद मिल जाएं, लेकिन कुदरती और खुली सांसों का कोई विकल्प नहीं है। आखिर हमारी तरक्की का क्या मतलब, अगर वह हमें खुली हवा में सुकून से सांस लेने के लायक भी न छोड़े?

(लेखक पत्रकार हैं)

ममता का किला ढहा, भगवा लहर का उदय

प्रियंका सौरभ

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय–जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है–ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने 195+ सीटें जीतकर TMC के 15 वर्षीय शासन को उखाड़ फेंका। एंटी-इनकंबेंसी, घुसपैठ, भ्रष्टाचार और CAA ने मातुआ वोट एकजुट किया। ममता की 'अजेय' छवि टूटी, विपक्ष कमजोर। राष्ट्रीय INDIA गठबंधन प्रभावित, पूर्वी भारत में BJP विस्तार। नई सरकार विकास-कानूनव्यवस्था पर फोकस करेगी, परंतु हिंसा रोकना चुनौती। यह जीत लोकतंत्र में परिवर्तन का प्रतीक है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ऐतिहासिक जीत ने न केवल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया, बल्कि पूरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। रुझानों और अंतिम परिणामों के अनुसार, बीजेपी ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 195 से अधिक सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि टीएमसी 100 सीटों के आसपास सिमट गई। कांग्रेस और सीपीआई(एम) जैसे पारंपरिक विपक्षी दल क्रमशः 2-3 और 1-2 सीटों तक सीमित रह गए। यह परिणाम 2021 के चुनाव से पूरी तरह उलट हैं, जब टीएमसी ने 213 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल किया था। बीजेपी का वोट शेयर 2016 के मात्र 10% से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 39% हो चुका था, और अब यह पूर्ण सत्ता में तब्दील हो गया।

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय–जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है–ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में TMC कार्यकर्ताओं द्वारा हिंसा, ने गैर-टीएमसी मतदाताओं को एकजुट किया। पहले चरण में 92.88% का रिकॉर्ड मतदान इसी असंतोष का प्रमाण था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक प्रचार ने इस लहर को और तेज किया। मोदी ने 'अंग-बंग-कलिंग' (बंगाल, बिहार, ओडिशा) में बीजेपी शासन का नारा दिया, जबकि शाह ने 152 में से 110 सीटों पर बढ़त का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुत्व, विकास और 'बुलडोजर बाबा' की छवि के साथ हिंदू मतदाताओं को लामबंद किया। महिला आरक्षण बिल को केंद्र सरकार की विफलता बताने वाले विपक्षी दावों को बीजेपी ने पलटकर टीएमसी के कुशासन से जोड़ा। उच्च मतदान ने दबे हुए वोटरों–खासकर महिलाओं और युवाओं–को बाहर निकाला, जो टीएमसी के 'खेला होगा' नारे से प्रभावित नहीं हुए।

ममता बनर्जी की 'अजेय दीदी' वाली छवि इस हार के साथ पूरी तरह ध्वस्त हो गई। 2011 से बंगाल पर काबिज टीएमसी को अब विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ेगी, जो उसके लिए अपरिचित चुनौती है। पार्टी में आंतरिक कलह की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि शुभेंदु अधिकारी जैसे पूर्व TMC नेता बीजेपी में सफल साबित हुए। ममता ने एग्जिट पोल्स को 'बीजेपी का पेड नैरेटिव' करार दिया और केंद्र पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया, लेकिन रुझान सरकार गंवाने की ओर स्पष्ट इशारा कर रहे थे। टीएमसी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए, परंतु निष्पक्षता के प्रमाण–जैसे रिकॉर्ड मतदान–ने इन दावों को कमजोर कर दिया। भविष्य में टीएमसी का पुनर्गठन कठिन होगा, क्योंकि उसका जमीनी संगठन भ्रष्टाचार के दागों से ग्रस्त हो चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर इस जीत के मायने गहन हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सीमित बहुमत वाली मोदी 2.0 सरकार को बंगाल ने पूर्ण राज्य सरकार के रूप में मजबूत आधार प्रदान किया। पूर्वी भारत में बीजेपी का विस्तार–असम और बिहार के साथ अब बंगाल–हिंदुत्व और विकास मॉडल की अपार सफलता का प्रमाण है। INDIA गठबंधन कमजोर पड़ जाएगा, क्योंकि टीएमसी का राष्ट्रीय कद घटेगा। उत्तर प्रदेश 2027 और बिहार चुनावों पर इसका सीधा असर पड़ेगा, जहां बीजेपी मजबूत स्थिति में होगी। संघ परिवार की संगठनात्मक क्षमता ने क्षेत्रीय दलों को कड़ी टक्कर दी, जो भविष्य के चुनावी रणनीतियों को प्रभावित करेगी।

विपक्ष की स्थिति अब त्रिशंकु में आ गई है। कांग्रेस और वाम मोर्चा की नगण्य भूमिका 2021 से जारी रही, जो राष्ट्रीय विपक्ष की एकजुटता पर सवाल खड़े करती है। ममता का राजनीतिक करियर अब अनिश्चित है–क्या वे विपक्ष की नेता बनेंगी या पार्टी में नई पीढ़ी उभरेगी? विपक्ष को नई रणनीति अपनानी होगीः या तो कांग्रेस-वाम का मजबूत गठबंधन, या नया क्षेत्रीय मोर्चा। बंगाल अब बीजेपी का गढ़ बन चुका है, जिससे विपक्ष की आवाज राष्ट्रीय पटल पर और मद्धम हो गई।

सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से, नई बीजेपी सरकार विकास, कानून-व्यवस्था और घुसपैठ रोक पर फोकस करेगी। मातुआ समुदाय को CAA के लाभ मिलेंगे, जबकि बंगाल की जर्जर अर्थव्यवस्था–जो टीएमसी के कुशासन से पीड़ित थी–को नई दिशा मिल सकती है। हालांकि, राजनीतिक हिंसा को समाप्त करना और बंगाली अस्मिता के साथ भगवा लहर का संतुलन बनाना प्रमुख चुनौतियां होंगी। महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यकों के मुद्दे–जैसे आरक्षण, रोजगार और शिक्षा–नई सरकार के एजेंडे में रहेंगे। बंगाल की सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए विकास मॉडल लागू करना होगा। भारतीय संस्कृति

भविष्य की संभावनाएं रोचक हैं। बीजेपी को आंतरिक कलह से बचना होगा, जो उसके बंगाल संगठन की पुरानी कमजोरी रही है। विपक्ष को पुनर्जनन की आवश्यकता है–शायद ममता के नेतृत्व में नया आक्रमक रुख या कांग्रेस का पुनरुद्धार। यह चुनाव सिद्ध करता है कि स्थानीय मुद्दे राष्ट्रीय एजेंडे को परिभाषित करते हैं। बंगाल ने साबित कर दिया कि परिवर्तन अपरिहार्य है, और लोकतंत्र में जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है। यह जीत न केवल बीजेपी की रणनीतिक विजय है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक है।
~~~~~~~~~

क्या आप भी घर के आंगन को देना चाहती है खूबसूरत लुक, तो इन बेकार चीजों का इस तरह करें इस्तेमाल

हर कोई अपने घर को सुंदर बनाना चाहता है। ऐसे में घर को खूबसूरत बनाने के लिए हर छोटी-छोटी बात का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अगर आप भी अपने घर के आंगन को आकर्षक बनाना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप घर के उस हिस्से को सजा सकते हैं जहां सबसे ज्यादा लोग आते-जाते हैं।

अपने यार्ड को ऐसे बनाएं खूबसूरत

आंगन घर की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसे खूबसूरत बनाने के लिए आप कई तरह के पौधे, फूल और सजावटी सामान का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले आप किसी भी दुकान या नर्सरी से रंग-बिरंगे फूलों के गमले लाकर अपने घर के आंगन में रख सकते हैं। आजकल बाजार में सजावट के लिए भी एक से एक पौधे आसानी से उपलब्ध हैं।

दीवारों पर बेलें लगाएँ

आप आंगन की दीवारों को सुंदर बनाने के लिए मनी प्लांट, मोगरा जैसी कई सुगंधित लताएं लगा सकते हैं। इससे आंगन की दीवारें चमक उठेंगी। आप आंगन के बाहर बाउंड्री पर नींबू, संतरा या आम जैसे छोटे पेड़ लगा सकते हैं। यह पेड़ आपके यार्ड को हरा-भरा बना देगा और घर आने वाले सभी मेहमान आपके यार्ड की तारीफ करने लगेंगे।

आँगन में एक सुन्दर झूला लगाओ

इतना ही नहीं, आप अपने यार्ड में एक छोटा सा फव्वारा भी स्थापित कर सकते हैं। यह आपके घर में शांति और सुन्दरता ला सकता है। इसके अलावा आप आंगन में छोटा सा सुंदर झूला या बेंच लगा सकते हैं ताकि आप शांति से बैठ सकें या झूले में झूलकर प्रकृति का आनंद ले सकें। यहां बैठने से आपको आराम मिलेगा।

बांस की छड़ियों का उपयोग करें

आप शाम के समय अपने आँगन में रोशनी या लैंप का उपयोग कर सकते हैं। इससे पूरा प्रांगण रोशन हो जाएगा। आप अपने आँगन को पत्थरों से सजा सकते हैं। इसके अलावा, सजावट के लिए भी बांस की छड़ियों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

प्रतिदिन यार्ड साफ करें

इन सभी सुझावों के अलावा आपको अपने यार्ड को रोजाना साफ करना चाहिए और पौधों को पानी देना चाहिए। यदि आप ऐसा करेंगे तो आपका यार्ड हरा-भरा और सुंदर दिखेगा। ये सभी टिप्स आपके यार्ड को सुंदर बनाने में आपकी मदद करेंगे।

घर को मिलेगा अमीरों वाला रॉयल लुक, इन 4 ट्रिक्स से हमेशा साफ-सुथरा दिखेगा हर कोना

हर किसी का सपना होता है कि उसका घर न केवल आरामदायक हो, बल्कि उसका लुक भी रॉयल और शानदार हो। खासकर जब बात सफाई और सजा-संवारा की हो, तो यह महत्वपूर्ण होता है कि घर का हर कोना हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित दिखे। हालांकि, घर को हमेशा एक रॉयल लुक देना और उसे अच्छे से सजाना उतना कठिन भी नहीं है। कुछ आसान और प्रभावी ट्रिक्स के जरिए आप भी अपने घर को अमीरों जैसा दिखा सकते हैं। आइए जानते हैं उन 4 खास ट्रिक्स के बारे में, जो आपके घर को हमेशा साफ-सुथरा और शानदार बनाए रखेंगी।

1. फर्नीचर की व्यवस्था और डिजाइन

घर के फर्नीचर की सही व्यवस्था और चयन रॉयल लुक पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ बुनियादी फर्नीचर डिजाइनों को ध्यान में रखकर आप घर को रॉयल बना सकते हैं। जैसे :

क्लासिक और स्लीक फर्नीचर : अमीर घरों में हमेशा क्लासिक, एंटीक और स्लीक डिज़ाइन का फर्नीचर होता है। इसके लिए आप अपनी लाइविंग रूम में लकड़ी के सुरुचिपूर्ण सोफा सेट या मेटल और ग्लास के संयोजन वाले टेबल का चुनाव कर सकते हैं।

साफ-सुथरी व्यवस्था : फर्नीचर की व्यवस्था इस तरह करें कि घर में हवा का सही संचार हो और कमरे की विशालता बनी रहे। फर्नीचर का ओवरलोडिंग न करें और हर सामान को उसकी जगह पर व्यवस्थित रखें।

2. साफ-सफाई का ध्यान रखें

अमीर लोग हमेशा अपने घर की सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं। घर को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना रॉयल लुक में एक अहम योगदान देता है। कुछ टिप्स :

डेली क्लीनिंग रूटीन : घर के हर हिस्से को रोज़ाना साफ करने की आदत डालें। फ्लोर को अच्छे से धोने के लिए एक अच्छा क्लीनर इस्तेमाल करें और वाइप से टेबल, काउंटर और गद्दे साफ करें।

धूल-मिट्टी से बचाव : खिड़कियों और दरवाजों के पर्दों को नियमित रूप से धोएं ताकि धूल-मिट्टी का जमाव न हो। एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल भी कमरे को ताजगी से भर देता है।

3. हाई-एंड डेकोर और एक्सेसरीज़

रॉयल लुक पाने के लिए, घर में सही डेकोर और एक्सेसरीज़ का होना जरूरी है। कुछ महत्वपूर्ण चीजों का ध्यान रखें :

आर्ट पीस और वॉल पेंटिंग : दीवारों पर पेंटिंग या आर्ट पीस लगाना घर को रॉयल लुक देता है। अमीर घरों में अक्सर महंगे और अनोखे आर्टवर्क होते हैं, जिन्हें देखकर ही घर की भव्यता का अहसास होता है।

लक्ज़री लाइटिंग : अच्छे और भव्य लाइटिंग से घर की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। आप सोने के रंग के झूमर, क्रिस्टल लाइट्स या महंगे चांदी के लैंप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

विंटर कुशन और थ्रो : सोफे पर रंग-बिरंगे, मुलायम और लक्ज़री फैब्रिक के कुशन और थ्रो रखें। यह न केवल सोफे को और आकर्षक बनाता है, बल्कि घर को भी रॉयल और आरामदायक लुक देता है।

4. रंगों का चुनाव और व्यवस्था

घर में सही रंगों का चुनाव भी उसकी सफाई और रॉयल लुक को बेहतर बना सकता है। अमीर घरों में रंगों का चयन बेहद ध्यान से किया जाता है, क्योंकि यह कमरे की खूबसूरती और शांति को बढ़ाता है।

लाइट और न्यूट्रल शेड्स : रॉयल लुक के लिए हलके रंग जैसे क्रीम, बेज, सफेद, हल्के गुलाबी या आइलिवन पिंक का चुनाव करें। इन रंगों से घर की जगह खुली और रोशन दिखेगी। इसके अलावा, डार्क टोन जैसे डार्क ग्रीन या ब्लू भी रॉयल लुक के लिए बेहतरीन होते हैं।

कलर्ड ऐक्सेंट्स : कमरे में थोड़े-बहुत रंग के ऐक्सेंट्स जैसे सजावटी वस्त्र, कुशन या दीवारों पर पेंटिंग्स भी रॉयल लुक को हाईलाइट करते हैं। इनसे कमरे की सुंदरता और विविधता में इजाफा होता है।

इन ट्रिक्स को अपनाकर आप अपने घर को एक रॉयल और क्लासी लुक दे सकते हैं, जो न केवल आपको बल्कि आपके मेहमानों को भी प्रभावित करेगा। सही फर्नीचर, अच्छी सफाई, खूबसूरत डेकोर और उपयुक्त रंगों के साथ, आपका घर हमेशा साफ-सुथरा और शानदार नजर आएगा। तो, तैयार हो जाइए अपने घर को अमीरों जैसा बनाने के लिए और उसे हर दिन रॉयल लुक में सजाने के लिए!

क्या आप जानते हैं रोज 5 मिनट अनुलोम विलोम करने से क्या होता है? सेहतमंद बीतेगी जिंदगी, ऐसे करें अभ्यास

स्वस्थ रहने के लिए सभी स्वास्थ्य विशेषज्ञ उचित आहार के साथ-साथ योग और व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देते हैं। अक्सर लोग यह सोचकर योग और व्यायाम से बचते हैं कि यह बहुत कठिन है या इसमें बहुत समय लगेगा। लेकिन, ऐसा बिल्कुल नहीं है। योग और प्राणायाम शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। अनुलोम-विलोम और कपालभाति प्राणायाम सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। क्या आप जानते हैं कि रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से क्या फायदा होता है और इसे करने का सही तरीका क्या है, आइए विशेषज्ञ से जानते हैं। योग विशेषज्ञ नताशा कपूर इस बारे में जानकारी दे रही हैं। वह एक प्रमाणित योग शिक्षिका हैं।

अगर आप रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करते हैं तो क्या होता है?

रोजाना 5 मिनट तक अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से मन शांत होता है। इससे तनाव दूर होता है और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है. जिन लोगों का पाचन तंत्र खराब है, उन्हें रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करना चाहिए।

कपालभाति प्राणायाम एसिडिटी, गैस और कब्ज को दूर करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

यह एकाग्रता और स्मरण शक्ति में सुधार करता है तथा चिंता से राहत देता है।

रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम करने से भी बीपी नियंत्रित रहता है। अगर आपका बीपी हाई रहता है तो आपको कपालभाति के बाद अनुलोम-विलोम जरूर करना चाहिए।

कपालभाति प्राणायाम करने से भी पेट की चर्बी कम होती है।

रोजाना 5 मिनट कपालभाति और अनुलोम-विलोम करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और चेहरे पर चमक आती है। इससे वजन भी कम होता है।

अगर आपको अच्छी नींद नहीं आती, शरीर हमेशा थका रहता है और मन शांत नहीं रहता तो ये दो प्राणायाम 5 मिनट तक करें।

रोजाना 5 मिनट कपालभाति और अनुलोम-विलोम करने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और फेफड़ों और हृदय का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

उलटने का सही तरीका

इस प्राणायाम को करने के लिए आपको एक शांत जगह पर बैठना होगा।

आप इसे फर्श पर बैठकर या योग मैट के साथ बिस्तर पर बैठकर भी कर सकते हैं।

आपको इसे सुखासन या पद्मासन में बैठकर करना होगा।

यह करने के लिए बहुत आसान है।

सबसे पहले आपको अपने दाहिने अंगूठे को अपने दाहिने नथुने पर रखना होगा।

इसके बाद आपको दूसरे नथुने यानि बायें नथुने से सांस लेनी है।

सांस लेते समय इस नथुने को बंद कर लें और अपने अंगूठे को दाएं नथुने से हटाकर सांस छोड़ें।

अब केवल दाहिने नथुने से ही श्वास लें।

आपको इसे बायीं नासिका से बाहर निकालना होगा।

इस प्रक्रिया को इस प्रकार दोहराएँ।

याद रखें कि आपको उसी नथुने से दोबारा सांस लेनी है जिससे आपने सांस छोड़ी थी।

कपालभाति करने का सही तरीका

इस प्राणायाम को करने के लिए आपको सुखासन में बैठना होगा।

अपनी रीढ़ सीधी रखें.

पेट को ढीला छोड़ दें।

अब आपको तेजी से सांस बाहर छोड़नी है।

ऐसा करते समय आपका पेट अंदर की ओर खिंचना चाहिए और पेट पर दबाव महसूस होना चाहिए।

इसे कुछ समय तक दोहराएँ।

रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से आपको ये फायदे मिल सकते हैं। अगर आपको कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या है तो हमें लेख के ऊपर कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने लेखों के माध्यम से आपकी समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे।

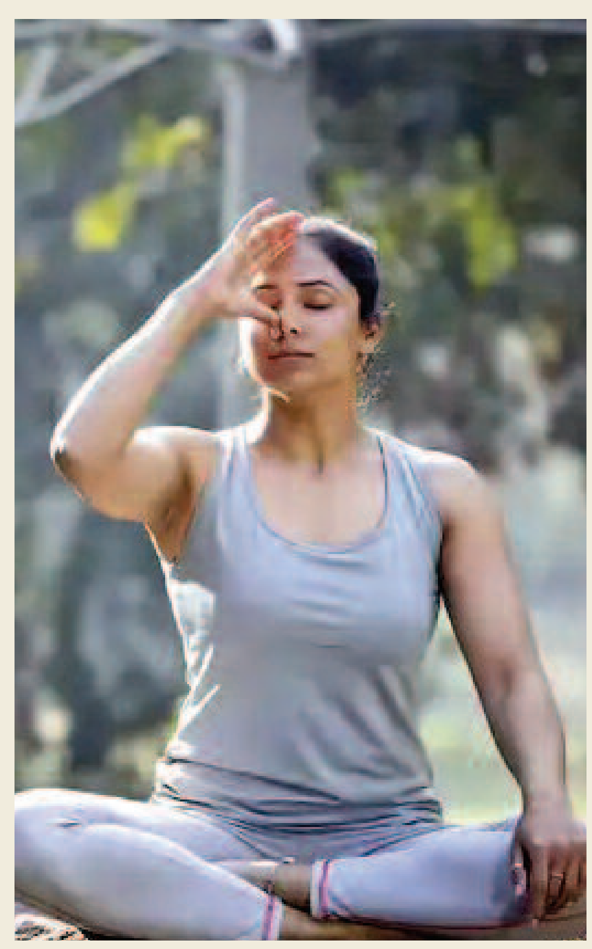

गर्मी में बर्फ की तरह पिघलेगी पेट और जांघों की चर्बी

डाइट में सिर्फ इन 5 फूड्स को कर लें शामिल

महिलाएं घर और बाहर की जिम्मेदारियों में इतनी व्यस्त रहती हैं कि वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख पातीं। इसके अलावा, लंबे समय तक बैठे रहने से शारीरिक गतिविधियां भी कम हो रही हैं। इन कारणों से शरीर का वजन और चर्बी बढ़ने लगती है। शरीर की चर्बी न सिर्फ पर्सनालिटी खराब करती है, बल्कि कई तरह की समस्याएं भी पैदा करती है।

मोटापे के कारण शरीर में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, गठिया, स्ट्रोक जैसी कई बीमारियां घर करने लगती हैं। ऐसे में अपने खान-पान और जीवनशैली में जरूरी बदलाव करना बेहद जरूरी है। इसके लिए रोजाना व्यायाम करना जरूरी है। हालांकि, कभी-कभी महिलाओं के लिए घर और ऑफिस के काम के बीच जिम जाने और व्यायाम करने के लिए समय निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में ऐसे व्यायामों की जरूरत है, जो आसानी से और कम समय में किए जा सकें।

हम आपके लिए 4 ऐसी एक्सरसाइज लेकर आए हैं, जिन्हें करने के लिए आपको जिम जाने की भी जरूरत नहीं है, बल्कि आप घर पर ही थोड़ा-बहुत कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस एक दीवार की जरूरत है। आप ये व्यायाम दीवार के सहारे खड़े होकर आसानी से कर सकते हैं। फिटनेस एक्सपर्ट जूही कपूर हमें इनके बारे में बता रही हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपने अभी-अभी फिटनेस पर ध्यान देना शुरू किया है और आप आसान एक्सरसाइज की तलाश में हैं, तो आप दीवार के सहारे कुछ एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे आपको कई फायदे मिलते हैं। यह शरीर की कई मांसपेशियों पर काम करता है। इससे संतुलन और मुद्रा में सुधार होता है और पैर, हाथ और पेट की चर्बी कम होती है। इन एक्सरसाइज को रोजाना करने से शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है। इसके अलावा यह फैट बर्न करने और पूरे शरीर को टोन करने में मदद करता है।

दीवार पर मार्च

यह एक बहुत ही आसान और प्रभावी व्यायाम है जिसे आप घर पर दीवार की मदद से कर सकते हैं। यह पूरे शरीर को सक्रिय करता है और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह एक कार्डियो व्यायाम है जो हृदय गति को बढ़ाता है और पैरों, जांघों और ग्लूट्स को मजबूत करता है।

दीवार मार्चिंग के चरण

इसे करने के लिए दीवार की ओर मुंह करके अपने पैरों को थोड़ा अलग रखकर खड़े हो जाएं।

अपने दोनों हाथ सीधे दीवार पर रखें।

फिर उसी स्थान पर खड़े होकर बारी-बारी से पैरों को छाती की ओर ऊपर उठाएं, जैसे कि आप मार्च कर रहे हों।

इस व्यायाम को 50 बार दोहराएँ।

दीवार मोड़

यह व्यायाम करना थोड़ा कठिन है, लेकिन इसे रोजाना करने से आप पूरे शरीर की चर्बी कम कर सकते हैं। इसके अलावा, यह व्यायाम कमर की मांसपेशियों को मजबूत करता है, रीढ़ को लचीला बनाता है, पाचन में सुधार करता है और तनाव को कम करता है।

दीवार मोड़ने के चरण

इस व्यायाम को करने के लिए दीवार के पास खड़े हो जाएं।

अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई तक खोलें।

दोनों हाथ दीवार पर रखें।

कमर से शरीर को दाएं से बाएं ओर घुमाएं, जैसे आप कुर्सी घुमा रहे हों।

यह व्यायाम दूसरी तरफ से भी करें।

व्यायाम करते समय सांस अंदर और बाहर लें।

यह व्यायाम 50 बार करें।

दीवार पर उकड़ूँ बैठना

यह एक ऐसा व्यायाम है, जो न केवल आपके पैरों, जांघों और कूल्हों को मजबूत बनाता है, बल्कि पूरे शरीर को टोन करने में भी मदद करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ऐसा करने से अधिक कैलोरी बर्न होती है और मेटाबोलिज्म भी बढ़ता है। इसके अलावा यह तनाव को भी कम करता है।

परिधान रिटेल सेक्टर में आई तेजी, मार्च तिमाही में दिखा मजबूत उछाल

वैल्यू फैशन सेगमेंट में दिखी खास मजबूती, लिस्टेड कंपनियों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

दिसंबर तिमाही की सुस्ती को पीछे छोड़ते हुए भारतीय परिधान रिटेल क्षेत्र ने मार्च तिमाही में फिर से रफ्तार पकड़ ली है। स्टोरों से होने वाली बिक्री में बढ़ोतरी और नए स्टोर खोलने की तेज गति ने इस क्षेत्र को जबरदस्त मदद दी है। खास तौर पर वैल्यू फैशन कैटेगरी में यह रिकवरी ज्यादा मजबूत दिख रही है, जहां सूचीबद्ध कंपनियों ने पिछले एक महीने में निफ्टी 50 से तीन गुना अधिक रिटर्न दिया है। जेएम फाइनैंशियल रिसर्च के अनुसार कपड़ों के सेक्टर, खासकर वैल्यू फैशन में बड़े पैमाने पर रिकवरी देखने को मिल रही है। यह रिकवरी तीसरी तिमाही के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आई है, जो त्योहारों के दूसरी तिमाही में होने से प्रभावित हुई थी। ज्यादातर परिधान रिटेलरों ने तीसरी तिमाही में बिक्री में गिरावट या 2 प्रतिशत से भी कम वृद्धि दर्ज की थी। हालांकि, चौथी तिमाही में औसतन मध्यम-एक अंक या उससे अधिक वृद्धि की उम्मीद है। जीएसटी दरों में कटौती, आयकर दरों में कमी और कम ब्याज दरों जैसे व्यापक उपभोक्ता खुदरा कारकों से मांग में बहाली के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज को उम्मीद है कि परिधान क्षेत्र चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि दर्ज करेगा, जिसमें वैल्यू अपैरल रिटेलरों का प्रदर्शन प्रीमियम रिटेलरों से बेहतर रहेगा। वी-मार्ट के तिमाही-पूर्व अपडेट ने चौथी तिमाही में कंपनी के राजस्व में सालाना आधार पर 24.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी का संकेत दिया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने नए स्टोर खोलने के लक्ष्य को पार करते हुए कुल 80 स्टोर तक अपनी संख्या बढ़ाई है, जो वित्त वर्ष 2025 में 53 थी। ऐंटीक स्टॉक ब्रोकिंग ने वी-मार्ट में सेम स्टोर सेल्स ग्रोथ में सुधार और लगातार दो अंकों की राजस्व वृद्धि देखी है, जिसकी मुख्य वजह स्टोर विस्तार और अधिग्रहण में सुधार है। उन्होंने 842 रुपये के संशोधित कीमत लक्ष्य के साथ इस शेयर को खरीदने की सलाह दी है।

वारी एनर्जीज का विदेशी राजस्व 20 प्रतिशत गिरा, मार्जिन पर दबाव

पश्चिम एशिया संकट से निर्यात प्रभावित, महंगी धातुओं ने मार्जिन घटाया

नई दिल्ली ।

वारी एनर्जीज को वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पश्चिम एशिया संकट से विदेशी बाजारों से प्राप्त राजस्व करीब 20 प्रतिशत गिरा, जबकि महंगी कमोडिटी कीमतों ने मार्जिन पर दबाव डाला। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट से खेपों में देरी हुई और स्टॉक बढ़ गया। इससे कंपनी को कम महंगे बाजारों में निर्यात करना पड़ा, जिससे राजस्व मिश्रण बिगड़ गया। विदेशी प्रीमियम बाजार ने पिछली तिमाही में कुल राजस्व में 32.6 प्रतिशत का योगदान दिया था। तिमाही में कंपनी का मार्जिन घटकर 18.6 प्रतिशत रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में 23 प्रतिशत था। मार्जिन में गिरावट का मुख्य कारण चांदी, तांबे और एल्युमीनियम जैसी कमोडिटी की रिकॉर्ड उच्च कीमतें रहीं। चांदी की कीमतों ने सेल लागत पर भारी असर डाला। गैस की कमी ने कांच की कीमतों को भी प्रभावित किया। इन चुनौतियों के बावजूद, वारी एनर्जीज अगले दो वर्षों में 30,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च करेगी। यह निवेश बैटरी ऊर्जा भंडारण, इंगट-वेफर, सेल और ग्लास विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 356 , निफ्टी 121 अंक उछला

मुंबइ । घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इसके अलावा मध्य पूर्व में तनाव कम होने से भी बाजार उछला है। बंगाल और असम में चुनाव परिणामें में भाजपा की जीत से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 355.90 अंक बढ़कर 77,269.40 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 121.75 अंक बढ़कर 24,119.30 पर बंद हुआ। व्यापक बाजारों में भी तेजी रही। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.70 फीसदी और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.63 फीसदी की बढ़त रही।। वहीं निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल ने बेंचमार्क इंडेक्स में करीब 2.41 फीसदी और 1.09 फीसदी की तेजी रही। वहीं, निफ्टी आईटी और निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी में अदाणी पोर्ट्स के शेयर उछले, इसके अलावा आयशर मोटर के शेयरों में 3.11 प्रतिशत की तेजी आई।

इसके अलावा, अदाणी इंटरप्राइजेज, श्रीराम फाइनेंस, एचयूएल, एलएंडटी, मैक्स हेल्थ, ग्रासिम, इटरनल और सिप्ला के शेयरों में भी बढ़त रही जबकि कोटक बैंक, भारती एयरटेल, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, ओएनजीसी, टीसीएस, इंडिगो, इंफोसिस और आईटीसी के शेयरों में गिरावट आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऑपरेशन फ्रीडम की घोषणा से बेंट ब्रेंट क्रूड की कीमतें 2.45 फीसदी तक गिरीं। आज एशियाई बाजारों में बढ़त रही जबकि अमेरिकी शेयर बाजार में मिश्रित रुख रहा, जिसमें एसएंडपी 500 और नैस्डैक ने रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार किया। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 621.31 अंक चढ़कर 77,534.81 के स्तर पर पहुंच गया, जो निवेशकों के मजबूत भरोसे को दर्शाता है।

डीमार्ट के शेयर 4 फीसदी गिरे, मिश्रित तिमाही नतीजों का दिखा असर

नई दिल्ली ।

रिटेल दिग्गज एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) के शेयर 4 मई को 4 फीसदी गिरावट के साथ 4,407 रुपए पर आ गए। मार्च तिमाही के मिश्रित नतीजों ने बाजार को प्रभावित किया, जहां कंपनी का शुद्ध मुनाफा 656.6 करोड़ रुपए रहा, जो विश्लेषकों के 680 करोड़ रुपए के अनुमान से कम था। हालांकि डीमार्ट का परिचालन प्रदर्शन मजबूत दिखा। राजस्व 18.9 फीसदी बढ़कर 17,683.9 करोड़ रुपए और ऐ बि टा 26.7 फीसदी बढ़कर 1,210.5 करोड़ रुपए रहा, जो अनुमान से अधिक था। यह कंपनी के बेहतर परिचालन और मार्जिन में सुधार को दर्शाता है। शुरुआती गिरावट के बावजूद डीमार्ट का शेयर पिछले एक साल में 10.4 फीसदी ऊपर है।

टाटा समूह में लिस्टिंग पर मतभेद के बीच ट्रस्ट प्रतिनिधियों की होगी समीक्षा

8 मई की बैठक में होगा फैसला, टाटा संस को सूचीबद्ध करने पर अलग-अलग राय से तनाव

मुंबई ।

टाटा समूह में नियंत्रण और रणनीति को लेकर एक महत्वपूर्ण मोड़ आ गया है। टाटा ट्रस्ट्स 8 मई को होने वाली अपनी बैठक में टाटा संस के निदेशक मंडल में अपने प्रतिनिधियों की भूमिका की गहन समीक्षा करने जा रहा है। कुछ प्रतिनिधियों के सार्वजनिक रूप से टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने का समर्थन करने के बाद यह कदम उठाया गया है, जबकि ट्रस्ट के भीतर एक बड़ा धड़ा इसे निजी ही बनाए रखने के पक्ष में है। जानकारी के अनुसार ट्रस्ट के उपाध्यक्ष वेनु श्रीनिवासन और विजय सिंह जैसे सदस्यों द्वारा सूचीबद्धता के पक्ष में दिए गए हालिया बयान चर्चा का विषय बने हुए हैं। जबकि ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा के नेतृत्व में अधिकांश सदस्य कंपनी को निजी ही बनाए रखने के पक्षधर हैं। ट्रस्ट अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उसके नामित सदस्य उसकी मौजूदा सोच और रणनीति के अनुरूप हों। पिछले साल विजय सिंह को टाटा संस के बोर्ड में दोबारा जगह न मिलने के बाद अब वेनु श्रीनिवासन की स्थिति पर भी संशय बना हुआ है। जानकारों का मानना है कि इन बदलावों का टाटा समूह की भविष्य की रणनीति और नेतृत्व पर गहरा असर पड़ सकता है। बैठक में एक स्थायी ट्रस्टी से जुड़ी शिकायत पर भी विचार हो सकता है, जो आंतरिक समीक्षा की गंभीरता को दर्शाता है। यह बैठक समूह के भविष्य की दिशा तय करने में

निजी बैंकों का थोक ऋण पर जोर, बैंक 27 में रिकवरी की कर रहे उम्मीद

बैंकों ने कॉर्पोरेट उधार में अतिरिक्त निवेश करना पसंद किया

नई दिल्ली ।

वित्तीय वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में निजी क्षेत्र के बड़े बैंकों ने अपनी ऋण वृद्धि को गति देने के लिए कॉर्पोरेट और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण देने पर जबरदस्त भरोसा जताया है। इस अवधि में खुदरा ऋणों में धीमी, एकल अंक की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे बैंकों को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा। हालांकि, बैंक वित्त वर्ष 2027 में खुदरा ऋण में तेजी आने की उम्मीद कर रहे हैं, जिससे उनके बही खाते में सार्थक वृद्धि होने की संभावना है। पश्चिमी एशिया में तनाव के बावजूद, अर्थव्यवस्था के विशिष्ट क्षेत्र जैसे डेटा सेंटर, हरित ऊर्जा और रक्षा के साथ-साथ कुछ बड़े औद्योगिक समूह मजबूत प्रदर्शन कर रहे हैं। बॉन्ड बाजार में अपेक्षाकृत महंगी स्थितियों ने भी कंपनियों को बैंकों से ऋण लेने के लिए प्रेरित किया है, जिससे बड़े बैंकों को इन क्षेत्रों में ग्राहक संबंधों का लाभ उठाते हुए ऋण वितरण में बड़ा हिस्सा मिल रहा है। बैंकों ने कॉर्पोरेट उधार में अतिरिक्त निवेश करना पसंद किया। खुदरा मोर्चे पर, ऋण वितरण वृद्धि मजबूत बनी हुई है, लेकिन इसका असर बही खाते पर दिखने में आमतौर पर दो से तीन तिमाही लगती हैं। पहले, ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के कारण उच्च लागत वाले ऋणों को पुनर्वित्त कराने का चलन था, जिससे बकाया राशि में वृद्धि दिखती थी। अब जब ब्याज दरें स्थिर हैं, पुनर्वित्त कम हो रहा है, और वितरण पाइपलाइन सीधे ऋण विस्तार में अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। देश के तीन

सबसे बड़े निजी बैंकों ने इस प्रवृत्ति को दर्शाया। एचडीएफसी बैंक ने खुदरा बही खाते में केवल 6.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जबकि इसके छोटे और मध्यम बाजार खंड में 17.2 फीसदी और कॉर्पोरेट उधार में 13 फीसदी की वृद्धि हुई। एक्सिस बैंक में खुदरा वृद्धि 8 फीसदी रही, जबकि एसएमई ऋण में 24 फीसदी और कॉर्पोरेट ऋण में 38 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि हुई। आईसीआईसीआई बैंक की खुदरा बही खाता वृद्धि 9.5 फीसदी बढ़ी, लेकिन यह उसके बिजनेस बैंकिंग और ग्रामीण पोर्टफोलियो से काफी कम थी। एक्सिस बैंक के एक अे धिकारी ने भी थोक बैंकिंग में मजबूत अवसरों की पुष्टि की, जबकि खुदरा वितरण की मजबूती पर जोर दिया, जिसका प्रभाव धीरे-धीरे बही खाते पर दिखेगा। कुल मिलाकर, निजी बैंक फिलहाल कॉर्पोरेट और एमएसएमई क्षेत्रों पर अपनी वृद्धि के लिए निर्भर कर रहे हैं, जबकि खुदरा बाजार में भविष्य की तेजी का इंतजार कर रहे हैं।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय विनिर्माण में चमक, पर महंगाई का दबाव बढ़ा

- अप्रैल में खरीद प्रबंधक सूचकांक 54.7 पहुंचा, परिचालन स्थितियों में सुस्ती और बढ़ी लागत से चुनौतियां

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद अप्रैल माह में भारतीय विनिर्माण गतिविधियों ने अपनी गति बनाए रखी है। एचएसबीसी द्वारा जारी खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च के 53.9 से बढ़कर अप्रैल में 54.7 पर पहुंच गया, जो क्षेत्र में लगातार विस्तार का संकेत है। हालांकि, इसी अवधि में परिचालन परिस्थितियों में पिछले चार सालों की दूसरी सबसे सुस्त वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे बढ़ती लागत और मुद्रास्फीति का दबाव स्पष्ट दिख रहा है। रिपोर्ट के अनुसार उत्पादन, निर्यात सहित नए ऑर्डर और रोजगार में अप्रैल माह में वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनियों के प्रबंधकों ने विज्ञापन और मजबूत मांग को बिक्री और उत्पादन में वृद्धि का कारण बताया। विदेशों से नए ऑर्डर में भी सात महीने की सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जापान, चीन और खाड़ी देशों से महत्वपूर्ण योगदान मिला। हालांकि एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पीएमआई में बढ़ोतरी के बावजूद परिचालन परिस्थितियों में सबसे सुस्त वृद्धि दर्ज हुई है। पश्चिम एशिया संकट का असर अब स्पष्ट रूप से मुद्रास्फीति पर दिख रहा है। लागत अगस्त 2022 के बाद सबसे तेजी से बढ़ी है, वहीं उत्पादों की कीमतें पिछले छह महीने में उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। एल्यूमीनियम, रसायन, ईंधन और पेट्रोलियम उत्पादों सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से कंपनियों पर लागत का बोझ बढ़ा है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि नए ऑर्डर और उत्पादन में

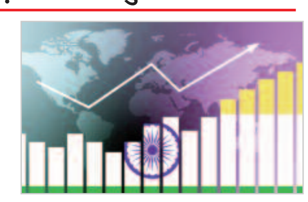

वृद्धि हुई है, लेकिन इसकी रफ्तार कम से कम साढ़े तीन साल में सबसे धीमी रही है। कुल मिलाकर मुद्रास्फीति की दर अगस्त 2022 के बाद के उच्चतम स्तर पर रही, जिसके कारण विनिर्माताओं को अपने उत्पादों के दाम में बढ़ोतरी करनी पड़ी। हालांकि, उपभोक्ता उत्पाद एकमात्र उपवर्ग रहा जहां कीमतों में कमी आई।

पीपीएफ खाता निष्क्रिय? घबराएं नहीं, ऐसे करें दोबारा एक्टिवेट

आपका पैसा सुरक्षित, लेकिन सुविधाओं के लिए जरूरी है सक्रिय करना

नई दिल्ली ।

अगर आप भी अपने पब्लिक प्रोविडेंट फंड खाते में सालाना न्यूनतम 500 रुपये जमा करना भूल गए हैं और आपका खाता निष्क्रिय हो गया है, तो चिंता न करें। आपका निवेश सुरक्षित है और इसे दोबारा सक्रिय करना बेहद आसान है, ताकि आप सभी सुविधाओं का लाभ उठा सकें। पीपीएफ नियमों के तहत हर वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 500 रुपये जमा करना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर खाता निष्क्रिय हो जाता है। अच्छी खबर यह है कि निष्क्रिय होने के बावजूद आपके जमा पैसे पर ब्याज मिलता रहता है, क्योंकि यह सरकारी गारंटी वाली योजना है। हालांकि, आप लोन या आंशिक निकासी जैसी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। खाता दोबारा सक्रिय करने के लिए आपको बैंक या पोस्ट ऑफिस जाकर एक लिखित आवेदन देना होगा। साथ ही प्रत्येक निष्क्रिय वर्ष के लिए 50 रुपये का जुर्माना और 500 रुपये का न्यूनतम निवेश जमा करना होगा। उदाहरण के लिए, 2 साल के बंद खाते के लिए आपको 100 रुपये जुर्माना और 1000 रुपये बकाया निवेश जमा करने होंगे। यह प्रक्रिया फिलहाल ऑनलाइन उपलब्ध नहीं है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज़ का 2031 तक 5 लाख करोड़ मार्केट कैप का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

- नई कॉर्पोरेट पहचान, क्राफ्टिंग टुमॉरो उद्देश्य और ईएसजी प्रतिबद्धताओं पर ज़ोर

मुंबई।

भारत के पुराने व्यापारिक घरानों में से एक, गोदरेज इंडस्ट्रीज़ ग्रुप (जीआईजी) ने 2031 तक 5,00,000 करोड़ रुपये से अधिक मार्केट कैप हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। मुंबई में, समूह ने अपनी भविष्य की रणनीतियों और नई कॉर्पोरेट पहचान का अनावरण किया। ग्रुप अगले सात वर्षों में 15 फीसदी से अधिक वार्षिक बिक्री वृद्धि और 20 फीसदी से अधिक प्रति शेयर आय वृद्धि का लक्ष्य रखता है। इसके लिए सूचीबद्ध कंपनियों की संख्या तीन से बढ़ाकर पाँच की जाएगी, साथ ही प्रत्येक कंपनी का लक्ष्य इक्विटी पर 18 फीसदी से अधिक रिटर्न देना होगा। रणनीतिक बदलाव के तहत जीआईजी ने निवेशकों हेतु नई कॉर्पोरेट जीआई पहचान पेश की है, जो गोदरेज के उपभोक्ता लोगो की जगह नहीं लेगी। क्राफ्टिंग टुमॉरो सिंस 1897 के नए उद्देश्य के साथ, समूह द गोदरेज वे के मूल्यों - प्रदर्शन, लोग और ग्रह (पर्यावरण) पर ज़ोर देता है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज़ ने 2035 तक नेट-ज़ीरो परिचालन और 2047 तक ग्रह-हितैषी आपूर्ति श्रृंखला का लक्ष्य रखा है। अगले पांच वर्षों में, समूह में महिलाओं, एलजीबीटीक्यू प्लस और दिव्यांगजनों का 40 फीसदी प्रतिनिधित्व हासिल करने की भी योजना है, जो समावेशी कार्य संस्कृति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बजाज ऑटो की बिक्री अप्रैल में 40 फीसदी बढ़कर हुई 5,13,792 इकाई

नई दिल्ली।

बजाज ऑटो लिमिटेड की अप्रैल में कुल बिक्री 40 प्रतिशत बढ़कर 5,13,792 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 3,65,810 इकाई थी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 2,48,210 इकाई हो गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 2,20,615 इकाई थी।निर्यात में 83 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज हुई और यह 2,65,582 इकाई रहा। अप्रैल 2025 में यह 1,45,195 इकाई रहा था। घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 2,10,063 इकाई हो गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 1,88,615 इकाई थी। दोपहिया वाहनों का निर्यात 78 प्रतिशत बढ़कर 2,29,890 इकाई हो गया जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में

1,29,322 इकाई था। कंपनी ने बताया कि वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री अप्रैल 2026 में 54 प्रतिशत बढ़कर 73,839 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष इसी महीने में 47,873 इकाई थी।

ट्रंप की प्रोजेक्ट फ्रीडम से एशियाई बाजारों में सकारात्मक शुरुआत

दक्षिण कोरियाई सूचकांक रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई ।

एशियाई शेयर बाजारों ने सप्ताह की शुरुआत मजबूत सकारात्मक रुख के साथ की, जिसमें दक्षिण कोरियाई सूचकांक ने नया रिकॉर्ड स्तर छुआ।

निवेशक जहां वैश्विक हालात पर करीब से नजर बनाए हुए हैं, वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित प्रोजेक्ट फ्रीडम ने उन्हें कुछ राहत प्रदान की है।

यह पहल अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाई गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रोजेक्ट फ्रीडम घोषणा में होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का अहम मार्ग है, में गैर-संबद्ध देशों के नागरिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अमेरिकी युद्धपोतों, विमानों और हजारों सैनिकों की तैनाती शामिल है।

जानकारों का मानना है कि इस रणनीतिक कदम से अमेरिका-ईरान तनाव के कारण वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति पर पड़ रहे दबाव को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा।

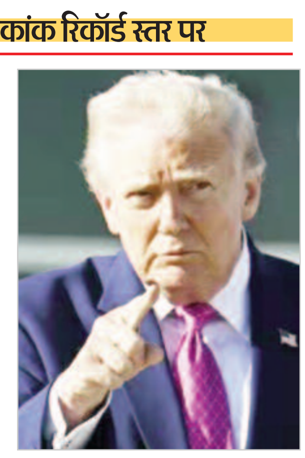

बाजारों में, दक्षिण कोरिया की रिकॉर्ड बढ़त के अलावा, भारत और हांगकांग के सूचकांक भी मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में हल्की गिरावट दर्ज की गई, जबकि जापान और चीन के बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद रहे।

कच्चे तेल की कीमतें शुरुआती कारोबार में लगभग स्थिर रहीं, जिससे निवेशकों की सतर्कता का पता चलता है। विशेषज्ञों ने आने वाले दिनों में वैश्विक राजनीति, खासकर अमेरिका-ईरान संबंधों और तेल कीमतों पर पैनी नजर रखने की सलाह दी है, क्योंकि ये कारक बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

अदाणी के पक्ष में फैसला, एनसीएलएटी ने वेदांता की जेएएल चुनौती खारिज की

ऋणदाताओं की समिति के व्यावसायिक निर्णय को कायम रखा

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सोमवार को अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण के पक्ष में फैसला सुनाया है। एनसीएलएटी ने वेदांता लिमिटेड की उन दो याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें अदाणी की सफल बोली को चुनौती दी गई थी। न्यायालय की दो-सदस्यीय पीठ ने कहा कि अपील में कोई दम नहीं है और निर्णायक प्राधिकरण (एनसीएलटी) के निर्णय में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के निर्णय को विभिन्न समाधान योजनाओं के समग्र मूल्यांकन और उनकी व्यावसायिक समझ पर आधारित बताया। एनसीएलएटी ने यह भी कहा कि समाधान प्रक्रिया के दौरान समाधान पेशेवर द्वारा कोई महत्वपूर्ण अनियमितता नहीं की गई। वेदांता ने अपनी बोली को सकल मूल्य के लिहाज से 3,400 करोड़ रुपये और शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) के आधार पर लगभग 500 करोड़ रुपये अधिक बताते हुए मूल्यांकन मानदंडों पर सवाल उठाया था। हालांकि, एनसीएलएटी ने कहा कि सीओसी द्वारा उच्च मूल्य वाली योजना को अस्वीकार करना मनमाना या अनुचित नहीं कहा जा सकता। गौरतलब है कि एनसीएलटी ने 17 मार्च को अदाणी एंटरप्राइजेज की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी, जिसे वेदांता ने एनसीएलएटी और उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी, लेकिन दोनों जगह उसे राहत नहीं मिली। अदाणी को कर्जदाताओं के सर्वाधिक 89 प्रतिशत मत मिले थे।

आरसीबी को झटका, चोटिल होने के कारण इंग्लैंड वापस गये सॉल्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट चोटिल होने के कारण स्वदेश लौट गये हैं। माना जा रहा है कि कि सॉल्ट उंगली में लगी चोट की जांच और इलाके लिए अपने घर गये हैं। साल्ट के स्वदेश लौटने से आसीबी की बल्लेबाजी प्रभावित हुई है। इससे उनकी टीम आरसीबी की खिताब बचाने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सॉल्ट को यह चोट दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में लगी थी। बाउंड्री लाइन के पास एक शॉट लगाते समय उनकी बाएं हाथ की उंगली में काफी चोट आई थी। जिसके बाद से ही वह खेल से दूर हैं। चोट इतनी गंभीर हैं कि फ्रेंचाइजी को उन्हें जांच और इलाके लिए स्वदेश भेजना पड़ा।

आरसीबी ने अभी तक सॉल्ट की चोट की गंभीरता और उनके इंग्लैंड रवाना होने को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है, जिससे भी प्रशंसक साल्ट की वापसी को लेकर आशंकित हैं। सॉल्ट के बाहर होने से उनकी जगह पर इंग्लैंड के ही युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल को शीर्ष क्रम में अवसर मिला है। इस सत्र में साल्ट ने 6 पारियों में 168.33 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 202 रन बनाए थे। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया था और टीम के मध्यक्रम के लिए एक मजबूत मंच तैयार किया था। उनकी अनुपस्थिति में टीम की शुरुआत धीमी पड़ रही है, जिसका सीधा असर कुल स्कोर पर दिख रहा है।रिपोर्ट के अनुसार, सॉल्ट और टीम मैनेजमेंट दोनों को उम्मीद है कि वह इस महीने के अंत तक भारत लौटकर टीम के साथ जुड़ सकते हैं, बशर्ते उनकी चोट की स्थिति में सुधार हो।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल में मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। दिल्ली ने अब तक खेले गए नौ मैचों में से चार में जीत हासिल की है जबकि उसे पांच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सातवं स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर सीएसके ने अबतक नौ मैचों में चार जीत हासिल की है और वह भी 6 अंक लेकर छठे स्थान पर है। नेट रन रेट बेहतर होने के कारण वह दिल्ली से अंक तालिका में ऊपर है।

पिछले मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत से भी सीएसक टीम उत्साहित है। उसके कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फार्म में आ गये हैं जिससे टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है। टीम के पास संजू सैसमन जैसा बल्लेबाज भी है। सैमसन ने अब तक दो शतक लगाये हैं। जहां तक गेंदबाजी की बात है दोनो ही टीमों के पास अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली के पास मिचेल स्टार्क के अलावा कुलदीप यादव और टी नटराजन जैसे गेंदबाज हैं। वहीं सीएसके के पास अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी व नूर अहमद हैं।

अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा ट्रिस्टन स्टब्स और पथुम निसांका पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमों के बीच अबतक 32 मुकाबले हुए है, इनमें से दिल्ली कैपिटल्स ने 12 जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान),संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, रामकृष्ण घोष, प्रशांत वीर, नूर अहमद, अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी, इम्पैक्ट प्लेयरः कार्तिक शर्मा

दिल्ली कैपिटल्सः अक्षर पटेल (कप्तान),केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, नितीश राणा, आशुतोष शर्मा, काइल जैमीसन, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव और टी नटराजन, इम्पैक्ट प्लेयरः आशुतोष शर्मा

जैनिक सिनर ने जीता मैड्रिड ओपन का खिताब, फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया

मैड्रिड। विश्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर मैड्रिड ओपन का खिताब अपने नाम किया। इटली के दिग्गज जैनिक सिनर ने जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 57 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 6-2 से हराकर, अपने करियर में पहला मैड्रिड ओपन का खिताब जीत लिया है। इस जीत के साथ सिनर लगातार पांच एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब (पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे-कार्लो, मैड्रिड) जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। सिनर ने अब कैलेंडर पर मौजूद नौ मास्टर्स 1000 प्रतियोगिताओं में से आठ जीत लिए हैं; उनके कलेक्शन में केवल रोम का खिताब ही शेष है। सिनर अपने करियर में आठ अलग-अलग मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता जीतने वाले इतिहास के सिर्फ तीसरे खिलाड़ी हैं; उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ जोकोविच और रोजर फेडरर ही कर पाए थे।

अश्विन बोले, धोनी को अपनी गेंदबाजों पर रहता था पूरा भरोसा

-मेरे लिए कभी फील्डिंग नहीं सजाई

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि जितना भरोसा उनको गेंदबाजों पर रहता था उतना किसी और में नहीं देखा है। अश्विन ने धोनी की कप्तानी कौशल के लिए नहीं, बल्कि उनकी विकेटकीपिंग और खेल के प्रति स्पष्ट सोच के लिए है। अश्विन ने स्पष्ट किया कि उन्हें स्पिनरों के सामने धोनी जैसी विकेटकीपिंग करते हुए किसी और को नहीं देखा है।

अश्विन ने कहा कि लोग धोनी की शानदार कप्तानी की बहुत तारीफ करते हैं, और उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है, लेकिन उनके लिए धोनी की दो विशेषताएं सबसे अलग हैं। पहली, एक मध्य क्रम के बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता, जो खेल को आखिर तक ले जाकर अनुकूल परिणाम में बदल सकते थे। और दूसरी, स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी अद्भुत विकेटकीपिंग, जिसमें उन्हें कोई सानी नहीं।अश्विन ने धोनी के अपनी गेंदबाजों पर भरोसे को भी याद किया। उन्होंने बताया, धोनी ने कभी मेरे लिए फील्डिंग नहीं सजाई। मैं अपनी फील्डिंग स्वयं जमाता था। धोनी उन्हें बस एक सरल सलाह देते थे- दोहरा अनुमान मत लगाओ। पहले से कुछ मत सोचो। अगर तुम्हारी गेंद पर कोई बड़ा शॉट लगता है, तो कोई बात नहीं। अगर कोई जोखिम लेता है तो लेने दो। बस अपनी तय फील्डिंग के हिसाब से गेंदबाजी करो। इस बात से अश्विन को महसूस होता था कि धोनी को उन पर पूरा विश्वास था।

इस भरोसे और धोनी की सजगता का एक उदाहरण देते हुए अश्विन ने 2011 के आईपीएल फाइनल को याद किया, जब धोनी ने क्रिस गेल को शून्य पर आउट करने के लिए स्टंप के पीछे एक शानदार कैच लपका था। अश्विन के अनुसार, आप मैच की रणनीति और विकेट गिरने के बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन धोनी ने जिस तरह से वह कैच पकड़ा, वह वास्तव में लाजवाब था। अश्विन ने अपने आईपीएल करियर (2009-25) में कुल 221 मैचों में 187 विकेट लिए हैं, जो उनकी लंबी और सफल यात्रा का प्रमाण है।धोनी के साथ अपने अनुभवों के अलावा, अश्विन ने अपने स्वयं के आईपीएल करियर के उतार-चढ़ाव पर भी बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि 2018-19 में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने के बावजूद, वह उस टीम के साथ पूरी तरह से जुड़ नहीं पाए। उन्होंने कहा, पंजाब ने मुझे 2018 में चुना और मैंने अपना पूरा प्रयास किया, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि मैं उस टीम को वास्तव में अपनी टीम नहीं बना पाया। कप्तान के तौर पर शायद मैंने बहुत कुछ हासिल न किया हो, लेकिन इस दौरा मुझे सीखने को बहुत कुछ मिला।हालांकि, राजस्थान रॉयल्स के साथ बिताए अपने समय को अश्विन ने सबसे संतोषजनक बताया।

पंजाब किंग्स को हराकर पांचवे नंबर पर पहुंची गुजरात, मुम्बई हुई बाहर

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखी हैं। गुजरात अब पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं मुम्बई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। पंजाब की टीम हार के बाद भी नंबर एक पर बनी हुई है। गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में साई सुदर्शन की 57 रनों की आक्रामक पारी से जीत हासिल की। गुजरात की गेंदबाजी भी हावी रही और उसने पंजाब को 163 रन ही बनाने दिये। इसके बाद जीत का लक्ष्य हासिल करने उतरी टाइटंस के लिए सुदर्शन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को अहम जीत दिलाई। अंक तालिका में पंजाब किंग्स नंबर एक पर बनी रही।

वहीं पंजाब किंग्स 9 मैचों में 6 जीत, 2 हार और एक मैच का परिणाम नहीं निकलने कारण 13 अंक लेकर शीर्ष पर बनी हुई है। वहीं, गुजरात टाइटंस, इस जीत के बाद 10 मैचों में 6 जीत दर्ज करते हुए 12 अंक लेकर अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जिसने पंजाब जितने ही 9 मैच खेलकर 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंक हासिल किए हैं। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी 12 अंकों के साथ ही तीसरे और चौथे स्थान पर बरकरार हैं। वहीं हैदराबाद ने 10 मैच खेले हैं और रॉयल्स को भी इतने ही मैचों में जीत मिली है। इन तीनों टीमों के बीच नेट रन रेट के आधार पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है, जो प्लेऑफ की दौड़ को और भी दिलचस्प बना रही है।

मध्य तालिका में चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ने 9 मैच खेलकर 4 जीत दर्ज की हैं और 8 अंकों के साथ छठे व सातवें स्थान पर हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 9 में से 3 मैच जीतकर 6 अंक हासिल किए हैं और आठवें स्थान पर है।

वहीं अंक तालिका में मुम्बई इंडियंस 9 मैचों में सिर्फ 2 जीत के साथ ही 4 अंक हैं और वह नौवें स्थान पर हैं। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, मुंबई के लिए प्लेऑफ की रेस अब लगभग समाप्त हो चुकी है।वहीं सबसे निचले स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने 8 मैचों में केवल 2 जीत दर्ज की हैं और उसके भी 4 ही अंक हैं।

चहल को एक ओवर दिये जाने से कैफ हैरान

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने स्पिनर युजवेंद्र चहल को कम गेंदबाजी दिये जाने की पंजाब किंग्स की रणनीति पर सवाल उठाये हैं।। कैफ के अनुसार पंजाब को चहल की क्षमताओं पर भरोसा बनाये रखना चाहिये। कैफ के अनुसार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में जिस प्रकार से चहल को कम गेंदबाजी मिली उससे मुझे हैरानी हुई है। इस मैच में पंजाब किंग्स को हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद से ही पंजाब की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। इसी को लेकर कैफ ने कहा था कि आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक होने के बाद भी चहल को केवल एक ही ओवर दिये जाने पर उन्हें हैरानी हुई है जबकि वह अपनी कलात्मक लेग-स्पिन और विकेट लेने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। कैफ के अनुसार चहल ने आईपीएल में कुल 228 विकेट लिए हैं और उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल है।इसमें से उन्होंने काफी विकेट चिन्नास्वामी स्टेडियम जैसी सपाट पिचों पर लिए थे जहां गेंदबाजों को काफी कम सहायता मिलती है। हालांकि, कैफ ने पिच की स्थितियों को भी ध्यान में रखा और स्वीकार किया कि शायद पिच पर घास मौजूद होने के कारण टीम की रणनीति प्रभावित हुई हो।

इंटर मिलान का जलवा बरकरार, 3 मैच बाकी रहते ही सीरी ए खिताब किया अपने नाम

इटली। प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट Serie A में Inter Milan ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराकर तीन मैच शेष रहते ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस जीत के साथ इंटर मिलान ने अंक तालिका में अपनी पकड़ इतनी मजबूत कर ली कि अब कोई भी टीम उन्हें पीछे नहीं छोड़ सकती। इंटर मिलान को खिताब जीतने के लिए सिर्फ एक ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन टीम ने जीत के साथ ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस जीत के बाद टीम ने दूसरे स्थान पर मौजूद Napoli पर 12 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है। यह इंटर मिलान का कुल 21वां सीरी ए खिताब है, जिससे वह सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाली टीमों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। मैच में इंटर मिलान की शुरुआत दमदार रही और पहले हाफ में ही बढ़त हासिल कर ली। टीम की ओर से Marcus Thuram ने पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद अनुभवी खिलाड़ी Henrikh Mkhitaryan ने 80वें मिनट में दूसरा गोल कर जीत पक्की कर दी। पूरे सीजन में इंटर मिलान का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। टीम ने लगातार अच्छा खेल दिखाते हुए बाकी टीमों को पीछे छोड़ दिया। उनकी मजबूत डिफेंस और आक्रामक अटैक ने उन्हें इस सीजन का सबसे संतुलित टीम बना दिया। अब इंटर मिलान की नजर एक और ट्रॉफी पर है। टीम जल्द ही इटालियन कप के फाइनल में Lazio से भिड़ेगी। अगर इंटर यह मुकाबला जीत लेती है, तो इस सीजन में डबल ट्रॉफी जीतने का सपना भी पूरा हो सकता है।

बीसीसीआई अब आईपीएल में क्रिकेटरों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा है। बीसीसीआई ये कदम मुख्य रूप से भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को रोकने, खिलाड़ियों की आचार संहिता को बनाए रखने और उनकी छवि को देखते हुए उठा रहा है। जहां भारतीय टीम के विदेशी दौरों के दौरान खिलाड़ियों की पत्नियों और परिवार के सदस्यों के साथ रहने को लेकर पिछले साल बोर्ड ने सख्त नियम बनये थे, वहीं आईपीएल में इस प्रकार के कोई नियम नहीं है जिसका लाभ खिलाड़ी उठा रहे हैं। आईपीएल में खिलाड़ियों की यात्रा और ठहरने की व्यवस्था की जिम्मेदारी आमतौर पर टीम मालिकों की होती है पर बोर्ड के पास इसमें हस्तक्षेप के अधिकार हैं। पिछले कुछ सत्र में कई खिलाड़ी अपनी गर्लफ्रेंड्स के साथ यात्रा करते और होटलों में रुकते देखे गए हैं, जिससे बोर्ड नाराज हैं। बीसीसीआई इसलिए भी परेशान है क्योंकि कुछ खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स पर बेटिंग ऐप्स के लिए काम करने का संदेश है। यह भ्रष्टाचार रोधी नियमों के उल्लंघन के साथ ही खेल की अखंडता के लिए खतरा है। इसके अतिरिक्त, कई युवा भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स सोशल मीडिया पर इन्फ्लुएंसर हैं और अपने पेज पर विभिन्न प्रोडक्ट्स, जिनमें बेटिंग ऐप्स और शराब ब्रांड्स भी शामिल हैं, का प्रचार करती हैं। ऐसे ब्रांड्स का प्रचार बीसीसीआई के नियमों के खिलाफ है और इससे गलत संदेश जाता है। बोर्ड नहीं चाहता कि भारतीय टीम के लिए खेलने वाले या भविष्य में खेलने की इच्छा रखने वाले किसी भी खिलाड़ी को ऐसी गतिविधियों से कोई परेशानी हो। कुछ खिलाड़ियों के फ्रेंचाइजी की बसों का अपनी गर्लफ्रेंड्स से मिलने के लिए इस्तेमाल करने के मामले भी सामने आए हैं, जिसे भी आचार संहिता का उल्लंघन माना गया है।

एकजुट होकर प्रदर्शन करने से गुजरात टाइटंस को मिल रही सफलता : होल्डर

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत पर उत्साहित होते हुए कहा है कि हमारी सफलता का कारण एक ईकाई के तौर पर खेलना रहा है। आईपीएल के इस मुकाबले में गुजरात ने अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया। होल्डर ने इस मैच में 4 ओवर में ही केवल 24 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

होल्डर ने कहा कि टीम की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसका एकजुट होकर खेलना रहा है। टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा, यही हमारी टीम का टेम्पलेट रहा है। हमारे पास मजबूत खिलाड़ी हैं और हर मुकाबले में अलग-अलग खिलाड़ी आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि टीम किसी एक स्टार खिलाड़ी पर निर्भर नहीं करती, बल्कि हर मैच में एक नया हीरो सामने आता है। इसी से टीम अब तक टिकी हुई है।

होल्डर ने साथ ही कहा, हमने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं किया है, फिर भी हम जीत हासिल कर रहे हैं। यह बयान टीम की गहराई और क्षमता को दर्शाता है। उनके अनुसार, टीम अभी अपनी क्षमता के शिखर पर नहीं पहुंची है, लेकिन इसके बावजूद लगातार जीत दर्ज कर रही है, जो उनके लिए सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू है। यह दिखाता है कि टीम में न केवल गहराई है, बल्कि संतुलन भी मजबूत है, जिससे वे दबाव में भी बेहतर प्रदर्शन कर पा रहे हैं।

इस महत्वपूर्ण जीत के साथ गुजरात टाइटंस की स्थिति अंक तालिका में और बेहतर हुई है। टीम अब तक 10 मुकाबले खेल चुकी है, जिसमें से उसने 6 में जीत हासिल की है और 4 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। 12 अंकों के साथ गुजरात टाइटंस अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गई है। अब गुजरात टाइटंस अपने अगले मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी। यह मैच 9 मई को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा।

रहाणे ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया, वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की

हैदराबाद। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणें ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली 7 विकेट से जीत का श्रेय गेंदबाजों के दिया है। रहाणे ने कहा कि हमारे गेंदबाजों विशेषकर वरुण चक्रवर्ती ने काफी सटीक गेंदबाजी कर करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को खेलने का कोई अवसर नहीं दिया। केकेआर के गेंदबाजों ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को 19 ओवर में ही 165 रनों पर समेट दिया था। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अपने चार ओवर में केवल 36 रन देकर तीन अहम विकेट लिए, वहीं अनुभवी सुनील नारायण ने 31 रन देकर दो विकेट लिए। इन दोनों गेंदबाजों ने मिलकर सनराइजर्स के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया। ये गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट लेते रहे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा रते हुए कोलकाता ने 10 गेंद पहले ही मुकाबला जीत लिया। रहाणे ने उम्मीद जतायी कि इस जीत से उनकी टीम टूर्नामेंट में टिकी रह सकती है। उन्होंने कहा, यह एक अच्छा मैच रहा और जिस तरह से हमने गेंदबाजी में वापसी की, वह शानदार था। एक समय ऐसा लग रहा था कि वे 190-200 रन बना लेंगे, और उस लक्ष्य का पीछा करना कठिन होगा पर हमारे गेंदबाजों ने उन्हें रोक दिया।। रहाणे ने पिछले कुछ मैचों में गेंदबाजों के निरंतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, हमारी गेंदबाजी इकाई पिछले पांच-छह मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसका श्रेय हमारे गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो और टिम साउदी को जाता है, जिन्होंने खिलाड़ियों को सही मार्गदर्शन दिया है। इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए वरुण चक्रवर्ती को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

विश्व एथलेटिक्स 2026 : रागुल, नित्या सहित भारतीय रिले टीम ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

गाबोरोन। बोत्सवाना में हुए विश्व एथलेटिक्स 2026 भारतीय एथलेटिक्स में भारतीय टीम क्वालीफाई नहीं कर पाने के बाद भी एक रिकार्ड बनाने में सफल रही। इसमें शामिल पांचों भारतीय टीमें अपने-अपने वर्ग में क्वालिफिकेशन नहीं कर पायीं पर 4 गुणा 400 मीटर में भारत की र रिले टीम ने एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड जरुर बनाया। भारतीय रिले टीम में रागुल कुमार, नित्या गांधे, अनिमेश कुजूर और स्नेहा सत्यनारायण शनुवल्ली शामिल थे। इस चारों ने शानदार तालमेल और गति का प्रदर्शन करते हुए 41.35 सेकंड का समय निकाला। इससे ये हीट में छठे स्थान पर रहे और क्वावलीफाई नहीं कर पाये पर 42.30 सेकंड के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ने में जरुर सफल रहे। यह प्रदर्शन भारतीय रिले एथलेटिक्स के भविष्य लिए सकारात्मक कदम है, जो आगामी प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकता है और युवा एथलीटों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। वहीं अन्य रिले टीमों का प्रदर्शन हालांकि उतना प्रभावशाली नहीं रहा। मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर रिले में भारत की दूसरी टीम अपनी हीट में ही पांचवें स्थान पर रही। वहीं, पुरुषों की 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम दौड़ पूरी नहीं कर सकी। इसका कारण ये रहा कि अनुभवी धावक आमोज जैकब को दौड़ के बीच में ऐंठन का सामना करना पड़ा। वहीं महिला 4 गुणा 400 मीटर टीम अपनी हीट में अंतिम स्थान पर रही, जबकि पुरुषों की गुणा 400 मीटर टीम को बैटन बदलने के दौरान हुई गलती के कारण अयोग्य करार दिया गया।

पीएसएल जीत से उत्साहित बाबर बोले, तीनों प्रारुप खेलूंगा, किसी भी एक से संन्यास का इरादा नहीं

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग में अपनी टीम के खिताब जीतने से उत्साहित अनुभवी बल्लेबाज बाबर जाने ने कहा है कि अभी वह तीनों ही प्रारुप खेलते रहेंगे और उनके किसी भी एक प्रारुप को छोड़ने की कोई संभावना नहीं है। आजम ने इसी के साथ ही उनके किसी एक प्रारुप से संन्यास की अटकलों पर भी विराम लगा दिया। वहीं लंबे समय से यह चर्चा जोरों पर थी कि बाबर अपने करियर को बढ़ाने के लिए किसी एक फॉर्मेट से संन्यास ले सकते हैं, लेकिन उन्होंने इन सभी संभावनाओं को खारिज कर दिया। बाबर ने कहा, परेशान न हों, में तीनों प्रारुप खेलूंगा।

बाबर के इस बयान से साफ है कि उन्हें अब पाक टीम में वापसी का अवसर मिल सकता है। पिछले काफी समय से उनकी धीमी बल्लेबाजी पर सवाल उठते रहे हैं। यही वजह थी कि उनके टी20 करियर को लेकर तरह-तरह की बातें शुरू हो गई थीं, जिसमें फॉर्मेट छोड़ने की अटकलें प्रमुख थीं।

हालांकि, इन आलोचनाओं के बीच बाबर ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 पारियों में कुल 588 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 73.50 और स्ट्राइक रेट 145.90 रहा। इस दौरान बाबर ने दो शानदार शतक और तीन अर्धशतक लगाये।

बाबर ने जोर दिया कि एक खिलाड़ी को सभी प्रारुप खेलने चाहिए। उन्होंने तर्क दिया, यह एक खिलाड़ी का काम है कि वह हर फॉर्मेट में अपनी टीम के लिए उपलब्ध रहे। साथ ही कहा कि टेस्ट प्रारुप आपको धैर्य और लंबी पारी खेलने की कला सिखाता है।। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि टेस्ट क्रिकेट से मिलने वाला अनुभव न केवल टेस्ट मैचों में बल्कि टी20 और एकदिवीसय जैसे सीमित ओवरों के प्रारूपों में भी एक खिलाड़ी को बेहतर बनाता है।

पीएसएल की सफलता के बाद अब बाबर का अगला ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर है। पाकिस्तानी टीम जल्द ही बांग्लादेश के दौरे पर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी, और बाबर इसमें अपनी टीम के लिए अहम भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं। बाबर ने यह भी साफ संकेत दिए हैं कि वह 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप की योजनाओं का एक अभिन्न अंग बने रहना चाहते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 3879

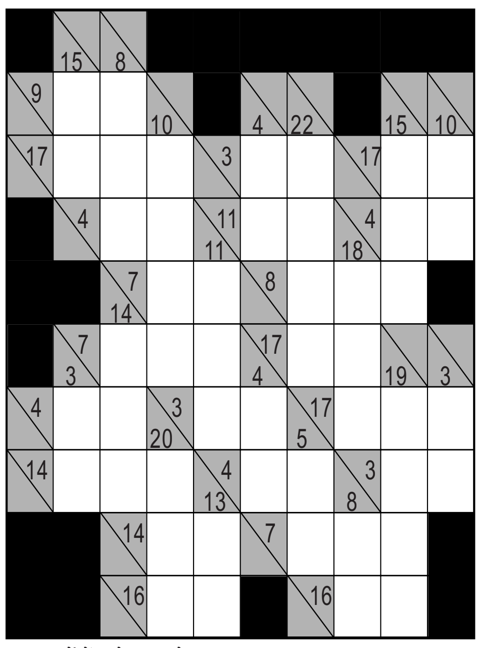

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

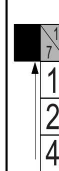

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -3878 का हल

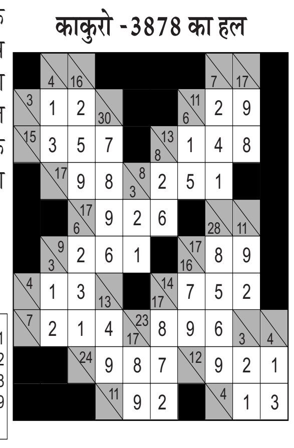

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।
युवती बोली- तुमने ये क्या किया?
युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।
युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।
युवक- अब ये क्या था?
युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3879

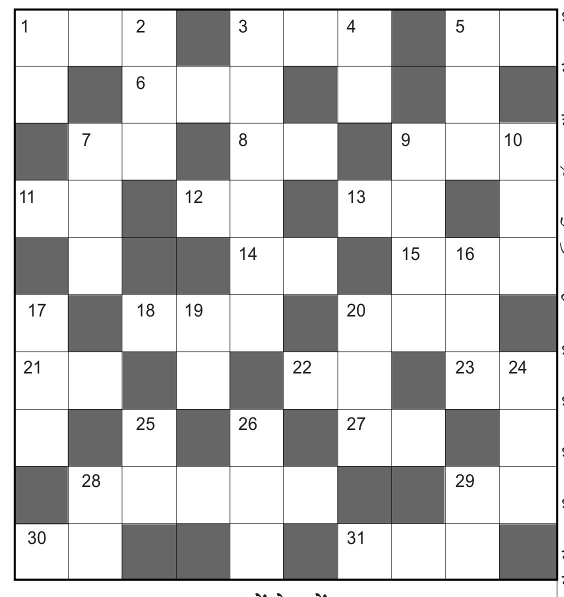

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3878

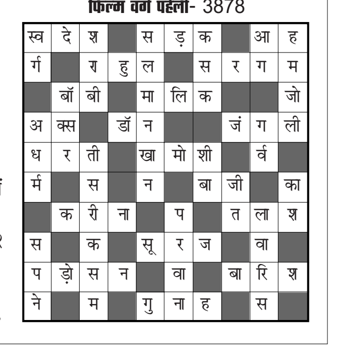

सूडोकु -3879

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3878 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली - 3879

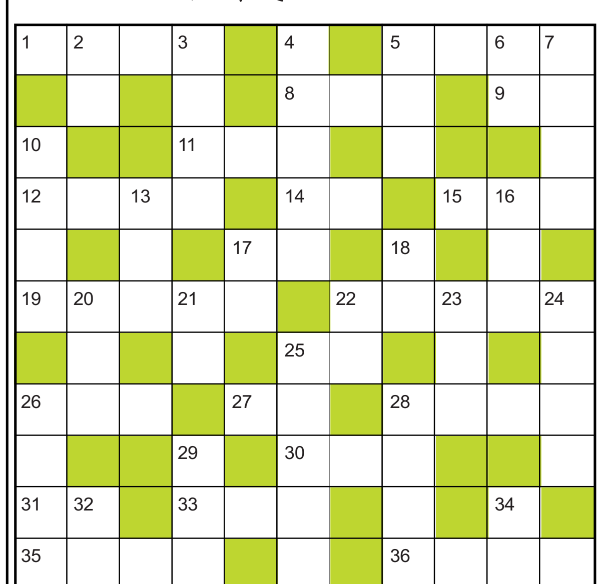

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -3878 का हल

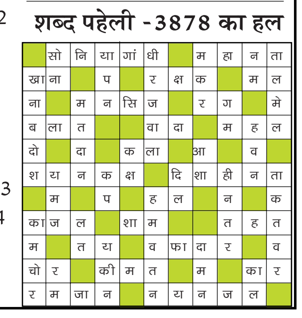

फिगर फीवर

आज कॉलेज जाने वाली युवती से लेकर घर रहने वाली महिला तक फिगर फीवर से पीड़ित हैं। इसके क्या नुकसान हैं और पतले होने के लिए क्या उचित तरीका है आइए जानें-

रेणु भरे बदन की स्वस्थ युवती है। वह किसी भी कोण से मोटी नहीं दिखाई देती। हां, केवल उसके शरीर से उसकी हड्डियां दिखाई नहीं देती थीं। वह समझने लगी कि वाकई मोटी हो गई है। इसी चिंता मे उसने खाना-पीना छोड़ दिया।

अब वह जमाना गया जब गदराई छरहरे बदन की युवतियों को सुंदरता की श्रेणी में रखा जाता था। अब पतली-दुबली और अपनी पसलियों की नुमाइश करने वाली लड़कियों को सुंदर और आकर्षक माना जाता है। इस आधुनिक युगीन फिगर को लॉलीपॉप फिगर कहा जाता है। ऐसा फिगर जिसमें शरीर के प्रत्येक हिस्से से हड्डियां उभरती हुई दिखाई दें। पेट पीठ की ओर चिपका रहे। यह लॉलीपॉप फिगर शुरू तो फिल्मी दुनिया से हुआ किन्तु अब इसकी पहुंच घर तक हो चुकी है। आज कॉलेज जाने वाली लड़की हो या घर की महिला तक में फिगर के प्रति अति संवेदना व्याप्त है। इसी का परिणाम है हर छोटे-बड़े शहरों में गली-गली में खुलने वाले हैल्थ सेंटर जहां होता है आपके फिगर के फीवर का इलाज।

फिगर का फीवर युवतियों में इस कदर बढ़ गया है कि अगर किसी महिला को राह चलते किसी ने मोटी कह दिया तो उसे तुरंत फिगर का फीवर चढ़ जाता है। इस चिंता में वह निश्चित रूप से दो-तीन दिन खाना छोड़ देगी।

नुकसान भी बहुत हैं

उनकी इसी दिवानगी को देखते हुए हैल्थ सेंटर, जिम आदि का धंधा जोरों पर चल निकला है। इनमें से कुछ तो दवाइयां भी उपलब्ध कराते हैं जिनमें दो से चार सप्ताह में वजन चार-पांच किलो तक कम हो जाने का दावा किया जाता है। इन आकर्षक लुभावने विज्ञापनों की चपेट में अज्ञानतावश दुबली होने के चक्कर में युवतियां आ जाती हैं। इन दवाइयों के हानिकारक प्रभाव होते हैं। इनके सेवन से शरीर का पानी पसीने एवं मूत्र के रूप में बाहर निकलता है जिससे वजन कम हो जाता है। इस प्रकार वजन कम करना शरीर के लिए घातक हो सकता है। ऐसा करके आप कई रोगों को निमंत्रण देती हैं। दूसरी ओर ऐसी युवतियां हैं, जो खाना-पीना ही छोड़ देती हैं ताकि मोटापा आए ही नहीं। इस परिस्थिति में ही महिलाओं के गंभीर रूप से रोग ग्रसित होने के रास्ते खुल जाते हैं। रूचिता ने अपनी जांघें पतली करने के लिए ही खाना-पीना छोड़ दिया। नतीजा उसे अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। कारण जानने पर पता चला कि अपनी सखी द्वारा उसे मोटा कहा गया था।

उचित तरीका

वजन कम करने का सबसे सही एवं आसान तरीका है जितनी कैलोरीज आपने ली हैं, उसे खर्च भी करें। भोजन करके यदि उसे पचाया नहीं गया तो वह शरीर में केवल मोटापा बढ़ाएगा। इसके लिए व्यायाम व योग ही उचित, सरल एवं लाभदायक है, जो आपके फिगर को फिट रखने के साथ आपको स्वस्थ एवं समर्थ भी बनाएंगे। आजकल ऑपरेशन के द्वारा भी वजन कम किए जाने का प्रचलन बढ़ा है। इसी दिशा में प्रेशर गारमेंट का उपयोग भी बढ़ रहा है।

वजन कम करने के लिए खाना-पीना छोड़ देना क्रेश डाइटिंग कहलाता है। यह उचित नहीं है। बजाए इसके नियमित रूप से आवश्यक भोजन लिया जाना चाहिए। अधिक तली हुई मसालेदार वस्तुओं से बचकर भी बढ़ते वजन को रोका जा सकता है। एक ओर स्लिम बनने की चाहत एवं दूसरी ओर प्रिय खाद्य पदार्थों का मोह कई महिलाओं को मानसिक रोगी बना देता है। जिसमें वे चटपटा मनपसंद भोजन करने के बाद गले में उंगली डालकर 'कै' करके मोटापे से बचती हैं। तो फिर देर किस बात की आज ही उतार फेंकिए अपने फिगर फीवर को। आप स्वस्थ होंगी तो सुंदर दिखाई देंगी। आपके चेहरे पर ग्लो भी आएगा।

फ्रेश वेजिटेबल सूप

सामग्री : 2 बड़े गाजर, 1 बड़ा आलू, 100 ग्राम बंद गोबी, 50 ग्राम मटर, 50 ग्राम स्वीट कॉर्न, 1 बड़ा प्याज, 1 वेजिटेबल स्टॉक क्यूब, एक लीटर पानी और काली मिर्च स्वाद अनुसार।

विधि : गाजर, आलू, बंद गोबी, प्याज को काटें और मटर व कॉर्न के साथ पानी में 1 घंटे तक उबालें, स्वाद के लिए काली मिर्च डालें।

ठंडा करें और फिर फूड प्रोसेसर या लिक्विडिजर में हाई स्पीड पर रखें।

आयुष्मान खुराना ने केरल में शुरू की थ्रिलर फिल्म की शूटिंग?

कॉमेडी फिल्मों के बाद अब आयुष्मान खुराना गंभीर भूमिका में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'काला पानी' फेम समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स द्वारा बनाई जा रही है।

कब शूरू हुई फिल्म की शूटिंग

आयुष्मान की इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल की शुरुआत में चुपचाप शुरू हो गई थी। पूरी शूटिंग मई के अंत तक खत्म होने की उम्मीद है। अभी फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है। कहानी को गुप्त रखा गया है, लेकिन कथित तौर पर इस फिल्म में आयुष्मान एक आम आदमी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अचानक एक खतरनाक और मुश्किल स्थिति में फंस जाता है। इस फिल्म में ज्यादातर सहायक कलाकार नए या कम जाने-माने हैं, जिससे कहानी ज्यादा यथार्थवादी लगेगी।

यश राज के साथ तीसरी फिल्म

यह आयुष्मान खुराना की यश राज फिल्म्स के साथ तीसरी फिल्म है। पहले वे 'दम लगा के हैशा' और 'मेरी प्यारी बिंदू' में काम कर चुके हैं। पोशम पा पिक्चर्स के लिए भी यह थिएटर रिलीज की पहली फिल्म है। पहले उन्होंने नेटफ्लिक्स पर 'मामला लीगल है' और 'होम शांति' जैसी फिल्में बनाई हैं।

आयुष्मान की आने वाली फिल्में

आयुष्मान खुराना इस साल काफी व्यस्त रहने वाले हैं। उनकी 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' (सारा अली खान के साथ) और सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' भी रिलीज होने वाली हैं। यह तीनों ही फिल्में इस साल 2026 या फिर अगले साल 2027 में रिलीज होंगी।

अहमद खान की अनटाइटल्ड जॉम्बी एंटरटेनर में हुई शनाया कपूर की एंट्री

निर्देशक अहमद खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के बाद अहमद एक जॉम्बी कॉमेडी फिल्म पर काम करेंगे। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ लीड हीरो के रोल में नजर आएंगे और उनके अपोजिट इस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हो चुकी है।

कौन होगी इस फिल्म में टाइगर की हीरोइन

इस जॉम्बी कॉमेडी फिल्म का निर्देशन अहमद खान करेंगे। फिल्म के निर्माता फिरोज नाडियाडवाला है। टाइगर श्रॉफ इस प्रोजेक्ट से जुड़ चुके हैं। अब मुख्य अभिनेत्री के तौर पर शनाया कपूर का नाम सामने आया है। हालांकि, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की बाकी डिटेल्स को अभी गुप्त रखा गया है।

शनाया कपूर ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से की थी। उसके बाद उन्होंने आदर्श गौरव के साथ सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' की है, जिसमें उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई। अब वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। वहीं, टाइगर श्रॉफ अभी फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर और लक्ष्य मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बन रही है।

अहमद खान की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल'

अहमद खान निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में 30 से ज्यादा बड़े कलाकार काम कर रहे हैं। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर और कई कलाकाल शामिल हैं। अहमद खान ने बताया कि इतनी बड़ी कास्ट को एक साथ मैनेज करना बहुत मुश्किल था। अभिनेताओं की डेट्स, बजट और बाकी जरूरतों को संभालना आसान नहीं रहा। फिर भी उन्होंने यह फिल्म पूरी की।

बंद होगा एकता कपूर का 'नागिन 7'

टीवी की क्वीन कही जाने वाली निर्माता एकता कपूर ने अपने हिट सुपरनेचुरल शो नागिन 7 को लेकर एक अहम अपडेट साझा किया है। उन्होंने पुष्टि की है कि मौजूदा सीजन जल्द ही समाप्त होने वाला है और अगले साल इसे फिर से शुरू करने की योजना है। एकता कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में शो के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए स्पष्ट किया कि सीजन को समाप्त करने का फैसला आंशिक रूप से शेड्यूलिंग की वजह से लिया गया है। उन्होंने कहा, 'नागिन को लेकर कुछ अपडेट देने आई हूं। दोस्तों, मैंने कल एक पोस्ट किया था और मुझे एहसास नहीं था कि हम अचानक शो खत्म करने वाले हैं। लेकिन हां, चैनल के अनुरोध के कारण हमें अप्रैल में शो खत्म करना था। अब हम इसे मेरे जन्मदिन पर खत्म कर रहे हैं। नागिन के किसी भी सीजन की ऐसी योजना नहीं थी। यह सिर्फ 30 एपिसोड का होना था। लेकिन हमने इसे 48 एपिसोड तक बढ़ा दिया और फिर हम अगले साल वापस आएंगे।'
एकता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक और वीडियो भी साझा किया। इसमें उन्होंने छोटे सीजन बनाने के अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, 'नागिन को हर साल प्रसारित करने के लिए हमें छोटे सीजन बनाने चाहिए ताकि मुझे अपना सारा समय न देना पड़े और मैं बाकी कामों पर ध्यान दे सकूं। 'नागिन 7' का फिनाले एपिसोड अब 7 जून को टेलीकास्ट होगा। मौजूदा सीजन में प्रियंका चाहर चौधरी मुख्य भूमिका में हैं।

सुपर कॉप के रोल में फिर तबाही मचाएंगे रणदीप हुड्डा

रणदीप हुड्डा स्टारर सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' का पहला सीजन 2023 में आया था। इसके बाद से ही फैंस इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे थे। अब मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का टीजर रिलीज कर फैंस की धड़कनें और बढ़ा दी हैं।

क्या है टीजर में खास

टीजर में रणदीप हुड्डा दबंग इंस्पेक्टर के रूप में नजर आ रहे हैं। कुछ सीन में वे बहरूपिया भी बनते दिखाई दिए हैं। टीजर में काफी दमदार डायलॉग्स बताए गए हैं। इनमें से एक है जिसमें रणदीप हुड्डा कहते हैं– 'जिंदगी और मृत्यु के बीच सिर्फ हमारी एक उंगली का फर्क है।' वहीं टीजर में कुछ इंटेंस सीन भी नजर आए हैं, जिनमें एक्टर दमदार एक्शन सीन करते नजर आए हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा– 'यूपी का महाकाल, इस्पेक्टर अविनाश वापस आ रहे हैं। और इस बार होगा असली तांडव।'

कब रिलीज होगी सीरीज

सीरीज में रणदीप के अलावा उर्वशी रौतेला, रजनीश दुग्गल, अमित सियाल, सरगम सिंह, शालीन भनोट अहम किरदार में नजर आएंगे। सीरीज का निर्देशन नीरज पाठक कर रहे हैं। फिलहाल मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है। सीरीज पिछले पार्ट से ज्यादा एक्शन पैक और इंटेंस बताई जा रही है। मेकर्स ने सीरीज के दूसरे सीजन 'इंस्पेक्टर अविनाश' का टीजर रिलीज कर दिया है। ये सीरीज हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

क्या साथ काम करेंगे अहान और आर्यन?

अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में बतौर अभिनेता डेब्यू किया। वहीं शाहरुख के बेटे और निर्देशक आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से निर्देशन में कदम रखा। क्या आर्यन खान की आने वाली किसी फिल्म में अहान पांडे काम कर सकते हैं?
अहान पांडे और शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान, दोनों ने साल 2025 में मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा। जहां अहान ने फिल्म 'सैयारा' से बतौर अभिनेता अपना धमाकेदार डेब्यू किया। वहीं आर्यन ने नेटफ्लिक्स सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिए निर्देशन में सफलता हासिल की। तो क्या अब दोनों एक साथ काम करेंगे?

बचपन की यादें और गहरा रिश्ता

हाल ही में एक इंटरव्यू में अहान ने आर्यन के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वे बचपन के दोस्त हैं। अहान ने एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। दरअसल, आर्यन स्कूल से सीधे अहान के घर आ जाते थे। वह अपने माता-पिता (शाहरुख और गौरी खान) से मिलने से पहले अहान के घर वक्त बिताते थे। हालात, ऐसी थी कि खुद शाहरुख खान अहान को फोन करके पूछते थे कि आर्यन घर क्यों नहीं आए? जब अहान से पूछा गया कि क्या वह भविष्य में आर्यन के निर्देशन में काम करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'वे दोनों एक बेहतरीन निर्देशक-अभिनेता की जोड़ी बन सकते हैं। अहान का मानना है कि उनके बीच एक 'वास्तविक बंधन' है, इसलिए साथ काम करना काम जैसा नहीं लगेगा। बचपन की दोस्ती की वजह से दोनों एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

अहान के प्रोजेक्ट्स

अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' की बड़ी सफलता के बाद, अहान के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। 'सैयारा' के बाद अहान पांडे एक बार फिर से मोहित सूरी की अगली फिल्म में काम करेंगे। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अहान के साथ अनीत पड्डा नजर आएंगी। इसे यशराज फिल्म्स बना रहा है। इसके अलावा अहान निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ भी एक फिल्म में काम कर रहे हैं। यह एक एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म होगी।

सारा अर्जुन की लगी लॉटरी

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' में यलीना के रोल से छाईं सारा अर्जुन अब मधुबाला बनेंगी। खबर है कि उन्हें मधुबाला की बायोपिक के लिए साइन किया गया है। नाम कन्फर्म है और एक्ट्रेस ने तैयारी भी शुरू कर दी है। हालांकि, अभी आधिकारिक ऐलान बाकी है।

हिंदी सिनेमा की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस मानी जाने वालीं मधुबाला की बायोपिक की चर्चा कई साल से हो रही है। इसके लिए कई एक्ट्रेसेस के नाम सामने आए, पर किसी पर भी मुहर नहीं लगी। अब इसके लिए 'धुरंधर' की यलीना यानी सारा अर्जुन का नाम कन्फर्म बताया जा रहा है। यानी उनकी लॉटरी लग गई है। कहा जा रहा है कि वह मधुबाला पर बन रही बायोपिक में उनका किरदार निभाएंगी। उनका नाम मधुबाला की बायोपिक के लिए कन्फर्म है। इस बायोपिक को जसमीत के रीन डायरेक्ट करेंगी, जबकि संजय लीला भंसाली प्रोड्यूसर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मधुबाला की बायोपिक की शूटिंग जुलाई 2026 से शुरू होगी। 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के बाद इसे सारा अर्जुन के करियर की अहम फिल्म माना जा रहा है, जो उनके करियर को एक नई दिशा देगी। सारा अर्जुन वैसे तो बचपन से फिल्मों में काम कर रही हैं, पर 'धुरंधर' ने उन्हें रातोंरात जबरदस्त स्टारडम दिलाया है।

इस कारण मधुबाला की बायोपिक में हुई देरी

मधुबाला की बायोपिक की बात करें, तो यह कई साल से अटकी हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बजट की कमी के कारण इसे कई बार देरी का सामना करना पड़ा, लेकिन बाद में यह ट्रैक पर लौट आई। अहम मोड़ तब आया जब संजय लीला भंसाली बतौर प्रोड्यूसर मधुबाला की बायोपिक से जुड़े। वहीं जसमीत के रीन डायरेक्टर हैं, जिन्होंने विजय वर्मा और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' डायरेक्ट की थी।

सारा ने शुरू की तैयारी

बताया जा रहा है कि सारा अर्जुन ने मधुबाला की खूबसूरती, गरिमा और पर्दे पर उनकी उपस्थिति को हूबहू उतारने के लिए जोरदार तैयारी शुरू कर दी है। अब दिलीप कुमार और किशोर कुमार के किरदारों के लिए कास्टिंग चल रही है, जिनका मधुबाला की निजी जिंदगी में अहम रोल रहा।

इन एक्ट्रेसेस के नामों की थी चर्चा

मालूम हो कि मधुबाला के किरदार के लिए पहले कियारा आडवाणी से बातचीत चल रही थी, पर बात नहीं बन पाई और फिर सारा अर्जुन को साइन किया गया। इससे पहले मधुबाला के किरदार के लिए साई पल्लवी और अनीत पड्डा का नाम भी सामने आया, पर वो महज अफवाह निकली। मधुबाला की बायोपिक में उनके करियर और निजी जिंदगी के कई अहम पहलुओं को दिखाया जाएगा। उन पलों को भी दर्शकों को देखने का मौका मिला, जिनसे वो अछूते हैं।

मनीष मल्होत्रा भी बनाने वाले थे मधुबाला पर बायोपिक

मधुबाला पर बायोपिक बनाने के लिए फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा का भी नाम सामने आया था, पर दिवंगत एक्ट्रेस की बहन मधुर भूषण ने 2022 में कह दिया था कि मधुबाला की जिंदगी पर फिल्म सिर्फ वो और उनकी टीम ही बनाएगी, बाकी कोई और नहीं बनाएगा।

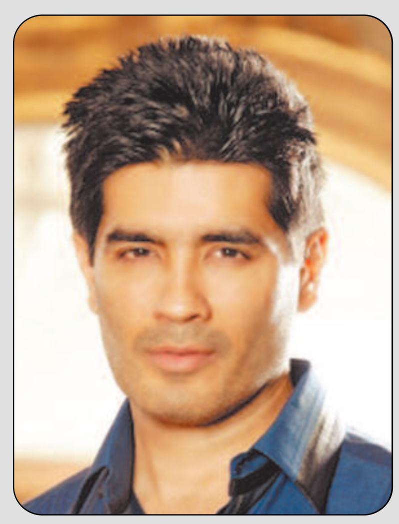

संक्षिप्त समाचार

इराक ने 14 वर्ष बाद सीरिया के रास्ते शुरू किया तेल निर्यात

बगदाद/दमिश्क, एजेंसी। इराक ने सीरिया के अल-यारूबियाह बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए तेल निर्यात फिर से शुरू कर दिया है। 70 टैंकरों का एक काफिला इस रास्ते से सीरिया में दाखिल हुआ, जो पिछले 14 वर्षों में इस मार्ग से पहला ऐसा शिपमेंट है। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी एसएएनए के अनुसार, काफिले ने भूमध्यसागर तट पर स्थित बानियाज रिफाइनरी का रुख किया। अल-यारूबियाह क्रॉसिंग पर तैनात सीरियाई अधिकारी फेरास रुस्तम ने कहा कि '14 साल बाद इस क्रॉसिंग का फिर से खुलना इराक और सीरिया के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की एक रणनीतिक पहल है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि इससे व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को अधिक प्रभावी ढंग से सुगम बनाया जा सकेगा और दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी विकसित होगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब इराक अपने तेल निर्यात के लिए वैकल्पिक मार्ग तलाश रहा है, क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अमेरिका-इजरायल और ईरान के तनाव के चलते बंद है। ईरान पर मनमानी का आरोप लगाते हुए अमेरिका ने भी उसके कई बंदरगाहों पर नाकेबंदी कर दी है। इस बीच एक्सियोस ने कुछ अधिकारियों के हवाले से खबर छापी है, जिसके मुताबिक अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपये (करीब 45,600 करोड़ रुपये) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है। यह बॉर्डर क्रॉसिंग, जिसे इराक में राबिया के नाम से जाना जाता है, 2011 में सीरियाई गृहयुद्ध शुरू होने के बाद बंद कर दी गई थी। बाद में 2014 में इस पर आईएसआईएल का कब्जा हो गया था, जिसे बाद में इराकी कुर्द बलों ने वापस ले लिया। इस बीच, सीरिया पेट्रोलियम कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए परिचालन क्षमता बढ़ाने की बात कही है। उनके मुताबिक आपूर्ति की गति तेज करने के लिए अहम कदम उठाए गए हैं। बनियाज रिफाइनरी पर तकनीकी और इंजीनियरिंग कार्यों के बाद अब रोजाना लगभग 500 इराकी टैंकरों को अनलोड किया जा रहा है। इन सुधारों से रिफाइनरी की परिचालन क्षमता में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

ईरान ने इजरायल के लिए जासूसी करने के आरोप में 2 और लोगों को दी फांसी

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दो और व्यक्तियों को इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी करने का दोषी पाए जाने पर फांसी दे दी है। ईरानी न्यायपालिका की समाचार एजेंसी मिजान के अनुसार, इन दोनों की सजा को देश की सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा था। फांसी दिए गए लोगों की पहचान याकूब करिमपुर और नासेर बेकरजादेह के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, करिमपुर पर आरोप था कि उसने युद्ध के दौरान संवेदनशील जानकारी एक मोसाद अधिकारी को भेजी और कुछ सैन्य गतिविधियों से जुड़ी सूचनाएं साझा कीं। उस पर यह भी आरोप लगाया गया कि उसने सैन्य ठिकानों की वीडियो रिकॉर्डिंग की, गलत जानकारी देकर सुरक्षा एजेंसियों को गुमराह किया और कुछ हमलों से जुड़े कामों में भूमिका निभाई। इसके बदले उसे पैसे भी मिले थे। दूसरे आरोपी बेकरजादेह पर आरोप था कि उसने सरकारी इमारतों, सुरक्षा ठिकानों और महत्वपूर्ण अधिकारियों से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो साझा किए। उसने यह जानकारी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स और ईमेल के जरिए भेजी और इसके बदले आर्थिक लाभ लिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब हाल ही मेंईरान, अमेरिका और इज़राइलके बीच संघर्ष हुआ था। फरवरी में शुरू हुए इस टकराव के बाद अप्रैल में युद्धविराम की घोषणा की गई थी, लेकिन क्षेत्र में तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

अमेरिका के प्रहार से मेक्सिको की सत्ता में भूचाल, गवर्नर और मेयर ने छोड़ी कुर्सी

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। अमेरिका द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप लगाए जाने के बाद मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लौडिया शिनबाम की पार्टी के दो सदस्यों ने अपने पद से अस्थायी रूप से हटने की घोषणा की है। उत्तर पश्चिमी सिनालोआ राज्य से शिनबाम की पार्टी के इन सदस्यों ने बताया कि अमेरिका ने उन पर और आठ अन्य नेताओं एवं सुरक्षा अधिकारियों पर मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप लगाए हैं। शुक्रवार मध्यरात्रि को जारी एक वीडियो संदेश में अभियोग में नामित गवर्नर रुबेन रोचा मोया ने उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह 'सिनालोआ कार्टल' को संरक्षण दिया और लाखों डॉलर की रिश्वत के बदले में उसे अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी में मदद की। पूर्व राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर के लंबे समय से सहयोगी रहे 76 वर्षीय रोचा ने कहा, ' 'मेरा ईमान साफ है।

ईरान ने अमेरिका को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा, नाकाबंदी हटाने और हर मोर्चे पर युद्ध खत्म करने की रखी शर्त

तेहरान, एजेंसी। तस्नीम न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक ईरान ने अमेरिका को एक 14-पॉइंट प्लान सौंपा है, जिसमें लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने के मकसद से एक बड़ा फ्रेमवर्क बताया गया है. यह प्रस्ताव अमेरिका के पहले भेजे गए नौ-पॉइंट प्लान के जवाब में आया है. इसमें कथित तौर पर सीजफायर के लिए दो महीने का टाइमलाइन शामिल था. हालांकि, कहा जाता है कि तेहरान ने किसी भी लंबे अंतरिम इंतजाम को मना कर दिया है, और इसके बजाय इस बात पर जोर दिया है कि 30 दिनों के अंदर एक पूरा समाधान निकाला जाए. इसे अस्थायी युद्धविराम के बजाय युद्ध के स्थायी अंत के आस-पास बनाया जाए. रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के प्रस्ताव में पक्की सुरक्षा गारंटी शामिल है, जो ईरान के खिलाफ भविष्य में किसी भी मिलिट्री हमले पर रोक लगाएगी और इसके आस-पास के माहौल से अमेरिका की सेना को वापस बुलाना जरूरी करेगी. इसमें मौजूदा नेवी पाबंदियों और ब्लॉकेड को हटाने के साथ-साथ विदेशों में जमा ईरानी एसेट्स को रिलीज करने और ईरान द्वारा बैन और मिलिट्री दबाव के कारण हुए नुकसान के लिए मुआवजा देने की भी बात कही गई है. आर्थिक तौर पर इस प्लान में ईरान पर लगाए गए सभी अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध को पूरी तरह हटाने की मांग की गई है. इलाके के हिसाब से यह प्रस्ताव ईरान-अमेरिका तनाव से आगे बढ़कर सभी मोर्चों पर युद्ध को खत्म करने की मांग करता है, जिसमें लेबनान से जुड़े झगड़े भी शामिल हैं. यह होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए एक नया गवर्निंग सिस्टम बनाने का भी सुझाव देता है, जो एक जरूरी ग्लोबल तेल ट्रांजिट चोकपॉइंट है. इसका मकसद स्थिरता और बिना रुकावट समुद्री बहाव पक्का करना है, जैसा कि तस्नीम ने बताया है. रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ईरान अब वाशिंगटन से ऑफिशियल जवाब का इंतजार कर रहा है. इस बीच ईरान के लीगल और इंटरनेशनल मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने शनिवार को कन्फर्म किया कि तेहरान का हाल ही में अमेरिका को दिया गया राजनयिक प्रस्ताव जो पाकिस्तान के जरिए एक मीडिएटर के तौर पर पेश किया गया है, उसका मकसद थोपे गए युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना और दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव को खत्म करना है. स्टेट ब्रॉडकास्टर, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक यह बात तेहरान में मौजूद विदेशी डिप्लोमैट्स और एम्बेसडर की एक मीटिंग में कही गई, जहां गरीबाबादी ने डिप्लोमैटिक बातचीत और किसी भी संभावित मिलिट्री हमले, दोनों के लिए ईरान की तैयारी पर जोर दिया. इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक डिप्टी मिनिस्टर ने कहा, 'ईरान ने हमेशा मौजूदा मुद्दों को सुलझाने के लिए इंटरेस्ट-बेस्ड डिप्लोमेसी में विश्वास किया और अपनी भूमिका निभाई.' उन्होंने आगे कहा, 'ईरान ने पाकिस्तान को एक मीडिएटर के तौर पर अपना प्लान पेश किया. इसका मकसद थोपे गए युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना है, और अब गेंद अमेरिका के पाले में है कि वह राजनयिक का रास्ता चुने या टकराव वाला तरीका जारी रखे.' गरीबाबादी ने कहा कि तेहरान राजनयिक तरीके से बातचीत करने के लिए तैयार है, लेकिन वह अमेरिका पर गहरा भरोसा नहीं करता और ईमानदार और मतलब वाली बातचीत के उसके कमिटमेंट पर सवाल उठाता है. इस बीच, अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के नए प्रस्ताव पर नाखुशी जाहिर की. इसका मकसद चल रहे युद्ध को खत्म करना है, साथ ही इस बात पर भी शक जताया कि क्या कोई आखिरी समझौता हो पाएगा. व्हाइट हाउस में रिपोर्टर्स से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'वे एक डील करना चाहते हैं, लेकिन मैं इससे खुश नहीं हूं, इसलिए देखते हैं क्या होता है।

टैंकर ट्रैकर्स फर्म का दावा, 'ईरानी सुपरटैंकर ने यूएस नाकाबंदी को दिया चकमा'

तेहरान, एजेंसी। ईरान का एक सुपरटैंकर अमेरिकी नाकेबंदी को चकमा देकर एशिया-प्रशांत क्षेत्र तक पहुंच गया है। मॉनिटरिंग फर्म 'टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम' के अनुसार, जहाज लगभग 1.9 मिलियन बैरल कच्चा तेल लेकर वहां से निकल गया। इसकी कीमत करीब 220 मिलियन डॉलर (लगभग 220 मिलियन डॉलर) आंकी गई है। यह वेरी लार्ज क्रूड कैरियर (वीएलसीसी) नेशनल इरानियन टैंकर कंपनी का बताया जा रहा है, जिसे 'ह्यूज' नाम से पहचाना गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसे आखिरी बार डेढ़ हफ्ते पहले श्रीलंका के पास देखा गया था। फिलहाल यह जहाज लोमबोक स्ट्रेट से गुजरते हुए रिओ आर्किपेलेगो (द्वीप समूह) की ओर बढ़ रहा है। टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम ने बताया कि 13 अप्रैल को जब अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की घोषणा की, उस समय यह टैंकर ईरानी जलक्षेत्र में था। इससे पहले 20 मार्च को स्ट्रेट ऑफ मलाका से ईरान के लिए रवाना होने के बाद से इसने अपने ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एआईएस) को बंद कर दिया था, जिससे इसकी लोकेशन ट्रैक करना मुश्किल हो गया था। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब ईरानी सरकारी मीडिया ने 29 अप्रैल को दावा किया था कि कम से कम 52 ईरानी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़ने में सफल रहे हैं। वहीं अमेरिकी सैन्य अधिकारियों का कहना है कि नाकेबंदी शुरू होने के बाद से उन्होंने ईरान से जुड़े करीब 41 जहाजों को वापस लौटने पर मजबूर किया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह नाकेबंदी प्रभावी साबित हो रही है और इससे ईरान को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि ईरान तेल निर्यात करने में असमर्थ हो रहा है और उसे उत्पादन रोकने से पहले तेल को स्टोर करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। शनिवार को ही एक्सियोस ने कुछ अधिकारियों के हवाले से खबर प्रकाशित की, जिसमें दावा किया गया कि अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपए (करीब 45,600 करोड़ रुपए) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है।

किंग्स्टन पहुंचकर खुशी हुई', तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के पहले चरण में जमैका पहुंचे जयशंकर

किंग्स्टन , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर शनिवार को जमैका पहुंचे। यह उनकी इस कैरिबियाई देश की पहली आधिकारिक यात्रा है। इस दौरान वह जमैका के नेतृत्व, व्यापार जगत और भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात करेंगे। किंग्स्टन पहुंचने पर जयशंकर ने क्या कहा? जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, किंग्स्टन पहुंचकर बहुत खुशी हुई। यह मेरी जमैका की पहली यात्रा है। उन्होंने आगे कहा, विदेश मंत्री कामिना जे स्मिथ की ओर से किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं प्रभावित हूं। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान कई अहम बैठकों के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने लिखा, अगले दो दिनों में मैं जमैका के नेताओं, व्यापार समुदाय और भारतीय प्रवासी लोगों से मिलने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। इससे पहले, अपने कैरिबियाई दौरे के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में एक छोटा सा ठहराव किया। वह इस समय जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो की तीन देशों की आधिकारिक यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय ने जयशंकर के दौरे पर क्या कहा? विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा 2 मई से 10 मई तक चलेगी। मंत्रालय ने बताया कि यह दौरा भारत और इन देशों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगा, खासकर गिरमिटिया समुदाय की वजह से। इस यात्रा के दौरान जयशंकर तीनों देशों के नेताओं से मिलेंगे और अपने समकक्ष मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा भारत के इन देशों के साथ राजनीतिक संबंधों को और मजबूत करने और लंबे समय से चले आ रहे मित्रतापूर्ण संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए है। यह यात्रा दक्षिण-दक्षिण सहयोग और विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

लेबनान में इजराइल का बड़ा हमला, हिज्बुल्लाह से जुड़े 50 ठिकाने तबाह

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने शनिवार को दक्षिणी लेबनान में टारगेट पर कई हमले किए. इजराइली रक्षा बल ने कहा कि उसकी सेना ने पिछले दिन दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह से जुड़ी कई जगहों पर हमले किये. इसे उसने हमलों की प्लानिंग और सपोर्ट करने के लिए इस्तेमाल होने वाले 'मिलिटेंट इंफ्रास्ट्रक्चर' बताया.

इजराइली रक्षा बल ने कहा, 'पिछले दिन (शनिवार) आईडीएफ ने हिज्बुल्लाह से जुड़े कई ठिकानों पर हमले किये और उन्हें खत्म कर दिया.' इसमें यह भी कहा गया कि कई इलाकों में करीब 70 मिलिट्री स्ट्रक्चर और लगभग 50 हिज्बुल्लाह से जुड़े ठिकानों को खत्म कर दिया गया. इजराइली रक्षा बल के मुताबिक टारगेट में कमांड सेंटर, हथियार रखने की जगहें, मिलिट्री बिल्डिंग और दूसरी जगहें शामिल थी. इनका इस्तेमाल कथित तौर पर इजराइली सेना के खिलाफ हमलों को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता था. बयान में कहा गया, 'इजराइली रक्षा बल राजनीतिक स्तर के निर्देशों के अनुसार इजराइली नागरिकों और इजराइली रक्षा बल सैनिकों को मिलने वाले खतरों के खिलाफ काम करना जारी रखेगा.' एक अलग घटनाक्रम में आईडीएफ ने दक्षिणी गाजा पट्टी में हुई घटनाओं की रिपोर्ट करते हुए कहा कि सैनिकों ने चार लड़ाकों की पहचान की जो येलो लाइन पार करके इजराइली ठिकानों के पास पहुँचे थे. इसमें आगे कहा गया, 'पहचान के बाद सैनिकों ने खतरे को खत्म करने के लिए लड़ाकों पर फायरिंग की. तीन लड़ाके मारे गए और एक और हिट की पहचान की गई.' आईडीएफ ने कहा कि उसकी सदर्न कमांड फोर्स सीजफायर एग्रीमेंट के अनुसार तैनात है और तुरंत आने वाले खतरों का मुकाबला करने के लिए ऑपरेशन जारी रखेगी. ये डेवलपमेंट हिज्बुल्लाह लीडरशिप के कड़े रुख के बीच हो रहे हैं. हिज्बुल्लाह चीफ नईम कासिम ने 27 अप्रैल को अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार इजराइल के साथ सीधी बातचीत में शामिल होने से ग्रुप के इनकार को दोहराया और इजराइली आक्रमण के खिलाफ लगातार विरोध पर जोर दिया. कासिम ने कहा कि सीधी बातचीत अभी भी सवाल से बाहर है और ग्रुप के मिलिट्री रुख पर जोर देते हुए कहा, 'हम हथियार नहीं छोड़ेंगे, और डिफेंस और फील्ड ने टकराव के लिए हमारी तैयारी साबित कर दी है.' अल जजीरा के मुताबिक हिज्बुल्लाह चीफ ने लेबनान सरकार के डिप्लोमैटिक तरीके की भी बुराई की. उन्होंने आगे कहा, 'अधिकारियों ने बिना वजह और बिना वजह रियायत देने की जल्दबाजी की और हम सीधी बातचीत से साफ मना करते हैं. अधिकारियों को सीधी बातचीत बंद करके इनडायरेक्ट बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए.' मौजूदा सिक्योरिटी सिस्टम की कमज़ोरी को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने और भी ज़्यादा हाईलाइट किया, जिन्होंने 26 अप्रैल को कहा कि लेबनान में सीजफायर के इंतजाम को हिज्बुल्लाह कमजोर कर रहा है. नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि इजराइल उत्तरी बॉर्डर पर सिक्योरिटी पक्का करने के लिए ताकत से जवाब देगा, और कहा कि इसके उलट सोच के बावजूद, आईडीएफ एक्टिव रूप से शामिल है. प्रधानमंत्री ने कहा, 'लेबनान के बारे में किसी को यह लग सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप बोले- ईरान प्रस्ताव पर विचार जारी, समझौते के साथ सैन्य कार्रवाई की भी चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम के लिए अमेरिका और ईरान नए प्रस्ताव पर आगे बढ़ सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान के साथ संघर्ष खत्म करने के लिए आए नए प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आगे सैन्य और रणनीतिक कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाम बीच से रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'ईरान के मामले में हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं।' ट्रंप ने पुष्टि की कि वह तेहरान के कथित 14-सूत्रीय प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका आगे सैन्य और रणनीतिक कदमों पर भी विचार कर सकता है, जिसमें तेहरान की बची हुई मिसाइल क्षमता को समाप्त करना और यूरोप में अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम करना शामिल है। उसी बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, 'वे समझौता करना चाहते हैं, वे कमजोर हो चुके हैं। उन्हें यह तय करने में मुश्किल हो रही है कि उनका नेता कौन है।' ईरान की बची हुई मिसाइल क्षमता के बारे में पूछे जाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इसे खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसे खत्म करना चाहूंगा। यह उनके लिए फिर से आगे बढ़ने की एक शुरुआत होगी और हां, मैं इसे खत्म करना चाहूंगा।' उन्होंने आगे की अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के लिए शर्तों को स्पष्ट करने से इनकार कर दिया, लेकिन उन्होंने इसकी संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा, 'अगर वे गलत व्यवहार करते हैं और कुछ बुरा करते हैं, तो निश्चित रूप से सैन्य कार्रवाई संभव है। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्षेत्र में जारी अमेरिकी कार्रवाइयों का बचाव किया और उन्हें स्थिर बताया। उन्होंने कहा, 'यह एक बहुत ही मैत्रीपूर्ण नाकाबंदी है। कोई भी इसे चुनौती नहीं दे रहा है। हालांकि, आर्थिक मोर्चे पर उन्होंने यह संभावना भी जताई कि अमेरिकी ऊर्जा कंपनियां ईरान में काम कर सकती हैं। वहीं, उन्होंने अमेरिका से तेल की भारी खेप भेजे जाने की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'हमारे बहुत सारे जहाज टेक्सास और लुइसियाना आ रहे हैं। सैकड़ों जहाज कतार में हैं। हम बहुत सारा तेल बेच रहे हैं।

गाजा प्रदर्शन पर सख्ती के संकेत, स्टार्मर बोले- उकसाने वाले नारों पर होगा एक्शन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने गाजा युद्ध के समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों को लेकर सख्त रुख अपनाने की बात कही है। उन्होंने साफ कहा कि देश में विरोध प्रदर्शन का अधिकार तो रहेगा, लेकिन अगर कुछ नारे या गतिविधियां लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बनती हैं, तो सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी पड़ेगी। लंदन में हाल ही में दो यहूदी नागरिकों पर चाकू से हमला हुआ, जिसके बाद हालात और ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। यह हमला गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुआ, जिसे ब्रिटेन में यहूदी समुदाय का प्रमुख केंद्र माना जाता है। पुलिस ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया है और एक 45 वर्षीय आरोपी पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है।

'उकसाने वाले नारों पर होगा एक्शन' : ब्रिटिशी पीएम कीएर स्टार्मर ने खास तौर पर 'ग्लोबलाइज द इंतिफादा' जैसे नारों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे नारे लोगों को उकसाने वाले हो सकते हैं, इसलिए इन पर सख्ती जरूरी है। उनका कहना है कि लगातार हो रहे गाजा समर्थक प्रदर्शनों का एक असर पड़ा है, जिससे यहूदी विरोधी घटनाएं बढ़ी हैं।

ब्रिटेन में आतंकवादी खतरे का स्तर बढ़ाया गया : ब्रिटेन के शीर्ष पुलिस अधिकारी मार्क राउली ने भी चेतावनी दी है कि देश में यहूदी समुदाय इस समय सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग तरह के चरमपंथी समूह, चाहे वे वामपंथी हों, दक्षिणपंथी हों या इस्लामिक आतंकवादी, सभी यहूदियों को निशाना बना रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ब्रिटेन में आतंकवादी खतरे का स्तर 'सब्स्टैंशियल' से बढ़ाकर 'गंभीर' कर दिया गया है। इसका मतलब है कि आने वाले छह महीनों में आतंकी हमले की आशंका काफी ज्यादा मानी जा रही है।

2023 में इस्राइल पर हमले के बाद से बढ़ी घटनाएं : रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2023 में इस्राइल पर हुए हमले और उसके बाद शुरू हुए गाजा युद्ध के बाद से ब्रिटेन में यहूदी विरोधी घटनाओं में तेज बढ़ोतरी हुई है। एक संस्था के अनुसार, 2025 में ऐसे करीब 3700 मामले सामने आए, जबकि 2022 में यह संख्या 1662 थी। कुल मिलाकर, ब्रिटेन में गाजा युद्ध को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शनों और बढ़ती हिंसा के बीच सरकार अब कानून-व्यवस्था को लेकर ज्यादा सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप: चार और बच्चों की मौत, मरने वालों का आंकड़ा 280

ढाका , एजेंसी। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने घोषणा की है कि खसरे के लक्षणों के कारण चार और बच्चों की मौत हो गई है. इसके साथ ही 15 मार्च से अब तक मरने वालों की संख्या 280 हो गई है, क्योंकि देश अभी भी इस बीमारी से जूझ रहा है. डीजीएचएस के डेटा का हवाला देते हुए, स्थानीय मीडिया ने बताया कि शुक्रवार तक 24 घंटे में खसरे के 170 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 38,301 हो गई. डीजीएचएस ने इसी समय में खसरे के 115 नए कन्फर्म मामले दर्ज किए, जिससे कुल कन्फर्म इन्फेक्शन के मामलों की संख्या बढ़कर 5,146 हो गई. 15 मार्च से अब तक हुई कुल मौतों में से 49 कन्फर्म खसरे से हुई मौतें थीं, जबकि 231 मौतें कथित तौर पर संदिग्ध मामलों में हुईं. बांग्लादेश के अखबार, द ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, नए पहचाने गए 1,170 संदिग्ध मामलों में से 942 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 893 को छुट्टी दे दी गई. पिछले महीने, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बांग्लादेश में चल रहे मीजल्स के प्रकोप को कंट्रोल करने के लिए तुरंत कदम उठाने को कहा था, और चेतावनी दी थी कि बेहतर निगरानी, ??तेज रिस्पॉन्स सिस्टम और बेहतर वैक्सीनेशन के बिना यह बीमारी फैलने की संभावना है.

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, डब्ल्यूएचओ ने बांग्लादेशी अधिकारियों को सलाह दी है कि वे सभी नगर पालिकाओं में खसरे वाली वैक्सीन की दोनों डोज का कम से कम 95 प्रतिशत कवरेज पक्का करें, साथ ही सरकारी और प्राइवेट हेल्थकेयर सुविधाओं में संदिग्ध मामलों की जल्दी पहचान करने के लिए मजबूत एकीकृत निगरानी प्रणालियां भी बनाएं.

हाल ही में, एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बांग्लादेश का स्वास्थ्य क्षेत्र, जो दशकों से बना है, अगर सुधार के कदम नहीं उठाए गए तो कुछ ही सालों में खत्म होने का खतरा है. बांग्लादेश के जाने-माने अखबार 'द डेली स्टार' के मुताबिक, दक्षिण एशियाई देश में अभी का मीजल्स वैक्सीन संकट सिर्फ एक अलग रुकावट नहीं है, बल्कि यह इंस्टीट्यूशनल कमजोरी को दिखाता है. 2010 और 2022 के बीच 85-92 प्रतिशत से, 2025 में राष्ट्रीय टीकाकरण कवरेज घटकर लगभग 60 प्रतिशत रह जाएगा जो लगभग एक दशक में सबसे कम है. बांग्लादेश का टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम लंबे समय से देश की सबसे मशहूर पब्लिक हेल्थ सफलताओं में से एक रही है. सरकार के लगातार प्रतिबद्धता, मजबूत विकास साझेदारी और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ता के बड़े नेटवर्क पर बने इस सिस्टम ने लगातार ज़्यादा कवरेज दिया और वैक्सीन से रोकी जा सकने वाली बीमारियों के मामलों में तेजी से कमी लाई. रिपोर्ट में बताया गया है, 'सालों तक इसने देश को विकासशील दुनिया के लिए एक मॉडल के तौर पर पेश किया. अब वह मॉडल खत्म किया जा रहा है. बढ़ती मौतों के बीच, एक्सपर्ट्स ने सरकार से तुरंत एक्शन लेने की अपील की है, और चेतावनी दी है कि अगर एक्शन नहीं लिया गया तो खसरे का फैलाव बड़े पैमाने पर हो सकता है, क्योंकि एक मरीज 16 से 18 लोगों को संक्रमित कर सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)